राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 313
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 25 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट
पेज 3 भारत मां से गद्दारी मंजूर नहीं, सब कुछ मंजूर लेकिन भ्रष्टाचार नहीं, आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी, भगवंत मान पर गर्व है : अरविंद
पेज 5 विकास दुबे व उसके रिश्तेदारों की 50 करोड़ की संपत्तियां सील, 10 वाहन भी जब्त किये गए
पेज 7 शेफ़ाली, लोरा के अर्धशतकों की बदौलत वेलोसिटी ने सुपरनोवास को सात विकेट से हराया

आंध्र प्रदेश में विरोध की आग

अमलापुरम शहर में भीड़ ने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और विधायक का घर फूंका; पथराव में 20 पुलिसकर्मी घायल

अमरावती। आंध्रप्रदेश के कोनासीमा जिले का नाम बदलने के विरोध में मंगलवार को हिंसा भड़क गई। गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर पथराव किया और वाहनों को आग लगी दी। अमालापुरम शहर में उग्र भीड़ ने ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर पी विश्वरूपा और मुम्मिडीवरम के विधायक पी.सतीश के घर में आग लगा दी। पुलिस ने मंत्री और उनके परिवार को सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया है। गुस्साई भीड़ ने पुलिस के एक वाहन और एक बस में भी आग लगा दी गई है। करीब 20 पुलिसकर्मी पथराव में घायल हुए हैं।

क्या है मामला

दरअसल, आंध्र प्रदेश सरकार ने 4 अप्रैल को पूर्वी गोदावरी जिले से अलग कोनासीमा जिले का गठन किया था। पिछले दिनों इस जिले का नाम बदलकर बीआर अंबेडकर के नाम पर रख दिया। इसका विरोध शुरू हो गया। कोनासीमा साधना समिति ने नाम बदलने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए जिले का नाम कोनासीमा ही रहने देने की मांग की थी।

समिति ने मंगलवार को डीएम हिमांशु शुक्ला को जिले का नाम बदलने का विरोध करते हुए ज्ञापन सौंपा था। इस दौरान समिति के सैकड़ों लोगों ने अमलापुरम शहर के मुम्मिडीवरम गेट, घंटाघर और अन्य स्थानों पर प्रदर्शन भी किया।

प्रदर्शन को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस फोर्स की तैनाती की गई थी। पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया।

इस दौरान कुछ युवक भाग निकले, जब पुलिस ने उनका पीछा किया तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला कर दिया। भीड़ ने पुलिस पर जमकर पत्थरबाजी की। जवाब में पुलिस ने भी लाठी चार्ज किया। जिसके बाद हिंसा भड़क उठी।

गृहमंत्री बोलीं-दोषियों को बख्शेंगे नहीं

जिले में भड़की हिंसा के मामले में राज्य की गृहमंत्री तानेती वनिता ने राजनीतिक पार्टियों पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक पार्टियों और असामाजिक तत्वों ने मिलकर हिंसा को भड़काया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि घटना में करीब 20 पुलिस कर्मियों को चोट आई हैं। गृहमंत्री ने कहा कि हम इस मामले की जांच करेंगे और जो भी दोषी हैं, उन्हें सख्त से सख्त सजा दिलाएंगे।

गुटखा थूकते वक्त बस का बैलेंस बिगड़ा, 4 की मौत

45 यात्रियों से भरी बस सड़क पर खड़े ट्रेलर में घुसी, 5 घायल

एजेंसी

कोटा। कोटा के सिमलिया थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में 4 यात्रियों की मौत हो गई। दरअसल, एक निजी ट्रेवल्स की बस अहमदाबाद से कानपुर जा रही थी। बस में करीब 45 सवारियां बैठी थीं। 3 बजे कोटा-बारां हाइवे 27 पर सिमलिया के पास बस ड्राइवर ने गुटखा थूकने की कोशिश की।

उसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ गया और सड़क पर खड़े बजरी के ट्रेलर को टक्कर मार दी। हादसे में एमपी के एक और यूपी निवासी 2 यात्रियों की मौत हो गई।

एक यात्री की शिनाख्त नहीं हुई है। 5 अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। मौके पर पुलिस ने यात्रियों को बस से बाहर निकाला। घायलों को इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

सुबह ग्रामीण एसपी भी घटनास्थल पर पहुंचे। मृतकों में दो इसी बस के ड्राइवर है। जो बस में सो रहे थे। इन्हें शिफ्ट में बस चलानी थी। दोनों की नींद में ही मौत हो गई।

डीएसपी नेत्रपाल ने बताया कि तड़के 3 बजे बेलेंस बिगड़ने से बस ड्राइवर ने आगे चल रहे ट्रेलर के टक्कर मार दी। हादसे में 4 लोगों की मौत हुई है, जबकि 5 घायल हुए।

मृतक

1. वीरेंद्र पुत्र जन्दी लाल ग्राम बखतर तहसील मऊरानीपुर जिला झांसी उत्तर प्रदेश
2. नारायण सिंह पुत्र प्रीतम सिंह उम्र 38 साल ग्राम मोहना तहसील व जिला ग्वालियर मध्य प्रदेश
3. जितेंद्र सिंह पुत्र निहाल सिंह ग्राम पोस्ट पाली खुर्द, इटावा, भरथना, उत्तर प्रदेश
4. एक अज्ञात

एटीएस के हत्थे चढ़ा आतंकी, ब्रेनवॉश करके युवाओं की लश्कर में करवाता था एंट्री

नई दिल्ली। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने मंगलवार को पुणे के एक 28 वर्षीय व्यक्ति को प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के लिए विभिन्न राज्यों से आतंकवादियों की भर्ती में कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जुनैद मोहम्मद अता मोहम्मद के रूप में आतंकी की पहचान हुई है जो पुणे के दापोडी इलाके से पकड़ा गया है। कोर्ट ने उसे 3 जून तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया है। अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा के सक्रिय सदस्यों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए संपर्क में था।

जानकारी के अनुसार, मूल रूप से विदर्भ क्षेत्र के बुलढाणा जिले के

खामगांव गांव का मूल निवासी जुनैद मोहम्मद पिछले कुछ वर्षों से पुणे में काम कर रहे था। लेकिन उसने कभी अपने पेशे का खुलासा नहीं किया। अधिकारी ने बताया कि लश्कर-ए-तैयबा के सदस्यों के साथ उसके कथित संबंध सामने आने के बाद एटीएस पुणे इकाई ने उसे गिरफ्तार किया।

अधिकारी ने कहा कि जुनैद मोहम्मद को विभिन्न राज्यों से लश्कर-ए-तैयबा के लिए नए सदस्यों की भर्ती का काम सौंपा गया था। ऑरडर मिलने पर वह देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए नई भर्तियों को प्रशिक्षित करने के लिए जम्मू-कश्मीर ले जाने की कोशिश में था। इसकी एवज पर उसे मोटी रकम मिला करती थी। अधिकारी ने कहा कि पूछताछ के दौरान यह पता चला कि संदिग्ध आतंकवादी को जम्मू-कश्मीर स्थित बैंक खाते से 10,000 रुपये मिले थे। जुनैद मोहम्मद ने एटीएस को पूछताछ में बताया कि उसने अपने आकाओं के साथ संपर्क स्थापित करने के लिए कम से कम 10 सिम कार्ड का इस्तेमाल किया था और हर बार बात करने के बाद वह सिम कार्ड नष्ट कर देता था।

कैंटर में जा घुसी बेकाबू स्कॉर्पियो, 5 की मौत

केदारनाथ दर्शन को जा रहा था बुलंदशहर का परिवार, रात भर नहीं सोया था ड्राइवर

बुलंदशहर। बुलंदशहर में मंगलवार सुबह सड़क हादसे में केदारनाथ जा रहे 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। हादसे में ड्राइवर समेत 6 अन्य घायल हो गए। हादसा गुलावठी थाना क्षेत्र में बुलंदशहर-मेरठ हाइवे पर खुशहालपुर बिजलीघर के पास हुआ। सड़क किनारे खड़े कैंटर में तेज रफ्तार स्कार्पियो जा घुसी। स्कार्पियो की स्पीड इतनी थी की गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद पुलिस ने जब जांच की तो पता चला की स्कार्पियो का मीटर 150 पर बंद था।

एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत

गुलावठी थाने के प्रभारी निरीक्षक

अजय कुमार शर्मा ने बताया कि मरने वालों में देवीपुरा निवासी हिमांशु अग्रवाल (25), पारस (22), शालू (23), हार्दिक माहुर (6), वंश माहुर (4) की मौत हो गई। वहीं सावित्री, पिंकी, रिंकी, हरेंद्र, बेबी घायल हैं। घायलों को बुलंदशहर के अस्पताल में भर्ती कराया है।

घटना की सूचना पर एसएसपी बुलंदशहर संतोष कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे। जहां पुलिस ने पांचों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। सभी मंगलवार सुबह स्कार्पियो से बद्रीनाथ और केदारनाथ दर्शन करने जाना था। बुलंदशहर से निकलते ही करीब 20 किमी की दूरी पर यह हादसा हुआ। एसएसपी का कहना है कि कैंटर सड़क किनारे खड़ा था।

रात भर सोया नहीं था ड्राइवर

पुलिस की जांच में सामने आया है कि हरेंद्र और इनके परिवार को केदारनाथ जाना था। रात में हरेंद्र ने ड्राइवर जितेंद्र को पहले अपनी ससुराल शिकोहाबाद भेजा। जहां से हरेंद्र के परिवार के 2 साले व 2 साली को रात में लेकर आया। उसके बाद रात में ही अलीगढ़ भेजा। पुलिस मान रही है कि ड्राइवर रात में सोया नहीं। ड्राइवर की झपकी भी हादसे का कारण है। नींद की झपकी में ड्राइवर गाड़ी पर नियंत्रण नहीं कर सका और स्कार्पियो कैंटर में जा घुसी।

सीएम योगी ने जताया दुख

सीएम योगी ने बुलंदशहर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा शोक प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं।

जींद में सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत

अस्थियां विसर्जित कर लौट रहा था नारनौंद का परिवार; सीएम ने दुः ख जताया

जींद। हरियाणा के जींद में मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। हरिद्वार से अस्थियां विसर्जन कर लौट रहे नारनौंद के एक परिवार के लोगों की गाड़ी कैथल रोड पर गांव कंडेला के पास ट्रक से टकरा गई। हादसे में दो महिलाओं समेत 6 व्यक्तियों की मौत हो गई। मृतकों एक व्यक्ति पंजाब में रिश्तेदारी से आया था। मृतकों में 15 से लेकर 70 साल तक के व्यक्ति शामिल हैं। घायलों को जींद के नागरिक अस्पताल में दाखिल कराया गया है। हादसे पर मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शोक व्यक्त किया है।

कंडेला के पास हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार हिसार के

नारनौंद गांव के प्यारे लाल की मौत हो गई थी। उसके परिजन फूल चुगने के बाद उनको सोमवार को गंगा में प्रवाहित करने हरिद्वार गए थे। अस्थियां विसर्जन करके वापस लौट रहे थे कि जींद के कंडेला में लक्ष्य मिल्क प्लांट के पास उनकी पिकअप गाड़ी को ट्रक ने सामने से टक्कर मार दी। पिकअप का अगला हिस्सा पूरी तरह से टूट गया। सूचना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पिकअप सवार लोगों को अस्पताल में भेजा।

पति की अस्थियां बहाने गई पत्नी की भी मौत

इस भीषण हादसे में चन्नो (45), शीशपाल (39), अंकुश (15), धन्ना (70) व सुरजी देवी (65) की मौत हो गई। इनके एक रिश्तेदार पंजाब निवासी व्यक्ति भी मृतकों में शामिल है। हादसे मे जिस प्यारे लाल की अस्थि विसर्जन करने परिजन गए थे, उसकी पत्नी सुरजी देवी की भी मौत हो गई है।

ट्रक चालक फरार

सदर थाना प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि ट्रक जींद से कैथल की ओर जा रहा था। टक्कर आमने सामने हुई है। हादसे के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर भाग गया। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है।

सीएम ने की घायलों के स्वास्थ्य की कामना

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने जींद के कंडेला गांव में हुई दुर्घटना को लेकर दुःख व्यक्त किया है।

उन्होंने ट्वीट किया कि जींद के गांव कंडेला के निकट हुई दर्दनाक सड़क दुर्घटना से हृदय से अत्यंत दु:खी हुआ।

इस हादसे में मृत लोगों के परिजनों और घायलों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति व घायलों के शीघ्रातिशीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

आभा ऐप से मिलेगी स्वास्थ्य की जानकारी

नयी दिल्ली। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत स्वास्थ्य रिकॉर्डों के रखरखाव के लिये राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण ने 'आभा' मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जिसमें स्वास्थ्य की जानकारी कभी भी और कहीं भी ली जा सकती है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को यहां बताया कि संशोधित आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) मोबाइल एप्लीकेशन को और व्यावहारिक बनाया गया है तथा उपयोगिता में सुधार के लिए नया यूज़र इंटरफेस (यूआई) जोड़ा गया है। यह गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। मंत्रालय के अनुसार आभा मोबाइल एप्लीकेशन पर कोई भी व्यक्ति आभा एड्रेस बना सकता है।

कश्मीर : पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या, बेटी भी जख्मी

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकवादियों ने बड़ी हिमाकत करते हुए पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी है। श्रीनगर जिले के सूरा इलाके में यह अटैक हुआ है। गोलीबारी में पुलिसकर्मी सैफुल्लाह कादरी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। यही नहीं इस हमले में उनकी बेटी भी जख्मी हो गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि सैफुल्लाह कादरी को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। डॉ. जीएच यातू ने कहा कि अस्पताल पहुंचने पर सैफुल्लाह कादरी मृत पाए गए थे। हालांकि उनकी बेटी की हालत स्थिर है। घटना होने के तुरंत बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ली और आतंकियों की तलाश की जा रही है।

गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों में आतंकवादियों ने स्थानीय सैनिकों, पुलिसकर्मियों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हमले तेज कर दिए हैं।

यही नहीं दूसरे राज्यों से आए प्रवासी लोगों पर भी हमले बढ़े हैं। माना जा रहा है कि सुरक्षा बलों के ऑपरेशन ऑल आउट से बौखलाहट के चलते आतंकी ऐसे हमलों को अंजाम दे रहे हैं ताकि खौफ पैदा किया जा सके।

कश्मीरी पंडितों की वापसी के प्रयास, पंचायत चुनावों में लोगों की सहभागिता जैसे कदमों से भी आतंकवादी बौखलाहट में हैं।

पुणे-बैंगलोर राजमार्ग दुर्घटना में आठ की मौत

एजेंसी

हुबली। कर्नाटक के धारवाड़ जिले के हुबली शहर से कुछ दूर पुणे-बैंगलोर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार को एक सड़क दुर्घटना में महाराष्ट्र के कोल्हापुर से ताल्लुक रखने वाले आठ यात्रियों की मौत हो गई।

पुलिस ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि तरिहाल और गब्बूर के बीच बाईपास सेक्शन में एक निजी बस और एक ट्रक के बीच आमने-सामने टक्कर होने से छह की मौके पर और दो की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि 26 अन्य घायल हो गए।

हुबली-धारवाड़ निगम विभाग के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) गोपाल बयाकोड के अनुसार, कोल्हापुर से बैंगलोर जा रही बस और गब्बूर से महाराष्ट्र की तरफ रवाना हुए ट्रक के बीच टक्कर होने से दोनों वाहन चालकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक यह हादसा उस वक्त हुआ जब बस ड्राइवर ट्रैक्टर को ओवरटेक करने की कोशिश में था। इस दौरान, उसने सामने से आ रहे ट्रक को टक्कर मार दी जिससे बस ट्रैक्टर से जा टकराई। हादसे में बस और ट्रक चालक समेत छह की मौत हो गई, जबकि ट्रैक्टर चालक घायल होकर फरार हो गया। सभी 26 घायलों को यहां कर्नाटक आयुर्विज्ञान संस्थान (केआईएमएस) अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केआईएमएस के प्रमुख रामलिंगप्पा अंतरातनी के अनुसार, भर्ती किए गए लोगों में से दो की अस्पताल में मौत हो गई और 14 घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है जबकि पांच से छह की हालत गंभीर बनी हुई है।

बाइक बोट घोटाला

इलाहाबाद हाईकोर्ट का आदेश, नासिक के 63 लोगों से ठगे थे 1.87 करोड़ रुपए

बाइक बोट घोटाले का मुकदमा 9 महीने में निपटाएं

गाजियाबाद। बाइक बोट घोटाले में दो पीड़ितों की याचिका पर हाईकोर्ट ने इन्हें जल्द निपटाने का आदेश दिया है। पांच हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा के बाइक बोट घोटाले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुकदमा अपराध संख्या-340/2019 को 9 महीने में निपटाने का आदेश उत्तर प्रदेश सरकार को दिया है। नासिक (महाराष्ट्र) के 63 लोगों से 1 करोड़ 87 लाख रुपए की ठगी के मामले में यह मुकदमा मीना लालबाबू चौधरी की तरफ से गौतमबुद्धनगर जिले की दादरी कोतवाली में साल-2019 में दर्ज कराया गया था। मीना लालबाबू चौधरी के अनुसार, बाइक बोट जैसी पौंजी स्कीम में निवेश के नाम पर उन समेत कुल 63 लोगों ने अपना पैसा लगाया था। पैसा डूबने पर उन्होंने उप्र की दादरी कोतवाली में स्नद्बक्रकराई। यह केस गौतमबुद्ध नगर जिले की एसीजेएम-प्रथम कोर्ट में विचाराधीन है। मीना लालबाबू की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इस केस को 9 महीने में निपटाने का आदेश दिया है। ठीक ऐसे ही मामले में मनीष लखवानी नामक शख्स ने भी हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने गौतमबुद्धनगर के एसीजेएम को आदेश दिया है कि वह प्राथमिकता पर इस केस की सुनवाई करते हुए नतीजा दें। मनीष लखवानी से 32 लाख रुपए

ठगे गए थे। उन्होंने भी दादरी कोतवाली में साल-2019 में मुकदमा दर्ज कराया था, जो कोर्ट में अब तक विचाराधीन है।मीना लालबाबू चौधरी और मनीष लखवानी के मुकदमों की जांच यूपी पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा मेरठ कर रही थी, जिसमें पूर्व में ही चार्जशीट कोर्ट में दाखिल हो चुकी है।

117 मुकदमों की जांच EOW और CBI पर

साल-2018 में बाइक बोट घोटाला हुआ था। यूपी में जिला गौतमबुद्धनगर के चीती गांव में इसका दफ्तर खोला गया। लोगों को झांसा दिया गया कि यह कंपनी किराए पर बाइक चलाती है।

यदि कोई व्यक्ति एक बाइक का पैसा इन्वेस्ट करेगा तो उसे हर महीने करीब छह हजार रुपए रिटर्न मिलते रहेंगे। देशभर के लाखों लोगों ने अरबों रुपए इस पौंजी स्कीम में लगा दिए और उन्हें कुछ दिन बाद रिटर्न मिलना बंद हो गया।

12 जनवरी 2019 को गौतमबुद्धनगर जिले में पहली एफआईआर हुई थी। इस मामले में अब तक 26 आरोपी गिरफ्तार हैं। 106 मुकदमों की जांच EOW मेरठ और 11 मुकदमों की जांच CBI कर रही है। देश की विभिन्न जांच एजेंसियां इस घोटाले की रकम अलग-अलग मानती हैं। EOW के अनुसार पांच हजार करोड़, सीबीआई के अनुसार 15 हजार करोड़, दिल्ली पुलिस के अनुसार 42 हजार करोड़ रुपए का यह घोटाला है।

शार्ट न्यूज

‘वंदे मातरम्’ को मिले राष्ट्रगान के बराबर सम्मान, दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका फाइल करके मांग की गई है कि राष्ट्र गीत वंदे मातरम् को राष्ट्र गान जन गण मन के बराबर सम्मान दिया जाए। भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान यह गीत खूब गाया जाता था। कोर्ट से मांग की गई है कि वह केंद्र सरकार को निर्देश दे की स्कूलों और अन्य शिक्षण संस्थानों में रोज राष्ट्गान के साथ वंदे मातरम भी गाया या बजाया जाए। याचिका में यह भी मांग की गई है कि 24 जनवरी 1950 को मद्रास कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए फैसले का पालन किया जाए। याचिका में अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि सभी भारतीयों का कर्तव्य है कि वे वंदे मातरम गाएं और देश की अखंडता को बनाए रखें। इसके अलावा सरकार का भी यह दायित्व है कि वह जन गण मन और वंदे मातरम को समान रूप से प्रमोट करें। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम से किसी की भावनाएं आहत होने का सवाल नहीं है क्योंकि संविधान निर्माताओं ने इसे सम्मान देने की बात कही थी। याचिका में कहा गया, जन गण मन में एक राष्ट्र को ध्यान में रखते हुए भावनाएं व्यक्त की गई हैं वहीं वंदे मातरम में देश के चरित्र की बात कही गई है इसलिए दोनों को समान दर्जा मिलना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि कई ऐसी परिस्थितियां भी होती हैं जब वंदे मातरम गाने पर आपत्ति जाहिर की जाती है। लेकिन यह सभी भारतीयों का दायित्व है कि वंदेमातरम जब भी गाया जाए तो उसका सम्मान करें। जब भारत को स्वतंत्रता दिलाने लिए आंदोलन चल रहा था तो तब वंदे मातरम पूरे देश का विचार और मोटो बन गया था। लोग वंदे मातरम गाते हुए जुलूस निकालते थे।

जम्मू-कश्मीर में अब आतंकवादी पिस्तौल पर निर्भर

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी अब अशांति फैलाने के लिए भारी-भरकम स्वचालित राइफल की जगह पिस्तौल जैसे हथियारों का इस्तेमाल बड़े पैमाने पर कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि इस वर्ष अब तक आतंकवादियों से 130 पिस्तौल बरामद की गयीं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने कहा, इनमें से 35 को विभिन्न मुठभेड़ों तथा शेष अन्य आतंकवादी समूहों से बरामद किये गये। इस साल बड़े पैमाने पर छोटे हथियारों की जब्ती इस बात का साफ संकेत है कि आतंकवादी अब 'लक्षित हत्या' पर अधिक जोर दे रहे हैं, जो पूरे सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती के रूप में उभर रहा है। इस साल आतंकवादियों ने यहां आठ नागरिकों की लक्षित हत्याएं की हैं तथा दक्षिणी कश्मीर जिले में इसी प्रकार की हमले में दर्जनों गैर-स्थानीय कार्यकर्ता और अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्य घायल हुए हैं। वरिष्ठ सुरक्षा के अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों ने लक्षित हमले के लिए पिस्तौल का इस्तेमाल करना शुरू कर रहे हैं। यह सिर्फ स्थानीय आतंकवादियों का पसंदीदा हथियार नहीं है, पिस्तौल विदेशी आतंकवादियों का भी पसंदीदा हथियार है। विभिन्न मुठभेड़ों के दौरान हमने विदेशी आतंकवादियों के पास से पिस्तौलें बरामद की हैं। उन्होंने कहा कि पिस्तौल को छिपाना आसान होता है और आतंकवादी इससे लक्षित हमला करते हैं और उस पर किसी का ध्यान भी नहीं जाता है। जम्मू कश्मीर पुलिस को सोमवार बड़ी सफलता हाथ लगी, जिसमें पुलिस ने श्रीनगर से 15 पिस्तौल बरामद किए। ये पिस्तौलें सीमापार से तस्करी के जरिए लायी गयीं थी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सुरक्षा बलों ने कश्मीर से 167 पिस्तौलें को बरामद किया था।

लालची पति की वजह से विस्मया ने लगाई थी फांसी, अब अदालत ने सुनाई 10 साल कैद की सजा

कोल्लम। कोल्लम के अडिशनल सेशन कोर्ट ने दहेज और खुदकुशी के लिए उकसाने के मामले में पीड़िता के पति को 10 साल कैद की सुजा सुनाई है। इसके अलावा कोर्ट ने विस्मया के पति किरण कुमार प र 12.5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हालांकि विस्मया के पैरेंट्स ने अब हाई कोर्ट में याचिका फाइल करने का फैसला किया है। उनका कहना है कि किरण कुमार को कम से कम उम्रकैद होनी चाहिए। विस्मया एक मेडिकल स्टूडेंट थी और पिछले साल जून में उसने ससुराल में फांसी लगा ली थी। किरण कुमार ने कोर्ट में कहा था कि वह परिवार में अकेले ही कमाने वाला है इसलिए उसे ज्यादा सजा न दी जाए। उसने कहा था कि उसके पिता को भूलने की बीमारी है और अगर वह जेल चला जाएगा तो उसकी मां बेसहारा हो जाएंगी। उसने कोर्ट में कहा था कि मां को हाई ब्लड प्रेशर और डाइबटीज की बीमारी है। किरण के वकील ने भी उसे उम्र कैद न देने की अपील की थी। दरअसल विस्मया एक आयुर्वेद मेडिकल स्टूडेंट थी। विस्मया के परिवार ने आरोप लगाया था कि उन्होंने लड़के को दहेज में एक एकड़ जमीन और कार दी थी। इसके बावजूद वे लोग लालची थे और 10 लाख रुपये कैश की मांग कर रहे थे। दहेज न मिलने की वजह से वह विस्मया को मारता पीटता था। इसीलिए एक दिन विस्मया ने फांसी लगा ली। मृत महिला के पति पर दहेज उत्पीड़न, खुदकुशी के लिए उकसाने और अन्य मामलों में मुकदमा दर्ज किया गया था। 21 जून 2021 को विस्मया को बाथरूम की खिड़की से लटकता हुआ पाया गया था। उस वक्त वह पति के घर पर थी।

नामांकन पत्र जमा करने को हेलीकॉप्टर में आयीं हेमलता

बेंगलुरु। कर्नाटक विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन पत्र जमा करने के लिए भारतीय जनता पार्टी की उम्मीदवार हेमलता नायक मंगलवार को हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचीं। परिषद चुनाव के लिए आज नामांकन दाखिल करने का आखिरी दिन था। भाजपा ने आज ही उम्मीदवारों की घोषणा की थी। जब नाम की घोषणा की गई, तो श्रीमती नायक अपने गृह जिले कोप्पल में थीं। वह कोप्पल से तुमकुर तक सड़क मार्ग से पहुंची और फिर हेलीकॉप्टर से तुमकुर से बेंगलुरु के जक्कुर हवाई अड्डे तक पहुंची। नामांकन में देरी की स्थिति में उम्मीदवार हेमलता नायक हेलीकॉप्टर की व्यवस्था पार्टी की ओर से की गई थी। दोपहर के बाद सवा दो बजे विधान सौधा पहुंची श्रीमती हेमलता नायक परिषद सचिव विशाललक्ष्मी के कार्यालय पहुंची और नामांकन पत्र दाखिल किया। भाजपा ने अंतिम समय में परिषद के उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की थी। मंगलवार को तीन घंटे के भीतर नामांकन जमा करने की अनिवार्यता के मद्देनजर प्रक्रिया पूरी करनी थी। अन्य भाजपा उम्मीदवारों चालुवादी नारायणस्वामी, एस केशवप्रसाद और लक्ष्मणा सवदी ने भी अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किये।

पंजाब में शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने में शिक्षकों का अहम योगदान होगा : मीत हेयर

चंडीगढ़। पंजाब के शिक्षा मंत्री गुरमीत मीत हेयर ने कहा है कि शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए अध्यापक वर्ग का कीमती योगदान रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों में मेरिट से चुने हुए अध्यापक भर्ती होते हैं और वे अपनी बेहतर पढ़ाने की तकनीकों से स्कूली शिक्षा को और गुणवत्तापूर्ण बना सकते हैं। स्कूल प्रमुख अपने स्टाफ की सहायता से बढ़िया जुगतबंदी करके बच्चों में आत्म-विश्वास बढ़ा कर गुणवत्तापूर्वक शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। मीत हेयर ने स्कूल शिक्षा विभाग के ऐजूसेट्ट द्वारा पंजाब के समूह ज़िला शिक्षा अफ़सरों (सेकेंडरी और एलिमेंट्री शिक्षा), डायट प्रिंसिपल, ब्लॉक प्राइमरी शिक्षा अफ़सरों, सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल, मुख्य अध्यापक और इंचार्जों के साथ शिक्षा सुधारों को लेकर पहली बैठक के दौरान ये बातें कही। शिक्षा मंत्री ने सभी अधिकारियों और स्कूल मुखियों से शिक्षा सुधारों के लिए सुझाव माँगे गए हैं और वह एक बार फिर याद करवाते हैं कि यह सुझाव स्कूल प्रमुख अपने स्कूल के अध्यापकों और अन्य कर्मचारियों, विद्यार्थियों और उनके माता-पिता के साथ राय-मशविरा लेकर दें। उन्होंने कहा कि वह सरकारी स्कूलों में लगातार दौरे पर जा रहे हैं और उन्होंने दिल्ली के स्कूलों में भी अपनी टीम के साथ दौरा किया है। उन्होंने दिल्ली के बढ़िया कामों को भी साझा किया। पंजाब सरकार की भावी योजना है कि अध्यापकों से किसी किस्म का नान-टीचिंग काम नहीं लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि वह सभी सुझावों को निजी तौर पर भी पढ़ रहे हैं और इन पर विचार करके ही नयी नीति तैयार की जायेगी।

भगवंत मान का भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को हटाया; कमीशन मांगने का आरोप

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपनी सरकार के स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को पद से हटा दिया है। उनके ऊपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई है। पंजाब सीएमओ ने बताया है कि विजय सिंगला के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे और इस संबंध में सबूत भी पाए गए थे। पंजाब के सीएमओ ने कहा, उन पर आरोप है कि ठेकों के एवज में उन्होंने अधिकारियों से एक पर्सेंट कमीशन की मांग की थी। विजय सिंगला के खिलाफ ठोस सबूत भी पाए गए हैं। मंत्री पद से हटने के साथ ही पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने फैसले को लेकर कहा कि ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सरकार को भ्रष्टाचार से मुक्त रखा जा सके।

पुलिस को सिंगला के खिलाफ केस दर्ज करने का भी आदेश दिया गया है। भगवंत मान ने वीडियो मेसेज में कहा, मैं मंत्री के खिलाफ कड़ा फैसला ले रहा हूं। उन्हें अपनी कैबिनेट से हटा रहा हूं। उनके भ्रष्टाचार के मामले में शामिल होने के हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं। मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि विपक्षी दल मुझ पर हमला करेंगे और कहेंगे कि सरकार गठन के दो महीने के बाद ही मंत्री को हटा दिया गया। बात यह है कि हम किसी भी हाल में यह नहीं सहेंगे कि कोई भ्रष्टाचार करे। हमारे राष्ट्रीय संयोजक (अरविंद केजरीवाल) ने साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार को सहन नहीं किया जाएगा। 2015 में उन्होंने खुद दिल्ली में एक मंत्री को हटा दिया था, जब उस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे।

मान बोले- सिंगला ने गलती मानी, यह ऐतिहासिक फैसला लिया है

भगवंत मान ने वीडियो के साथ लिखा, आम आदमी पार्टी का जन्म ईमानदार सिस्टम कायम करने के लिए हुआ है। अरविंद केजरीवाल ने हमेशा कहा है कि भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे चाहे कोई अपना हो या बेगाना। स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ भ्रष्टाचार के सबूत मिलते ही तुरंत बर्खास्त किया है।

साथ ही FIR के आदेश दिए हैं। भगवंत मान ने दावा किया कि खुद विजय सिंगला ने अपनी गलती मान ली है। गौरतलब है कि विजय सिंगला को पंजाब मानसा से जीत मिली थी और यह 30 सालों में पहला मौका था, जब इस सीट से जीतने वाले विधायक को मंत्री बनाया गया था। लेकिन सरकार गठन के महज दो महीने के भीतर ही उन्हें पद से हटना पड़ा है। उन्हें विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत हासिल हुई थी।

राघव चड्ढा बोले- यह साहस सिर्फ आम आदमी पार्टी में है

भगवंत मान के फैसले की आम आदमी पार्टी के पंजाब प्रभारी राघव चड्ढा ने सराहना की है। उन्होंने ट्वीट किया, आम आदमी पार्टी ऐसा अकेला दल है, जो भ्रष्टाचार के मामलों में अपनों के खिलाफ भी सख्त ऐक्शन लेने का साहस रखती है। हमने दिल्ली में ऐसा ही देखा था और अब पंजाब में भी इसी तरह से काम हो रहा है। करप्शन के लिए जीरो टोलरेंस है।

गहलोत ने विभिन्न प्रस्तावों को दी मंजूरी

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चिकित्सा महाविद्यालय अजमेर में बाल रोग एवं नवजात विज्ञान संस्थान की स्थापना के लिए 22.76 करोड़ रूपए के बजट एवं मसालों की खेती के लिए किसानों को ग्यारह लाख के अनुदान के प्रस्ताव सहित विभिन्न प्रस्तावों को आज मंजूरी दी।

गहलोत की बजट घोषणा 2022-23 के बिंदु संख्या 14 की अनुपालना में बाल रोग एवं नवजात विज्ञान संस्थान के निर्माण में सिविल कार्य की मद में 13.13 करोड़ रूपय एवं उपकरण खरीद के लिए 9.63 करोड़ रूपए के प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजे गए थे। उल्लेखनीय है कि बजट भाषण 2022-23 में 250 करोड़ रूपय की लागत से जयपुर, जोधपुर, अजमेर एवं कोटा में नए मेडिकल संस्थान खोलने की घोषणा की गई थी।

इसी तरह श्री गहलोत ने मसाला बगीचा स्थापना हेतु क्षेत्र विस्तार के लिए 11 लाख रूपए के वित्तीय प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह अनुदान राशि वर्तमान वित्त वर्ष से ही मुख्यमंत्री कृषक साथी योजना के तहत उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रदेश में मसाला फसलों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिए लाई गई इस योजना में लाभान्वित होने वाले किसानों में न्यूनतम 50 प्रतिशत लघु एवं सीमांत किसानों को शामिल करने का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 की कृषि बजट घोषणा संख्या 133 के तहत इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

मुख्यमंत्री ने नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान के लिए 41 पदों के सृजन के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दी है।

संस्थान का संचालन जयपुर के दौलतपुरा में होगा। इससे प्रदेश के युवाओं को आपदा में लोगों की मदद करने सहित आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे राज्य में नागरिक सुरक्षा की टीम और मजबूत हो जाएगी।

पुलिस ने 72 घंटे में सुलझाई चोरी की घटना, दो आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी

जालंधर। जालंधर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी सफलता के रूप में आज शहर में हुई चोरी की घटना को अपराध के 72 घंटों के भीतर सुलझा लिया।

पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह तूर ने बताया कि शहर के न्यू डिफेंस कॉलोनी-द्वितीय इलाके में चोरी की घटना हुई थी, जब अज्ञात चोरों ने जागृत सिंह के घर से भारी मात्रा में सोना लूट लिया था। उन्होंने कहा कि दो नकाबपोश चोरों ने जागृत को बंदूक की नोंक (एयर पिस्टल) पर बंधक बना लिया था और उनके घर से पूरा सोना छीनने से पहले उनके हाथ-मुंह बांध दिए थे। श्री तूर ने कहा कि कमिश्नरेट पुलिस ने जालंधर कैंट थाने में धारा 382 और 452 के तहत प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि एसीपी रवीन्द्र कुमार और थाना प्रभारी राजवंत कौर के नेतृत्व में पुलिस बल ने पेशेवर प्रतिबद्धता, मानव बुद्धि और वैज्ञानिक प्रगति के माध्यम से जांच की। उन्होंने कहा कि अपराधियों की पहचान बिहार निवासी सुमित पुत्र वरिंदर राय और बिक्रमजीत दत्त पुत्र विश्वजीत दत्त निवासी बदरपुर नई दिल्ली के रूप में करने के बाद पुलिस ने उन्हें पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया।

जम्मू-कश्मीर पुलिस मेडल से हटी शेख अब्दुल्ला की तस्वीर

अब होगा अशोक स्तंभ; भड़की नेशनल कॉन्फ्रेंस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने उत्कृष्ट सेवा के लिए प्रदान किए जाने वाले पुलिस सेवा मेडल से शेख अब्दुल्ला की तस्वीर हटाने का फैसला लिया है। इस पर नेशनल कॉन्फ्रेंस भड़क गई है और इसे गलत फैसला करार दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि यह फैसला जम्मू-कश्मीर के इतिहास को मिटाने की कोशिश है, लेकिन वह शेख अब्दुल्ला हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। बता दें कि सोमवार को ही इस संबंध में गृह मंत्रालय की ओर से आदेश दिया गया था और अब जम्मू-कश्मीर पुलिस सेवा मेडल्स में शेख अब्दुल्ला की बजाय भारत के राष्ट्रीय चिह्न अशोक स्तंभ को उकेरा जाएगा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता

इमरान नबी डार ने कहा, राष्ट्रीय चिह्न के प्रति पूरा सम्मान व्यक्ति करते हुए मैं कहना चाहूंगा कि सरकार ने इतिहास, पहचान और हमारे नायकों की पहचान को मिटाने की कोशिश के तहत ही यह कदम उठाया है। डार ने कहा कि नामों को हटाने से कुछ भी नहीं बदलेगा बल्कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक शेख अब्दुल्ला हमेशा लोगों के दिलों पर राज करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर के लोग जहां भी हैं, उसके लिए उन्होंने लंबा संघर्ष किया है। उन्होंने हमेशा ही तानाशाही और उत्पीड़न के खिलाफ जंग लड़ी है। इसे कोई भी बदल नहीं सकता। नाम बदलकर या उनके स्थान पर कुछ और लाकर इसे बदला नहीं जा सकता।

शेख अब्दुल्ला हमेशा लोगों के दिलों में रहेंगे। भले ही जम्मू कश्मीर का प्रशासन और उनके आका कुछ भी फैसला ले लें। गौरतलब है कि जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने आदेश दिया है कि पुलिस सेवा मेडल में अब शेख अब्दुल्ला की तस्वीर नहीं होगी बल्कि अशोक स्तंभ बना होगा। यही नहीं अब इसका नाम भी शेर-ए-कश्मीर पुलिस मेडल नहीं होगा बल्कि जम्मू एवं कश्मीर पुलिस मेडल होगा। इस फैसले का भाजपा समेत कई संगठनों ने स्वागत किया है, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस ने विरोध किया है। शेख अब्दुल्ला नेशनल कॉन्फ्रेंस के संस्थापक थे और कश्मीर के मुख्यमंत्री भी थे।

ऋषभ पंत चेक बाउंस मामला : हरियाणा के क्रिकेटर मृणांक सिंह की पेशी के लिए दिल्ली की कोर्ट ने भेजा नोटिस, आर्थर रोड जेल में बंद है आरोपी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने हाल ही में क्रिकेटर ऋषभ पंत द्वारा दायर चेक बाउंस मामले में आरोपी हरियाणा के क्रिकेटर मृणांक सिंह को पेश करने के लिए मुंबई की आर्थर रोड जेल के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है।

दिल्ली कैपिटल के क्रिकेटर और कप्तान ऋषभ पंत ने आरोप लगाया है कि मृणांक सिंह ने भारी छूट पर महंगी घड़ियों और अन्य सामान दिलाने के बहाने उनसे 1.63 करोड़ रुपये ठग लिए। मृणांक एक व्यापारी की शिकायत पर मुंबई के जुहू थाने में दर्ज कराए गए धोखाधड़ी के एक अन्य मामले में आर्थर रोड जेल में बंद है।

साकेत कोर्ट के मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अभितेश कुमार ने 13 मई को आर्थर रोड जेल अधिकारियों को 19 जुलाई 2022 को सुनवाई की अगली तारीख पर मृणांक को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए अदालत में पेश करने का नोटिस जारी किया है।

कोर्ट ने संबंधित एसएचओ को नोटिस की तामील करने का निर्देश दिया है। अदालत को बताया गया कि मृणांक सिंह जुहू पुलिस स्टेशन, मुंबई में दर्ज एक मामले के सिलसिले में 3 मई 2022 से आर्थर रोड जेल में बंद है।

पंत ने अपने मैनेजर पुनीत सोलंकी के जरिए मृणांक सिंह के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि चेक बाउंस के जरिए उनसे 1.63 करोड़ रुपये ठगे गए। शिकायतकर्ता ने अंतरिम मुआवजे की भी मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि मृणांक ने ऋषभ पंत को बताया था कि उसने लग्जरी घड़ियों, मोबाइल और आभूषणों का व्यवसाय शुरू किया है और वह इन वस्तुओं को छूट पर खरीद सकते हैं। उसने ऋषभ से यह भी कहा कि वह उनके महंगे सामान जैसे घड़ियां, गहने और अन्य सामान अच्छी कीमत पर बेच सकता है। शिकायत में कहा गया है कि पंत 36.25 लाख रुपये और 62.60 लाख रुपये मूल्य की अपनी दो आयातित घड़ियां बेचना चाहते थे और दोनों वस्तुएं को मृणांक को सौंप दी थीं। इसके अलावा, पंत ने उन्हें विभिन्न लक्जरी सामान खरीदने के लिए 2 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि मृणांक सिंह सामान प्राप्त करने में विफल रहा और सौदा रद्द कर दिया गया। इसके बाद दोनों पक्ष 1.63 करोड़ रुपये के आपसी मौखिक समझौते पर पहुंचे और मृणांक ने उक्त राशि के लिए ऋषभ को एक चेक दिया, लेकिन खाते में अपर्याप्त धनराशि के कारण वो चेक बाउंस हो गया।

शहर को अपराध मुक्त रखना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी : जगमोहन सिंह

जालंधर। पंजाब में जालंधर के नये पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) जगमोहन सिंह ने आज कहा कि वह शहर में अपराध का पता लगाने और रोकथाम के लिए कड़े प्रयास करके जालंधर को अपराध मुक्त शहर बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

पुलिस आयुक्तालय जालंधर में आज अपना पदभार ग्रहण करने के बाद श्री सिंह ने कहा कि पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह तूर के नेतृत्व में उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता नशीली दवाओं की आपूर्ति श्रृंखला को तोड़ना और बेईमान तत्वों को नियंत्रण में रखना होगा।

सिंह ने कहा कि पंजाब पुलिस की प्रभावशाली ढंग से देश की सेवा करने की गौरवशाली परंपरा रही है और उन्हें इस समृद्ध विरासत को कायम रखने का भरोसा है।

पुलिस उपायुक्त ने कमिश्नरेट पुलिस में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के अपने एजेंडे के बारे में कहा कि अपराधियों के वर्गीकरण और उनकी निगरानी पर प्रभावी तरीके से ध्यान दिया जाएगा। इसी तरह, उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थ के खिलाफ अभियान को और तेज किया जाएगा और शहर से इस अभिशाप को पूरी तरह से मिटाने पर जोर दिया जाएगा। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि किसी भी प्रकार की तात्कालिकता से निपटने के लिए पीसीआर को और अधिक संवेदनशील बनाया जाएगा।

भाजपा ने की उम्मीदवारों की घोषणा, येदियुरप्पा के पुत्र को टिकट नहीं

बेंगलुरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को कर्नाटक विधान परिषद (एमएलसी) के लिए चार और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से एक विधायक को मैदान में उतारने का फैसला किया, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के पुत्र बी वाई विजयेंद्र को टिकट से वंचित रखा।

भाजपा ने एमएलसी चुनाव के लिए चालुवाड़ी नारायणस्वामी, हेमलता नायक, एस केशवप्रसाद और लक्ष्मण सावदी और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए बसवराज होराट्टी के नाम की घोषणा की। श्री होराती 18 मई को कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की मौजूदगी में विधान परिषद के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के बाद भाजपा में शामिल हुए थे।

पिछले हफ्ते, कर्नाटक भाजपा ने एमएलसी चुनावों के लिए नामों पर चर्चा करने के लिए एक कोर कमेटी की बैठक की थी और पार्टी ने विजयेंद्र सहित कई नामों की सिफारिश की थी।

चुनाव आयोग ने तीन जून को सात सीटों के लिए चुनाव की घोषणा की थी। भाजपा विधान सभा में अपनी मौजूदा स्थिति के बल पर चार सीटें आसानी से जीत सकती है।

राज्य में नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख मंगलवार को है। दो स्नातक और दो शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव 13 जून को होने हैं।

श्री येदियुरप्पा खेमा उम्मीद कर रहा था कि केआर पेटे और सिरा निर्वाचन क्षेत्रों से पार्टी उम्मीदवारों नारायण गौड़ा और डॉ बी एम राजेश गौड़ा की जीत सुनिश्चित करने में विजयेन्द्र की भूमिका को देखते हुये पार्टी उनको टिकट देगी।

प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना : नैनीताल जिले के 11 गांवों की बदलेगी तस्वीर

नैनीताल। उत्तराखंड के नैनीताल जनपद के अनुसूचित जाति बाहुल्य वाले 11 गांवों को मॉडल (आदर्श) गांव बनाया जायेगा। इन गांवों में आधारभूत सुविधाओं का विकास किया जायेगा और केन्द्र सरकार के प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत इन गांवों की पूरी तस्वीर बदल जायेगी।

जिला प्रशासन की ओर से इन गांवों का चयन कर लिया गया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिल्डियाल ने बताया कि पहले चरण में नौ गांवों को आर्दश गांव बनाया जायेगा। ये गांव हैं विकासखंड धारी के अंतर्गत सलियाकोट मल्ला, मज्यूली, सलियाकोट तल्ला, अक्सोड़ा, कोटाबाग ब्लाक के अंतर्गत कुनखेत, रामगढ़ ब्लाक का भियाल गांव, ल्वेशयानी, छियोड़ी, ओखलकांडा का पटरानी शामिल है।

उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में हल्द्वानी के खड़कपुर, बेतालघाट के मझेड़ा को आदर्श गांव के रूप में विकसित किया जायेगा। इन गांवों की ओर से ग्राम पंचायत से ग्राम योजना का प्रस्ताव पास कर अभी प्राप्त नहीं हो पाया है। नौ गांवों की ओर से प्रस्ताव मिल गया है और उसे जिला स्तयरीय समिति द्वारा भी अनुमोदित कर दिया गया है। नौ गांवों का प्रस्ताव बनाकर केन्द्र सरकार को प्रेषित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत इन गांवों में शुद्ध पेयजल, शौचालय, सभी परिवारों को बिजली, सोलर लाइट और सड़कें उपलब्ध करायी जा सकेंगी। साथ ही इन गांवों में स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, का भी विशेष ध्यान रखा जायेगा। योजना के तहत कौशल विकास पर भी जोर दिया जायेगा।

डंपर की चपेट में आने से दो सगे भाईयों की मौत

भोपाल। मध्यप्रदेश के भोपाल जिले के सुखीसेवानियां थाना क्षेत्र में अमोनी गांव के पास डंपर की चपेट में आने से दो सगे भाईयों की मौत हो गई है। थाना प्रभारी वीबीएस सेंगर ने आज बताया कि यहाँ बिलखिरिया थाना क्षेत्र के कोकता का निवासी राजाराम (45) अपने भाई रूपसिंह (47) के साथ कल देर रात मोटरसायकल द्वारा रायसेन स्थित विनेका गांव से लौट रहा था। तभी अमोनी चौराहे पर भोपाल की तरफ से आ रहे एक डंपर ने मोटरसायकल को टक्कर दी।

नशामुक्ति अभियान के लिये समिति तत्काल गठित करने के निर्देश

एजेंसी

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण आयुक्त डॉ. ई. रमेश कुमार ने कलेक्टर्स से नशामुक्ति अभियान में तत्काल जिला एवं अनुभाग स्तर पर समिति गठित करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही मास्टर-ट्रेनर्स की अद्यतन जानकारी और मास्टर-ट्रेनर्स द्वारा अनुभाग स्तर प्रशिक्षण की कार्य-योजना 31 मई तक भेजने को कहा है। मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस ने विभाग को नशामुक्ति अभियान के क्रियान्वयन के लिये तत्काल प्रशिक्षण की कार्यवाही आरंभ करने और प्रत्येक जिले के लिये न्यूनतम 8-10 विषय-विशेषज्ञ तैयार करने के निर्देश विगत दिनों दिये थे।

निर्देशों में कहा गया है कि मास्टर-ट्रेनर्स जिलों में विभिन्न स्तर पर प्रशिक्षण देने के लिये स्मार्ट क्लॉस का चिन्हांकन करें। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले जिला और अनुभाग स्तर के प्रशिक्षणार्थियों का चयन कर लिया जाये।

जिले के सभी नशे के हॉट स्पॉट चिन्हित करें। साथ ही नशे के पीड़ित व्यक्तियों के उपचार, पुनर्वास केन्द्रों का चिन्हांकन और उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं का निरीक्षण एवं मूल्यांकन करा कर उपचार पुनर्वास केन्द्रों को सूचीबद्ध करें।

कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित होने वाली जिला स्तरीय समिति में पुलिस अधीक्षक, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जिला पंचायत), वन मण्डलाधिकारी, नगर निगम आयुक्त/मुख्य नगर पालिका अधिकारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, उपायुक्त आदिम-जाति कल्याण, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला योजना अधिकारी, अधिष्ठाता मेडिकल कॉलेज, संचालक इंजीनियरिंग कॉलेज, जिला आबकारी अधिकारी, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं निश्शक्तजन कल्याण, जिला जनसम्पर्क अधिकारी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण और परियोजना अधिकारी जिला शिक्षा केन्द्र सदस्य होंगे।

समिति में सांसद, विधायक, जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महापौर आदि को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। इसी तरह कलेक्टर, अन्य विभागों एवं संस्थानों के अधिकारियों, अन्य जन-प्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आमंत्रित कर सकेंगे।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की अध्यक्षता में गठित समिति में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, वन, मुख्य कार्यपालन अधिकारी (जनपद पंचायत), बाल विकास परियोजना अधिकारी, तहसीलदार, खण्ड शिक्षाधिकारी, मुख्य नगरपालिका/नगर परिषद, समग्र सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी आदि सदस्य होंगे। अनुभाग स्तर के जन-प्रतिनिधि और नशामुक्ति के क्षेत्र में कार्य कर रही स्वैच्छिक संस्थाओं के पदाधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जा सकेगा।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी ने मेसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड के साथ संविदा समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। एनएचपीसी लिमिटेड भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी ने 24.05.2022 को एनएचपीसी निगम मुख्यालय, फरीदाबाद में सीपीएसयू योजना चरण-2 के तहत 300 मेगावाट सौर परियोजना के विकास के लिए ईपीसी संविदा के लिए मेसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड के साथ संविदा समझौते पर हस्ताक्षर किए। श्री ए.के. सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री आशीष खन्ना अध्यक्ष, रिन्युबल्स, टाटा पावर की उपस्थिति में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए ।इस अवसर पर श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), एनएचपीसी और श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं), एनएचपीसी के साथ एनएचपीसी और मैसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम्स लिमिटेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। एनएचपीसी ने 12.05.2022 को सीपीएसयू योजना चरण- 2के भाग -3के तहत 5 वर्षों के लिए व्यापक ओएंडएम के साथ आईएसटीएस सब-स्टेशन को बिजली निकासी के लिए ग्रिड से जुड़े सौर पीवी परियोजनाओं (1000 मेगावाट) और इसकी ट्रांसमिशन लाइन के विकास के लिए मेसर्स अडानी इंफ्रा (इंडिया) लिमिटेड (गुजरात में 600 मेगावाट), मैसर्स टाटा पावर सोलर सिस्टम्स (राजस्थान में 300 मेगावाट) और मेसर्स एसएसईएल-एएसआर जेवी (आंध्र प्रदेश में 100 मेगावाट) को ईपीसी संविदा अवार्ड किया था। इस कार्य को 18 महीने की पूर्णता अवधि के साथ कुल 6604.42 करोड़ रुपये के अवार्ड मूल्य के साथ प्रदान किया गया था।

एनएचपीसी ने 'स्वच्छता पखवाड़ा-2022' के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया

नई दिल्ली। एनएचपीसी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा -2022 के अंतर्गत एनएचपीसी अवसीय परिसर, सुरजकुंड फ़रीदाबाद के निकट ग्रीन बेल्ट के सामने आज एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, श्री अभय कुमार सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने पीपल का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं) एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम के दौरान पौधरोपण किया। कार्यक्रम के दौरान नीम, पीपल, बरगद, नीम, पीपल, बरगद, गुलमोहर, जामुन, बेल, अमलतास, जाकरेंदा, कटहल तथा पिलखन सहित कुल 100 पौधे लगाए गए। एनएचपीसी द्वारा दिनांक 15 मई से 31 मई 2022 तक अपने सभी पावर स्टेशनों, परियोजनाओं व कार्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा-2022 मनाया जा रहा है। एनएचपीसी द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा-2022 के अंतर्गत स्वच्छता/साफ-सफ़ाई से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों जैसे कि नि:शुल्क चिकित्सा शिविर, कूड़ेदान व सेनीटरी पैड का वितरण, स्वच्छता जागरूकता रैली व स्कूलों में व्याख्यान इत्यादि गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

25 वर्षीय फैशन डिजाइनर ने 14वीं मंजिल से कूदकर की खुदकुशी

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे गुरुग्राम में 25 वर्षीय एक फैशन डिजाइनर ने इमारत की 14वीं मंजिल से कथित रूप से कूद कर खुदकुशी कर ली। वह यहां गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड स्थित इस बहुमंजिला इमारत में रहती थी। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि मृतका की पहचान चारू खुराना के तौर पर हुई है जो हरियाणा के करनाल की रहने वाली थी। पुलिसने बताया कि वह नौकरी की तलाश में गुरुग्राम में रह रही थी और करीब डेढ़ महीने से ग्वाल पहाड़ी स्थित वैली व्यू स्टेट में किराए के फ्लैट में रह रही थी। पुलिस ने कहा कि पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। डीएलएफ फेज-1 थाने के प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया कि सोमवार की रात करीब आठ बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक महिला 14वीं मंजिल की बालकनी से कूद गई है। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और उसे एक निजी अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि उसके परिवार के सदस्य आज सुबह गुरुग्राम पहुंचे। उन्होंने किसी को दोष नहीं दिया। हमें सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला लग रहा है लेकिन पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है।

सड़क पर खड़े ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, 31 वर्षीय युवक की मौत

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में मंगलवार को खड़े ट्रक से एक कार जा टकराई जिससे उसमें सवार 31 वर्षीय युवक की मौत हो गई और उसका चालक घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मृतक की पहचान दीपक गुलाटी के तौर पर की गई है और उसके वाहन चालक राजा उर्फ शहजाद (38) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि पूर्वी दिल्ली नगर निगम के ट्रक के भीतर कोई मौजूद नहीं था और उसका टायर पंचर होने के कारण ट्रक सड़क पर खड़ा किया गया था। पुलिस के अनुसार, उत्तम नगर के निवासी गुलाटी अपने ड्राइवर राजा के साथ सब्जी मंडी जा रहे थे तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस उपायुक्त (उत्तर पश्चिम) उषा रंगनानी ने कहा कि घायलों को तत्काल बाबू जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां गुलाटी को मृत घोषित कर दिया गया। रंगनानी ने कहा कि ट्रक जेएस एनवीरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर पंजीकृत है।

दिल्ली-एनसीआर में घर खरीदना हुआ महंगा, 11 प्रतिशत तक बढ़े दाम

नई दिल्ली। आवासीय संपत्तियों की मांग में वृद्धि और निर्माण कच्चे माल की दरों में तेज बढ़ोतरी के कारण इस साल जनवरी-मार्च के दौरान देश के आठ प्रमुख शहरों में घरों की कीमतों में 11 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। सबसे अधिक 11 प्रतिशत वृद्धि दिल्ली-एनसीआर में देखने को मिली है। यहां पिछले साल की अवधि की तुलना में जनवरी-मार्च 2022 के दौरान घरों की कीमते 7,363 रुपये प्रति वर्ग फुट तक देखी गई। यह जानकारी क्रेडाई , कोलियर्स और लाइसेस फोरस की एक संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार दी गई है। रिपोर्ट के पहले संस्करण के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर के बाद हैदराबाद में वृद्धि देखने को मिली है। यहां, पर घरों की कीमतों में 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 9,232 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया, जबकि अहमदाबाद में 8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5,721 रुपये प्रति वर्ग फुट और कोलकाता में 6 प्रतिशत बढ़कर 6,245 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गया। इसके अलावा, बेंगलुरू, चेन्नई और मुंबई महानगर क्षेत्र में आवास की कीमतें 1-1 प्रतिशत बढ़कर क्रमश-7595 रुपये, 7107 रुपये और 19557 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई है। पुणे में आवासीय संपत्तियों की कीमतें 3 प्रतिशत बढ़कर 7,485 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं। एक संयुक्त बयान में कहा गया है कि अधिकांश शहरों में आवास की मांग में तेजी और लगभग दो वर्षों के लिए कच्चे माल की आसमान छूती कीमतों के कारण घरों की कीमतों में साल-दर-साल वृद्धि हुई, सभी आठ मेट्रो शहरों में पूर्व-कोरोना स्तर को पार कर गया है।

भारत मां से गद्दारी मंजूर नहीं, सब कुछ मंजूर लेकिन भ्रष्टाचार नहीं, आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी, भगवंत मान पर गर्व है : अरविंद केजरीवाल

देश की राजनीति के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि जब कोई पार्टी भ्रष्टाचार के मामले में अपने लोगों के खिलाफ भी एक्शन ले रही है : केजरीवाल

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भारत मां से गद्दारी मंजूर नहीं है। सब कुछ मंजूर लेकिन भ्रष्टाचार मंजूर नहीं है। आम आदमी पार्टी कट्टर ईमानदार पार्टी है और पंजाब के सीएम भगवंत मान के फैसले पर गर्व है। भगवंत मान चाहते तो अपने मंत्री से सेटिंग करके अपने लिए हिस्सा मांग सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और खुद अपने मंत्री के खिलाफ एक्शन लिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब 2015 में हमारी सरकार बनी थी। तब मैंने भी अपने खाद्य मंत्री के खिलाफ ऐसे ही एक्शन लिया था। भगवंत मान के इस फैसले से पंजाब के लोग बहुत खुश हैं और विपक्ष को समझ नहीं आ रहा कि क्या कहें और कैसे इसका विरोध करें? देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है जब कोई पार्टी भ्रष्टाचार के मामले में अपने लोगों के खिलाफ भी एक्शन ले रही है। सभी पार्टियां पहले दिन से ही लोगों को लूटना शुरू कर देती हैं, लेकिन दुनिया के इतिहास में यह पहली सरकार है जो भ्रष्टाचार का पता लगते ही सख्त कार्रवाई करती है। 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम कुछ भी बर्दाश्त कर लेंगे, लेकिन भारत माता के साथ गद्दारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम ना गद्दारी करेंगे और ना ही किसी को करने देंगे। देश की राजनीति में आम आदमी पार्टी ईमानदारी, देशभक्ति और एक सुनहरा भारत बनाने की नई शुरुआत है। आम आदमी पार्टी ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी और सरकार बिना भ्रष्टाचार के ईमानदारी से भी चल सकती है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत मान ने अपने स्वास्थ्य मंत्री को बर्खास्त कर दिया। उसके खिलाफ मामला दर्ज करके गिरफ्तार किया जा रहा है। किसी को इस भ्रष्टाचार के बारे में पता नहीं था। मीडिया से लेकर विपक्ष तक, किसी को भी नहीं पता था। भगवंत मान चाहते तो मंत्री से सेटिंग करके अपने लिए एक हिस्सा मांग सकते थे और मामले को दबा सकते थे। अब तक तो ऐसा ही होता था। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और खुद अपने मंत्री के खिलाफ एक्शन लिया। भगवंत हमें, पूरे पंजाब और पूरे देश को आपके ऊपर गर्व है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जब 2015 में हमारी सरकार बनी थी, तब मैंने भी अपने खाद्य मंत्री के खिलाफ ऐसे ही एक्शन लिया था। उसके भ्रष्टाचार के सबूत मेरे पास आए थे। तब भी किसी को नहीं पता था। मैंने खुद उसके खिलाफ कार्रवाई की थी। आम आदमी पार्टी कट्टर और ईमानदार पार्टी है। कट्टर ईमानदार का मतलब है कि अगर हमारा अपना भी कोई चोरी करेगा तो उसे भी नहीं छोड़ेंगे। अभी तक देखा गया कि सारी पार्टियों में आपस में सेटिंग होती थी। अपनों को पकड़ना तो दूर ये एक-दूसरे के नेताओं के खिलाफ भी कार्रवाई नहीं करते थे। पहली बार ऐसा हो रहा है कि कोई पार्टी अपने खुद के लोगों के भ्रष्टाचार के खिलाफ भी एक्शन ले रही है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि भगवंत मान के इस फैसले से लोग बहुत खुश हैं। उन्हें यकीन नहीं हो रहा कि कोई सरकार इतनी ईमानदार भी हो सकती है क्या? कई लोगों की आंखों में खुशी के आंसू हैं और विपक्ष को समझ नहीं आ रहा कि क्या कहें और कैसे इसका विरोध करें। ऐसे में विपक्ष कह रहा है कि देखो सरकार बनने के 2 महीने में ही इनके लोगों ने भ्रष्टाचार करना शुरू कर दिया।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ये सभी पार्टियां भ्रष्टाचार करती हैं। पहले दिन से ही लोगों को लूटना शुरू कर देते हैं और रोज लूटते हैं। लेकिन दुनिया के इतिहास में यह पहली सरकार है जो पता लगते ही सख्त से सख्त कार्रवाई करती है, चाहे गुनाह करने वाला अपना ही क्यों ना हो। भ्रष्टाचार देश और भारत माता के साथ गद्दारी है। कुछ भी बर्दाश्त कर लेंगे लेकिन भारत माता के साथ गद्दारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। गर्दन कट जाए लेकिन देश के साथ गद्दारी कबूल नहीं है। हम ना गद्दारी करेंगे और ना ही किसी को करने देंगे।

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा बचपन से घर में मां-बाप ने ईमानदारी के संस्कार दिए हैं। यह जो हमने किया है, यह करने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए और यह हिम्मत हमें भगवान से मिलती है। आज पूरे देश में सिर्फ एक ही पार्टी है जो कट्टर ईमानदार सरकार दे सकती है। कुछ लोग कहते हैं कि पार्टी और सरकार चलाने के लिए थोड़ा बहुत तो भ्रष्टाचार करना पड़ता है।

आम आदमी पार्टी ने यह साबित कर दिया कि पार्टी और सरकार बिना भ्रष्टाचार के ईमानदारी से भी चल सकती है। भारतीय राजनीति बहुत खराब हो गई है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने गंदें पानी की सप्लाई की जांच कराने के लिए केंद्रीय जलमंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को लिखा पत्र

दिल्ली को जहरीले, गंदे और बदबूदार पानी पिलाने वाले मुख्यमंत्री, जलमंत्री और जलबोर्ड के उपाध्यक्ष पर एफआईआर दर्ज की जाए

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि आज दिल्ली के लोग साफ पानी के लिए तरस रहे हैं। आम जनता पानी की समस्या से परेशान है क्योंकि दिल्ली जलबोर्ड द्वारा सप्लाई किए जाने वाला पानी बदबूदार आ रहा है। उसे पीना तो दूर इंसान उससे हाथ तक नहीं धो सकता। श्री गुप्ता ने इसकी शिकायत करते हुए केंद्रीय जलशक्ति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली के 100 से अधिक जगहों का सेंपल लेकर जहरीले, गंदे और बदबूदार पानी की जांच कराई जाये और इसके जिम्मेदार दिल्ली के मुख्यमंत्री सहित जलबोर्ड के चेयरमैन, उपाध्यक्ष और जलबोर्ड के अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाए।

आज एक प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए श्री आदेश गुप्ता ने दिल्ली जलबोर्ड द्वारा सप्लाई किए जा रहे बोतल में भरे पानी को दिखाते हुए कहा कि गोकलपुरी, जसोला और दर्जनों स्थानों से लिए गए इस पानी से सीवर की दुर्गंध आ रही है। यही पानी टंकी के अंदर चला जाता है, जिससे कपड़ा धोने और नहाने के लिए दिल्ली के लोग मजबूर हैं। आज वही दूषित पानी लोग पी रहे हैं। लेकिन केजरीवाल अपने घर में फिल्टर लगाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन केजरीवाल को पता होना चाहिए कि दिल्ली में हर एक व्यक्ति घर में ऑरो नहीं लगवा सकता। उन्होंने केजरीवाल को आगाह करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता की सेहत का थोड़ा भी ख्याल है तो गंदे पानी की सप्लाई पर रोक लगाएं। आदेश गुप्ता ने आज एक वीडियो दिखाया जिसमें लोगों के बीच पानी के लिए तबाही मची हुई है। लोगों का कहना है कि पिछले दो-दो महीनों से लगातार गंदा और बदबूदार पानी पीने को मजबूर हैं और जब इसकी शिकायत हम जलबोर्ड में करते हैं तो उन्हें वहां से भगा दिया जाता है। घर में पानी ना आने की वजह से बच्चे समय पर स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। कई लोग गंभीर बीमारियों से पीड़ित होकर अस्पताल जा रहे हैं जहां उनकी जांच तक नहीं हो पाती है। लोगों का साफ कहना है कि हम खाने के बिना जिंदा रह सकते हैं, लेकिन पानी के बिना कैसे रहें। आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हमेशा हक और अधिकार की बात करते हैं, लेकिन क्या दिल्ली की जनता को साफ पानी पीने का हक नहीं है। केजरीवाल दिल्ली के लोगों को भेड़-बकरियों की तरह हांकना और जान के साथ खिलवाड़ करने की बात को जो चरितार्थ कर रहे हैं, उसे बंद करें।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार 57000 करोड़ रुपये दिल्ली जलबोर्ड को अनुदान देकर भूल चुकी है। दिल्ली जल बोर्ड को कंगाल करने वाले केजरीवाल को दिल्ली की जनता से माफी मांगनी चाहिए क्योंकि दिल्ली जलबोर्ड आज भ्रष्टाचार का अड्डा बन चुका है।

उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता में बैठकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं और दिल्ली की जनता को गंदा, जहरीला पानी पिला रहे हैं, उन्हें जेल के अंदर होना चाहिए। प्रेसवार्ता में प्रदेश मीडिया रिलेशन विभाग के प्रभारी श्री हरीश खुराना और प्रदेश प्रवक्ता आदित्य झा उपस्थित थे।

दिल्लीवासियों को शराब की होम डिलीवरी के लिए करना होगा दो महीने का इंतजार

नई दिल्ली। दिल्ली में शराब की होम डिलीवरी के लिए अभी और इंतजार करना पड़ेगा। सरकार ने मौजूदा आबकारी नीति को फिलहाल दो माह के लिए बढ़ा दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की आबकारी नीति को उपराज्यपाल से मंजूरी मिलने में देरी की संभावना को देखते हुए सरकार ने यह फैसला किया है। इसी नीति में शराब की होम डिलीवरी की व्यवस्था थी। नई आबकारी नीति को एलजी की मंजूरी के बाद लागू किया जाता है। दिल्ली में अभी तक नए एलजी ने अपना पदभार ग्रहण नहीं किया है। दुकानें बंद ना हो इसलिए आबकारी विभाग की ओर से 2021-22 के आबकारी नीति को 31 जुलाई तक बढ़ाने के लिए आदेश भी जारी कर दिया है। हालांकि इससे शराब में मिल रही छूट पर पहले की तरह जारी रहेगी। दिल्ली में मौजूदा आबकारी नीति को दूसरी बार बढ़ाया गया है। आम तौर पर प्रत्येक वित्तीय वर्ष एक अप्रैल से नए आबकारी नीति को अधिसूचित करने के बाद लाइसेंस शुल्क लेकर आगे के लिए बढ़ा दिया जाता है। दिल्ली में पहले कोविड के चलते वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कोई आबकारी नीति तैयार नहीं थी तो इसे 31 मई तक के लिए बढ़ाया गया। फिर नई आबकारी नीति बनाकर कैबिनेट से मंजूरी दे दिया गया। मगर इसी दौरान उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इस्तीफा दे दिया। अभी नए एलजी ने पदभार ग्रहण नहीं किया है। इसके चलते उसमें देरी की संभावना को देखते हुए, शराब की दुकानें 31 मई के बाद बंद ना हो इसलिए दोबारा 31 जुलाई तक के लिए इसे बढ़ा दिया गया है। शराब दुकाने के लाइसेंसधारियों से 2 महीने का लाइसेंस शुल्क लेकर आगे दुकान खोलने की मंजूरी दे दी जाएगी। बताते चले सरकार ने नई आबकारी नीति से अपने राजस्व बढ़ाया है। वर्ष 2022-23 में सरकार ने मौजूदा आबकारी नीति में कई बदलाव किए थे। इसमें शराब की होम डिलीवरी के अलावा, दुकानों के आकार 500 वर्ग मीटर से बढढ़ाकर 5000 वर्गमीटर तक करने की अनुमति भी शामिल है। इसके अलावा दुकाने वाली जगह पर कला संस्कृति से जुड़े आयोजनों की भी व्यवस्था की गई है। दिल्ली में अभी प्रत्येक वार्ड में कम से कम 3 दुकान खोलने की शर्त को वापस ले लिया था, क्योंकि दिल्ली के 100 वार्ड गैर अनुपालन क्षेत्र में है जहां शराब की दुकानें नहीं खुल सकती है।

एलबम शूटिंग के बहाने साथ ले जाकर हरियाणवी गायिका दिव्या इंदौरा की हत्या, रोहतक में मिला दफनाया हुआ शव

नई दिल्ली। शूटिंग के नाम पर रोहतक ले जाकर हरियाणवी गायिका की हत्या करने और शव को दफनाने का मामला समाने आया है। मृतका संगीता उर्फ दिव्या इंदौरा 11 मई से लापता थीं। परिजनों ने 14 मई ने दिल्ली के जाफरपुर कलां थाने में शिकायत दी थी। सूत्रों की माने तो पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिव्या इंदौरा परिवार के साथ जाफरपुर कलां इलाके में रहती थीं और हरियाणवी गायिका थीं। परिजनों ने थाने में दी शिकायत में बताया कि वह 11 मई को अपने एक एलबम की शूटिंग के लिए भिवानी जाने वाली थी। रोहित और उसका दोस्त दिव्या को साथ लेकर गए थे। कई दिनों तक जब दिव्या के बारे में कोई सूचना नहीं मिली और उसका फोन लगातार बंद जा रहा था तो 14 मई को उनके परिजनों ने जाफरपुर कलां थाने में अपहरण की शिकायत दी। पुलिस ने जांच शुरू की तो दिव्या का फोन शनिवार को ऑन हुआ। फोन की लोकेशन के बाद पुलिस ने रोहित को हिरासत में ले लिया। उसने पूछताछ में दिव्या की हत्या की बात कबूल कर ली। रोहित से मिली सूचना के बाद दिल्ली पुलिस ने हरियाणा की महम पुलिस को सूचना दी। महम पुलिस ने शनिवार को गांव भैरो भैणी के नजदीक फ्लाईओवर के पास एक क्षत-विक्षत शव बरामद किया। पुलिस ने शव की शिनाख्त के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए पीजीआई भेज दिया है। दिल्ली के जाफरपुर कलां थाना पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि रोहित दिव्या का दोस्त था। उसने बताया है कि दिव्या उसे ब्लैकमेल कर रही थी। जिसके चलते उसने दोस्त के साथ मिलकर दिव्या की हत्या कर दी। महम पुलिस के एसआई विकास ने एएनआई को बताया कि संगीता 11 मई से लापता थी।

दिल्ली नगर निगम सम्पति कर के तहत यूजर चार्ज और शिक्षा सेस को लागू करने की योजना को तुरंत निरस्त करे : चौ0 अनिल कुमार

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली के तीनों नगर निगमों का एकीकरण करने के बाद भी एकीकृत दिल्ली नगर निगम की आर्थिक स्थिति जस की तस बनी हुई। केन्द्र सरकार निगम में अधिकारियों को व्यवस्थित करने व्यस्त है जबकि निगम के आर्थिक संकट को खत्म करने की दिशा में अभी तक कोई सकारात्मक कदम नही उठाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि यह चिंताजनक है कि एकीकृत दिल्ली नगर निगम के आर्थिक संकट को कम करने के लिए सम्पति कर के तहत दो नए टैक्स यूजर चार्ज और शिक्षा सेस के माध्यम से टैक्स जुटाकर दिल्ली की जनता पर बोझ डालने की तैयारी की जा रही है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट से जूझ रही दिल्ली पर भाजपा शासित दिल्ली नगर निगम सम्पति कर के अंतर्गत दो नए टैक्स यूजर चार्ज और शिक्षा सेस लगाकर अतिरिक्त बौझ लोगों की कमर तोड़ने वाला साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने 15 वर्षों के निगम शासन में भ्रष्टाचार के निगम को पहले ही कंगाल बना दिया है और अब निगम केन्द्र के आधीन होने बाद भी स्थिति में कोई बदलाव नही है। उन्होंने कहा कि जब वित्त वर्ष 2021-22 में दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने सम्पति कर से 1000 करोड़ रुपये राजस्व अर्जित किया और उत्तरी नगर निगम ने सम्पति कर के द्वारा 700 करोड़ से अधिक राजस्व अर्जित किया तो वर्तमान में सभी श्रेणी के सम्पति करदाताओं पर भाजपा को अतिरिक्त बोझ नही डालना चाहिए।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस मांग करती है कि केन्द्र सरकार एकीकृत निगम को आर्थिक पैकेज की घोषणा तुरंत करे ताकि दिल्ली वालों को योजनाबद्ध सम्पति कर के तहत यूजर चार्ज और शिक्षा सेस के अतिरिक्त टैक्स से राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि भाजपा शासित दिल्ली नगर निगमों द्वारा सम्पति कर में प्रतिवर्ष सिफारिश पूरी तरह से बेबुनियाद और गरीब विरोधी है, जिसका दिल्ली कांग्रेस पूरी तरह विरोध करती है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सम्पति कर में दो नए टैक्स लगाकर केजरीवाल की तर्ज पर दिल्लीवालां पर टैक्स की मार कर रही है। जिस प्रकार केजरीवाल सरकार बिजली बिलों में अतिरिक्त एडेड टैक्स लगाकर दिल्लीवालों बोझ झेल रहे है।

चौ0 अनिल कुमार ने कहा कि निगम एकीकरण से पूर्व और निगम एकीकरण के बाद भी निगम कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है। निगम में टीचरों, जे.ई., ऐ.ई. कई अन्य वर्गों के हजारों कर्मचारियों को पिछले 5-6 महीनों से वेतन नही मिल पा रहा है और सफाई कर्मचारियों का वेतन संकट पहले की तरह बरकरार है। उन्होंने कहा कि निगम केन्द्र सरकार के आधीन होने के बाद केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय की जिम्मेदारी है कि निगम में कार्यरत सभी कर्मचारियों को समय पर वेतन दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि निगम में जो हालात बने है उसके लिए केजरीवाल और भाजपा पूरी तरह जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा ने मिलकर भ्रष्टाचार करके तीनों निगमों को आर्थिक रुप से डूबो दिया है, जिसकी भरपाई दिल्ली की जनता झेल रही है।

भाजपा ने कृष्णा नगर विधान सभा में चलाया दिल्ली सरकार के खिलाफ पोलखोल अभियान

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने कृष्णा नगर विधान सभा, गीता कॉलोनी मंडल के रानी गार्डन क्षेत्र में दिल्ली सरकार के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया । भाजपा दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री आदेश गुप्ता जी के नेतृत्व में पोल खोल अभियान चलाया गया। इस अभियान में सौ से भी ज्यादा भाजपा कार्यकर्ताओ ने सौ से ज्यादा घरो में जाकर लोगो से संपर्क स्थापित किया जिनको ये बताया गया की दिल्ली सरकार पिछले सात साल से दिल्ली के लोगो को छल रही है। दिल्ली सरकार झूठ बोल रही है की उन्होंने 12 लाख जॉब दी है जबकि हकीकत में दिल्ली सरकार ने पिछले साथ सालो में 440 जॉब ही दिए गए है। दिल्ली सरकार ने 20 अस्पताल खोलने का वादा किया था लेकिन एक भी हॉस्पिटल दिल्ली सरकार ने अभी तक नहीं बनाया है। दिल्ली सरकार ने 500 स्कूल खोलने का वादा जनता से किया था लेकिन दिल्ली सरकार ने अभी तक एक भी स्कूल नया नहीं बनाया है। जबकि 70 प्रतिशत स्कूलों में प्रधानाचार्य ही नहीं है। ये हालत दिल्ली सरकार के वादो की है। इन वादो की पोल खोलने के लिए जनता बीच जाकर लोगो को बताया गया की किस प्रकार से दिल्ली की भोली भाली जनता को ठगा गया है। और आगे भी दिल्ली को न ठगा जाये इसके लिए जनता जागरूक हो और ऐसी सरकार को उखाड़ फेकें जो झूठ पर आधारित है सिर्फ प्रचार माध्यम पर आधारित है और ना ही कोई शासन है और ना ही कोई प्रसाशन है सिर्फ कुसाशन है।

इस कुसाशन के खिलाफ, ग्यारह करोड़ डीटीसी घाटे के खिलाफ, सत्तावन हजार करोड़ दिल्ली जल बोर्ड लोन के खिलाफ आज जनता सड़को पर उतर आयी है जनता का अत्यंत सपोर्ट भाजपा कार्यकर्ताओ को मिल रहा है। बल्कि अब तो ये जन आंदोलन हो गया है जनता ने कहा इन्होने अब तक कुछ तो नहीं किया लकिन घर घर शराब पहुंचाने का काम जरूर कर दिया है इस वार्ड में पहले एक दो दुकाने होती थी लकिन अब पांच पांच दुकाने खुल गयी है। रात को तीन बजे तक दुकाने खुली रहती है जिससे युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है।

घर बर्बाद हो रहे है। और जो सब्सिडी मिल रही है उसके कारण शराब का प्रचलन, शराब पीने की लत लोगो में बड़ा रहे है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेकना ही भारतीय जनता पार्टी की लक्ष्य है। इस अवसर पर जिला प्रभारी श्री पंकज जैन जी, जिला अध्यक्ष श्री राम किशोर शर्मा जी, विधायक प्रत्याशी डॉ अनिल गोयल जी, पार्षद श्री संदीप कपूर जी, पार्षद श्री दीपक मल्होत्रा जी, पूर्व मेयर एवं पार्षद श्रीमती नीमा भगत जी उपस्थित रहे।

किस कानून के तहत चाहिए कुतुब मीनार में पूजा का हक, हिंदू पक्ष से कोर्ट का सवाल

नई दिल्ली । दिल्ली के महरौली में स्थित कुतुब मीनार परिसर में 27 हिंदू और जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में दायर एक अपील पर साकेत कोर्ट में आज सुनवाई खत्म हो गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने कोर्ट को बताया कि कुतुब मीनार परिसर में स्थित कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद मंदिर परिसर के स्थान पर बनाई गई थी। कोर्ट ने इस मामले में आदेश सुरक्षित रखते हुए फैसला सुनाने के लिए 9 जून की तारीख तय की है। हिंदू पक्ष के वकील हरि शंकर जैन ने कहा कि कुतुब मीनार को 27 हिन्दू और जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। यहां आज भी कई हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां मौजूद हैं। इसे देखते हुए देखते हुए हिन्दुओं को कुतुब मीनार परिसर में पूजा करने की इजाजत दी जानी चाहिए। हिंदू पक्ष का यह भी दावा है यहां 1600 साल पुराना लोहे का स्तंभ और पूजा की वस्तु आज भी मौजूद हैं। इस स्तंभ पर संस्कृत में लिए गए श्लोक भी मौजूद हैं। हिंदू पक्ष के वकील हरि शंकर जैन और वकील रंजना अग्निहोत्री से यह मुकदमा दायर किया गया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं से पूछा कि आपको क्या लगता है कि यह एक स्मारक है या पूजा स्थल? कौन सा कानूनी अधिकार आपको किसी स्मारक को पूजा स्थल में बदलने का अधिकार देता है? याचिकाकर्ता जैन ने एएमएएसआर अधिनियम 1958 (AMASR Act 1958) की धारा 16 को पढ़ा, इस अधिनियम के तहत केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित एक संरक्षित स्मारक जो पूजा स्थल या तीर्थस्थल है, उसका उपयोग उसके चरित्र के साथ असंगत किसी भी उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा। साकेत कोर्ट ने कहा कि दिल्ली के महरौली स्थित कुतुब मीनार परिसर में 27 हिंदू और जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में अपील पर आदेश सुनाने के लिए 9 जून की तारीख तय की है। कुतुब मीनार परिसर में 27 हिंदू और जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में एक अपील पर साकेत कोर्ट में सुनवाई होने के बाद वकील सुभाष गुप्ता ने कहा कि कोर्ट से मेरा निवेदन था कि अगर कोई सुरक्षा स्थान बिना किसी व्यवधान के 800 वर्षों से जारी हैं तो उसे जारी रहना चाहिए।

संपादकीय

बच्चे से हिंदू-ईसाई विरोधी नारेबाजी कराना खतरनाक

चरमपंथी इस्लामिक संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया का दुस्साहस बढ़ता ही जा रहा है। खासकर केरल में इस संगठन की गतिविधियां काफी बढ़ गयी हैं क्योंकि यहां इसे एक तरह का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। देशविरोधी अभियानों के लिए कुख्यात और आरएसएस विरोधी एजेंडा चलाने में मशगूल रहने वाला यह संगठन अब खुलेआम हिंदुओं और ईसाइयों को धमकी देने पर उतर आया है। पीएफआई ने केरल के अलाप्पुझा में सेव द रिपब्लिक अभियान के तहत जो विरोध मार्च निकाला और उसमें जिस प्रकार की नारेबाजी की गयी वही इस संगठन का असली चेहरा है। हम आपको बता दें कि इस विरोध मार्च के दौरान पीएफआई ने सोची-समझी रणनीति के तहत एक छोटे-से बच्चे से भड़काऊ नारे लगवाये। अपने पिता के कंधे पर बैठा यह बच्चा नारे लगाते हुए हिंदुओं और ईसाइयों को चेतावनी दे रहा है। यह बच्चा नारे लगा रहा है कि हम बाबरी और ज्ञानव्यापी दोनों में एक दिन सजदा जरूर करेंगे, इंशाअल्लाह, संघियों तुम इस बात को समझ लो। यह बच्चा नारे लगा रहा है कि ना हम पाकिस्तान जाएंगे और न ही बांग्लादेश जाएंगे, इसी देश की 6 फीट जमीन में ही दफन होंगे, लेकिन संघियों तुम ये याद रखना हम मिटने से पहले तुम्हें मिटाकर जाएंगे। इस बच्चे की नारेबाजी का जो दूसरा वीडियो वायरल हो रहा है उसमें वह हिंदुओं और ईसाइयों से कह रहा है कि अपने घर पर चावल, फूल और अंतिम संस्कार के सारे सामान का इंतजाम करके रखो, कुछ भी मत भूलना, कुछ भी मत भूलना, तुम्हारा काल बनकर हम तुम्हारे पास आ रहे हैं।

पीएफआई की रैली में यह जो नारेबाजी हुई है उसको सिर्फ हिंदुओं या आरएसएस के खिलाफ नारेबाजी समझने की भूल मत करिये। ये तो हम सबके लिए एक बड़ी चेतावनी की तरह है कि कैसे पीएफआई बच्चे-बच्चे के मन में नफरत के बीज बो रहा है। जिस बच्चे की उम्र स्कूल में पढ़ने की है उसे धार्मिक रूप से कट्टर बनाकर उन्मादी नारे लगवाये जा रहे हैं। जिस बच्चे की उम्र खिलौनों से खेलने की है उसके मन में दूसरे समुदाय को मौत के घाट उतारने की बात बिठायी जा रही है। बच्चे से सांप्रदायिक नारे लगवाने की पीएफआई की यह रणनीति उन आतंकवादी संगठनों के तौर-तरीकों से मेल खाती है जो हमलों के लिए कई बार बच्चों का इस्तेमाल करते हैं।

फिलहाल तो मामले को गर्माता देख केरल पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है और पीएफआई के अलाप्पुझा जिला अध्यक्ष, सचिव और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 153 ए के तहत मामला दर्ज़ किया है। लेकिन यह कार्रवाई नाकाफी है। केरल पुलिस को चाहिए कि इस विरोध मार्च का हिस्सा रहे पीएफआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओएमए सलाम के खिलाफ भी मामला दर्ज करते हुए उन्हें गिरफ्तार करे। केरल में हाल के वर्षों में जिस तरह आरएसएस से जुड़े लोगों की हत्याएं हुई हैं उसको देखते हुए केरल सरकार को पीएफआई के विरोध मार्च में लगाये गये नारों को गंभीरता से लेना चाहिए। देखा जाये तो इस विरोध मार्च में जो आह्वान किये गये उससे आरएसएस कार्यकर्ताओं की सुरक्षा खतरे में प्रतीत हो रही है। यदि केरल सरकार पीएफआई पर प्रतिबंध नहीं लगाती है तो केंद्र सरकार को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

दूसरी ओर, यह मामला राजनीतिक तूल भी पकड़ता जा रहा है। लड़के द्वारा भड़काऊ नारेबाजी की विभिन्न हलकों में आलोचना के बीच वामदल और कांग्रेस चुप्पी साधे हुए हैं। भाजपा प्रवक्ता टॉम वडक्कन ने तो यहां तक कह दिया है कि केरल 'पहले का कश्मीर' बनने की राह पर है।

...महंगाई से थोड़ी राहत मिलेगी

राजेश माहेश्वरी

केंद्र सरकार ने पिछले दिनों पेट्रोल-डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाकर जनता को मंहगाई से राहत देने की ओर एक कदम बढ़ाया है। असल में देश में खुदरा महंगाई अप्रैल में बढ़कर आठ साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। ?इस दौरान थोक महंगाई भी बढ़कर 17 साल के उच्च स्तर के पहुंच गई।? निस्संदेह पिछले आठ साल की सबसे अधिक खुदरा व नौ साल की सर्वधिक थोक मुद्रास्फीति झेल रही जनता को इससे कुछ न कुछ राहत अवश्य मिलेगी। इससे जहां मालभाड़ा कम होगा, वहीं खाद्य महंगाई में कुछ कमी की भी उम्मीद जगी है। ऐसे में अब राज्यों पर दवाब है कि वो भी वैट कम करे ताकि लोगों को और राहत मिल सके। बाजार विशेषज्ञों की मानें तो आने वाले दिनों में ऐसे और कई कदम उठाए जा सकते हैं। सरकार खाद्य तेल और इंडस्ट्रीज में काम आने वाले कच्चे माल पर आयात शुल्क कम करने पर विचार कर रही है। वास्तव में इस साल कई राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले आसमान छूती महंगाई मोदी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द बन गई थी।

दरअसल, देश के केंद्रीय बैंक ने भी संकेत दे दिये थे कि पेट्रो उत्पादों की कीमत में कमी के बिना महज मौद्रिक उपायों से महंगाई पर काबू पाना मुश्किल होगा। और आखिरकार भारत सरकार को देश की जनता के दर्द और गुस्से के सामने झुकना ही पड़ा। यही लोकतंत्र की ताकत है। पेट्रोल 9.5 रुपए और डीजल 7 रुपए प्रति लीटर सस्ते किए गए हैं। सरकार ने पेट्रोल पर 8 रुपए और डीजल पर 6 रुपए प्रति लीटर उत्पाद शुल्क कम किया है। नवंबर, 2021 में चुनावों की घोषणा के मौके पर भी केंद्रीय टैक्स कम किया गया था। कुल टैक्स कम करने से पेट्रो पदार्थ कोरोना महामारी से पहले वाले स्तर पर आ गए हैं। डीजल का दाम घटने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। जानकारों का कहना है कि खरीफका सीजन आने वाला है। जिसमें धान की रोपाई के लिए खेत की अच्छे से जोताई करनी पड़ती है। इसमें किसानों को घंटों तक ट्रैक्टर चलाना मजबूरी हो जाता है। डीजल के दाम में इजाफा होने से उनकी लागत बढ़ रही थी, लेकिन एक्साइज ड्यूटी कम होने से उन्हें काफी राहत मिलेगी और प्रति लीटर बचत से उनकी लागत घट जाएगी। इस फैसले से छोटे-बड़े किसानों को काफी राहत मिलने वाली है।

इतना ही नहीं करीब 9 करोड़ उज्ज्वला गैस लाभार्थियों को भी साल में बारह सिलेंडरों पर प्रति सिलेंडर दो सौ रुपये की छूट देने की भी घोषणा की है। यह जरूरी भी था, क्योंकि 90 लाख से ज्यादा उज्ज्वला लाभार्थियों ने पहला सिलेंडर ही नहीं भरवाया था। यह आंकड़ा सरकार के पास होगा। खासतौर पर इसका फायदा रूरल एरिया के उज्जवला कनेक्शन लेने वाले एलपीजी कंज्यूमर्स को होगा। वहीं डीजल का रेट कम होने के साथ ही खाद्य पदार्थों जैसे फल, सब्जी, तेल आदि के ट्रांसपोर्टेशन चार्ज कम होने पर इनके रेट में भी कमी आएगी। बीते साल नवंबर में भी केंद्र सरकार ने पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क घटाया था। उसके बाद भाजपा व एनडीए शासित राज्यों ने भी पेट्रो उत्पादों पर से वैट घटाया था। लेकिन विपक्ष शासित राज्यों ने इसका अनुकरण नहीं किया। इस बार केंद्र सरकार द्वारा की गई कटौती के बाद राजस्थान, ओडिशा व केरल ने अपने राज्यों के लोगों को राहत देने का प्रयास किया है।

बेशक तेल पर उत्पाद शुल्क कम करने से सरकार का राजस्व करीब एक लाख करोड़ रुपए कम हो जाएगा और उज्ज्वला सबसिडी के कारण भी 6100 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ सरकार पर पड़ेगा, लेकिन महंगाई और मुद्रास्फीति को कम करने के लिए आम आदमी को यह राहत देना बेहद जरूरी था। इसके अंजाम कुछ भी हो सकते थे। औसत घर का बजट बिगड़ चुका था। जनता लगातार महंगे होते तेल और ईंधन गैस की मार झेलते हुए गुस्साने भी लगी थी। बीते कुछ दिनों में शीर्ष स्तर पर बैठकें की जा रही थीं और प्रधानमंत्री मोदी ने भी हस्तक्षेप किया कि पेट्रोल, डीजल, गैस को कुछ सस्ता किया जाए।

भारतीय रिजर्व बैंक ने भी अनुशंसा की थी कि सरकार अपने हिस्से के उत्पाद शुल्क को घटाए, क्योंकि मालभाड़ा भी एक साल के अंतराल में 20 फीसदी से अधिक बढ़ चुका था, नतीजतन रोजमर्रा की बुनियादी चीजें भी महंगी हो रही थीं। थोक मूल्य सूचकांक और खुदरा महंगाई दर अपने उच्चतम स्तर पर हैं, लिहाजा सरकार को यह फैसला लेना पड़ा। यकीनन भारत सरकार का यह संवेदनशील फैसला है।

जल-संकट गृहयुद्ध का कारण न बन जाये

ललित गर्ग -

पिछले कई दिनों से गंभीर जल संकट से दिल्ली की जनता परेशान है। परेशानी का सबब यह है कि पानी पहुंचाने वाले टैंकरों को कड़ी सुरक्षा में चलाया जा रहा है, ताकि पानी को लेकर हिंसा की नौबत न आ जाए। दक्षिणी दिल्ली क्षेत्र में पानी की कमी से जूझ रहे लोग पानी की टंकियों और हेंडपंपों से बूंद-बूंद पानी इकट्ठा कर रहे है और अपने-अपने पानी के डिब्बों को जंजीर से बांधकर रख रहे हैं। ऐसा ही नजारा मंगलवार को वसंत विहार के कुसुमपुर पहाड़ी इलाके में देखने को मिला। यह चिंताजनक इसलिए है कि अगर ऐसे ही हालात बने रहे तो यह जल संकट कभी भी जल संघर्ष एवं हिंसा में बदल सकता है। यह तो अक्सर देखने में आता ही रहा है कि पानी को लेकर लोग एक दूसरे की जान तक लेने में भी नहीं हिचकते। भीषण गर्मी और हरियाणा में नदी में कम पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति दिन-ब-दिन खराब होती जा रही है। दिल्ली के जल-संकट को जल्दी-से-जल्दी दूर करना सरकार की प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

दिल्ली में जल संकट वैसे तो हर वर्ष गर्मी की समस्या है, पर इसका दुष्प्रभाव साल दर साल बढ़ता ही जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि बढ़ती जनसंख्या की वजह से दिल्ली में पानी की समस्या गंभीर होती जा रही है। अगर हम आंकड़ों पर गौर करें तो यह बात काफी हद तक सच भी है। जैसे दिल्ली की जनसंख्या में बीते दो दशकों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। परंतु केवल जनसंख्या में वृद्धि ही दिल्ली में साल दर साल गहराते जल संकट का कारण नहीं है। विश्व के किसी भी शहर एवं खासकर राजधानी क्षेत्र की जनसंख्या में वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर इससे उपजने वाली विभिन्न समस्याओं एवं जल संकट का मूल आबादी की बजाय, आबादी द्वारा चुनी गई सरकार एवं उसके लिए कार्य करने वाली संस्थाएं हैं, जोकि जीवन के मूलभूत तत्वों एवं जीवन निर्वाह की मूल जरूरतों में से एक जल भी उपलब्ध नहीं करवा पाती है। यह सरकार की नाकामी को दर्शाता है।

यह कैसी सरकार है जिसके शासन में एक-एक बाल्टी पानी के लिए लोग रात-रात भर जाग रहे हैं। जहां पानी पहुंच रहा है वहां लंबी-लंबी कतारें लगी हैं। जिनके पास पानी खरीदने को पैसे नहीं हैं, वे गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। जो खरीद सकते हैं, वे मुंहमांगा दाम दे रहे हैं। ऐसा नहीं कि ये हाल कुछेक इलाकों का है। आधी से ज्यादा दिल्ली पानी के लिए इसी तरह तरस रही है। यह हर साल का रोना है। लेकिन विडंबना यह है कि जल संकट के स्थायी समाधान के लिए क्या हो, इसकी फिक्र किसी को नहीं दिखती।

दिल्ली में जल-संकट का कारण रजनीति भी है। पानी को लेकर विवाद दूसरे राज्यों में भी होते रहते हैं। नदियों के पानी पर किसका और कितना हक हो, यह मुद्दा जटिल तो है ही, राज्यों की राजनीति ने इसे और पेचीदा बना डाला है। दिल्ली को अतिरिक्त पानी देने को लेकर उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के साथ चर्चा करीब तीन साल से चल रही है। हरियाणा सरकार के साथ भी

लंबे समय से बात चल रही है। पर अब तीनों राज्यों ने अपनी मजबूरी जता दी है। मोटे तौर पर दिल्ली में पानी का संकट तब खड़ा होता है, जब यमुना में पानी कम हो जाता है। ताजा स्थिति यह है कि वजीराबाद बैराज पर यमुना नदी का जलस्तर सामान्य से छह फीट नीचे चला गया है। यहां पानी हरियाणा से आता है। हरियाणा तर्क यह दे रहा है कि पंजाब उसे उसके हिस्से का पानी नहीं दे रहा। यानी जब पंजाब हरियाणा को पानी देगा, तब वह दिल्ली को देगा। अगर वाकई ऐसा है तो यह बेहद गंभीर बात है। इससे तो यही लग रहा है कि पानी को लेकर सरकारें राजनीति कर रही हैं। गौरतलब है कि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार है, जबकि उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भाजपा की। जबकि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है और उसी की सरकार पंजाब में है तो वह समस्या के समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होती? पंजाब हरियाणा को पानी दे तो दिल्ली को पानी मिल सकता है। लेकिन इस समस्या के समाधान के लिये गंभीरता क्यों नजर नहीं आ रही है? क्यो जल पर राजनीति की जा रही है? क्यों जनता को पानी के लिये त्राहि-त्राहि करने पर विवश किया जा रहाहै?

ऐसा प्रतीत होता है कि हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और दिल्ली का यह जल-विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर दे उससे पूर्व आवश्यकता है तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर व्यापक राष्ट्रीय हित एवं जनता के हित के परिप्रेक्ष्य में देखा जाये।

जीवन में श्रेष्ठ वस्तुएं प्रभु ने मुफ्त दे रखी हैं- पानी, हवा और प्यार। और आज वे ही विवादग्रस्त, दूषित और झूठी हो गईं। बहुत हो चुका है। अब बस। 2022 दिल्ली के जन-संकट का समाधान का वर्ष हो।

भारत की नदियां शताब्दियों से भारतीय जीवन का एक प्रमुख अंग बनी हुई हैं। इन्हीं के तटों से ऋषियों-मुनियों की वाणी मुखरित हुई थी। जहां से सदैव शांति एवं प्रेम का संदेश मिलता था। इसमें तो पूजा के फूल, अर्घ्य और तर्पण गिरता था अब वहां निर्दोषों का खून गिरता है। हमारी सभ्यता, संस्कृति एवं विविधता की एकता का संदेश इन्हीं धाराओं की कलकल से मिलता रहा है। जिस जल से सभी जाति, वर्ग के लोगों के खेत सिंचित होते हैं। जिनमें बिना भेदभाव के करोड़ों लोग अपना तन-मन धोते हैं। जो जल मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षी की भी प्यास बुझाता है, उसमें अलगाव, भेदभाव, राजनीतिक स्वार्थ का जहर कौन घोल रहा है?

सभी इन राज्यों के अपने तकनीकी व अन्य कारण हो सकते हैं। हो सकता है कि वे उचित भी हों, लेकिन जिस तरह का रवैया दिल्ली एवं पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार एवं हरियाणा, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश की भाजपा सरकारें दिखा रही हैं, उसे शायद ही कोई जायज ठहराएगा। हालांकि देखा यह भी जाना चाहिए कि इन राज्यों के पास अपने लिए कितना पानी है। दिल्ली की अपनी भौगोलिक स्थिति और अन्य मजबूरियां ऐसी हैं कि बिना दूसरे राज्यों से पानी मिले उसका गुजारा चल नहीं सकता। सारे राज्य एक ही देश के हैं, पड़ोसी हैं, सभी के नागरिक भी एक ही हैं। ऐसे में कोई राज्य किसी जरूरतमंद राज्य को पानी नहीं देकर संकट खड़ा करता है, तो यह गंभीर बात है, यह प्रदूषित राजनीति का द्योतक है।

देश की राजधानी में ही अगर इतना गंभीर जल संकट खड़ा हो जाता है और वह भी हर साल, तो सरकारों पर सवाल उठना लाजिमी है। जल-संकट के अलावा भी अन्य आम जनता से जुड़े अनेक संकट है जैसे प्रदूषण आदि। आखिर सरकारें कर क्या रही हैं? दिल्ली की अपनी सरकार है। केंद्र सरकार भी यहां है। देश की सर्वोच्च अदालत भी यहां बैठती है। सत्ता और शक्ति का केंद्र होने के बावजूद लाखों लोग अगर पानी के लिए तरसते हैं तो निश्चित ही इसे व्यवस्था की नाकामी का नतीजा माना जाना चाहिए। नदियों ने विभिन्न प्रांतों को जोड़ा था पर राजनीतिज्ञ इसे तोड़ रहे हैं। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल एक अखण्ड राष्ट्र के उसी प्रकार हिस्से हैं जिस प्रकार मनुष्य शरीर के अंग हुआ करते हैं। कोई सरकार जनता की सुरक्षा एवं संरक्षण करने में असमर्थ है और दूसरी तरफ कोई सरकार अपनी कुर्सी को चमकाने के लिए जल विवाद का लाभ उठाना चाहते हैं।

ये स्थितियां गृह युद्ध की तरफ बढ़ रही हैं। जिस पर नियंत्रण पाना किसी अथॉरिटी के लिए सम्भव नहीं होगा। ये स्थितियां हमारे संवैधानिक ढांचे के प्रति भी आशंका पैदा कर रही हैं। नदी जल के लिए कानून बना हुआ है। आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए।

जानिए बच्चों में हीट स्ट्रोक के लक्षण और रोकथाम के उपाय

कमलेश पांडेय

भारत में मई-जून के महीने में हीट स्ट्रोक की एक गंभीर स्थिति उतपन्न हो जाती है, क्योंकि तापमान लगभग 50 डिग्री सेल्सियस/सेंटीग्रेड तक पहुंच जाता है। बढ़ते तापमान की वजह से यदा कदा आंधी के साथ हल्की-फुल्की बारिश भी होती है, जिससे तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की जाती है। लेकिन दो-चार दिन बाद फिर वही लू यानी हीट स्ट्रोक चलने लगती है, जिसमें हीट थकावट से लेकर क्लासिकल हीट स्ट्रोक तक का स्पेक्ट्रम होता है।

बहुधा यह तब होता है जब बाहर का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस/सेंटीग्रेड से ऊपर हो जाता है। खासकर उत्तर और पश्चिमी भारत में वर्तमान गर्मी की लहरों के साथ, हम दिल्ली-एनसीआर में भी भीषण गर्मी का अनुभव कर रहे हैं। यहां पर तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच चुका है, इसलिए हीट स्ट्रोक के मामले भी सामने आए हैं।

विशेष रूप से बुजुर्ग लोग, लंबे समय से बीमार व्यक्ति और प्रीब्यूबर्टल बच्चे सबसे अधिक जोखिम वाले समूहों में से हैं।

जहां तक बच्चों की बात है तो उनको, उनके अपेक्षाकृत उच्च शरीर की सतह क्षेत्र, कम रक्त मात्रा, बिगड़ा प्रभावी गर्मी, अपव्यय क्षमता और कम पसीने की दर के कारण हीट स्ट्रोक का अधिक खतरा उतपन्न होता है। यह बाहर आने-जाने के समय, स्कूल के खेल के मैदानों में खेलते समय या ग्रीष्म अवकाश के दौरान खेल शिविरों में लगातार सूर्य के संपर्क में रहने के कारण हो सकता है। कार में बंद रहना शिशुओं में एक और महत्वपूर्ण जोखिम कारक है।

चिकित्सकों के मुताबिक, हीट स्ट्रोक का निदान काफी हद तक नैदानिक है। विशिष्ट लक्षणों में उच्च शरीर के तापमान 104 डिग्री सेल्सियस/सेंटीग्रेड तक, तंत्रिका संबंधी असामान्यताएं और हाल के गर्म मौसम के संपर्क में आये बच्चे शामिल हैं। ऐसे बच्चे के दिल की धड़कन में वृद्धि, सिरदर्द, चक्कर आना, भ्रम, उल्टी का अनुभव कर सकते हैं। वे आमतौर पर बुखार, सिरदर्द और लाल, शुष्क त्वचा के साथ उपस्थित होते हैं। बताया जाता है कि एक हॉस्पिटल में हर रोज 10 से 15 बच्चे पीडियाट्रिक ओपीडी में ऐसी ही शिकायतों के साथ पहुंच रहे हैं।

ऐसे बच्चों के उपचार का प्राथमिक उद्देश्य अतिताप का उन्मूलन है, जिसके प्रबंधन में काफी तेजी से और प्रभावी ढंग से शीतलन सबसे महत्वपूर्ण है, जिसे कभी-कभी कूल एंड रन रणनीति कहा जाता है। इसे ठंडे पानी में डुबो कर, ठंडे पानी से नहाकर, आइस पैक लगाकर या गीले तौलिये से प्राप्त किया जा सकता है; और फैनिंग जैसे गंभीर मामलों में, ठंडे लवण के जलसेक द्वारा तापमान पर नियंत्रण सुनिश्चित करने, जलयोजन बनाए रखने और संबंधित जटिलताओं की निगरानी के लिए प्रवेश की आवश्यकता होती है।

वर्तमान मौसम की स्थिति को देखते हुए निवारक उपाय अधिक महत्वपूर्ण हैं। खासकर दिन के गर्म समय से बचें, जितना हो सके घर के अंदर रहें, गर्म वातावरण में ज़ोरदार गतिविधि या खेल से परहेज करें। वहीं, उचित जलयोजन आहार बनाए रखें। बाहर निकलते समय हमेशा अपनी पानी की बोतल साथ रखें। आरामदायक सूती कपड़े पहनें और छतरी का उपयोग कुछ उपयोगी सलाह हो सकता है। हीट स्ट्रोक एक जीवन-धमकी की स्थिति हो सकती है, यदि इसे तुरंत न पहचाना जाता है और प्रभावी ढंग से इलाज नहीं किया जाता है। इसलिए कृपया ऊपर में बताए हुए इन सरल आसान युक्तियों पर ध्यान दें और अपने बच्चों में हीट स्ट्रोक और थकावट से संबंधित जटिलताओं से बचें।

आमतौर पर बढ़ते तापमान की वजह से बच्चों को हीट स्ट्रोक की समस्या हो रही है। अगर किसी बच्चे को सिरदर्द, चक्कर, उल्टी आना, बेचैनी, स्किन का लाल होना जैसी परेशानी हो रही है, तो उसे तुरंत अस्पताल जाना चाहिए। दरअसल, देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है।

सूरज चाचा! सेटिंग अपनी चेंच करें

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'

हो न हो चाचा मामा से बड़े गुस्सैले होते हैं, नहीं तो चंदा को मामा और सूरज को चाचा क्यों कते। कभी-कभी तो उसका गुस्सा देख दादा भी कह उठते हैं। ब्रह्मांड में कई अनगिनत आकाशगंगा है। उनमें से एक आकाशगंगा का एक छोटा सा भाग है हमारा सौर्य मंडल और सौर्य मंडल का प्रधान है हमारे सूरज चाचा। सूरज चाचा एक ही स्थान पर टिके हैं। वे किसी के आगे-पीछे चिरौरी करने नहीं घूमते। बल्कि दुनिया के लोग उन्हें गर्मी की सेटिंग करने की सलाह दे डालते हैं। हाँ यह अलग बात है कि वे किसी की नहीं सूनचे। उनमें 72 प्रतिशत पेड़ों को काटने का हाइड्रोजन वाला गुस्सा, 26 प्रतिशत बचे-खुचे पेड़ों को पानी न डालने वाला हिलियम गुस्सा, 2 प्रतिशत पर्यावपरण के नाम पर नौटंकी करने और मुँह काला करवाने वाला कार्बनी गुस्सा, और कभी-कभी किसी के पुण्य पर ऑक्सीजन बनकर प्रेम लुटाने का काम करते हैं। सूरज चाचा का रंग अभी भी सफ़ेद है, इसलिए कि वे किसी खादी की दुकान से कपड़ा नहीं लेते। सूरज चाचा पृथ्वी से 150 मिलीयन किलोमीटर दूरी पर अपने गर्मदार विला में रहते हैं। दूरी बनाए रखने का एक कारण यह भी है कि कहीं कोई नेता उनकी जमीन न हड़प ले। आजकल इनकी किरणें आवश्यकतानुसार धरती पर नहीं पड़ती। हो न हो सूरज चाचा किसी अर्थशास्त्री से ब्लैक मार्केटिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। ऐसा करने से उनका डिमांड हमेशा बना रहता है। गर्मी के दिनों में तो वातानुकूलित यंत्र बेचने वाली कंपनियों से सांठ-गांठ बनाए रखते हैं। सुना है वे उन्हें कमीशन भी अच्छा देते हैं। सूरज चाचा के प्रकाश में अन्य तारे चमकते है। गरदिश वाले तारे पैसों की चमक से चमकते हैं। चाचा जी आग का गोला हैं। धरती के लोग उन्हीं की आग से सोलार-सोलार खेलते हैं और उनके सामने डरने की नौटंकी करते हैं। वे इंसानों की तरह अंदर-बाहर से अलग नहीं हैं। वे जैसा दिखते हैं, वैसा होते हैं। वैसा करते हैं। गर्मी होना, गर्म करना, गर्म फेंकना इनकी फितरत है। इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं करते। सूरज चाचा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना ज्यादा है।

आओ एक और एक ग्यारह बने

हम सभ भारतीय एक ही दिशा में एक एक कदम चलते हैं तो एक साथ 135 करोड़ कदम आगे बढ़ते हैं

विश्व को भारत की 135 करोड़ जनसंख्या का बुद्धि कौछल, कार्यबल, शुभ संकल्प दिख़ाने का समय आ गया है- जनसंख्या वृद्धि की सकारात्मक सोच- एडकिशन भावनानी

गोंदिया- भारत के बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों, कौशलता निपुण विद्वानों, कुछल नेतृत्व धारक मनीषियों के विचारों का अण्खुट खज़ाना है हमारे देश में,हालांकि इनकी वैचारिक शक्ति का प्रयोग और क्रियान्वयन भी संस्कारों की जननी भारतमाता के गोद में किया जाता है।परंतु वर्तमान समय में हमारे भारतवर्ष में जो एक विषय जोरों से चर्चा में है, उस पर बहुत गंभीरता से हर देशवासी को सकारात्मक सोचना होगा यह विषय है! 135 करोड़ जनसंख्या के कार्यबल, बुद्धि कौशल और शुभ संकल्प का संपूर्ण क्षमता के साथ दोहन करना।

साथियों यह विषय अगर हर भारतीय नागरिक जिसमें राजनैतिक, शासन-प्रशासन, पक्ष विपक्ष, सभके समझ में आ गया है, उसका क्रियान्वयन पूर्ण स्केल के साथ करना शुरू हुआ तो दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व का सर्वश्रेष्ठ विकसित देश बनाने में नहीं रोक सकती!

साथियों बात अगर हम 23 मई 2022 को माननीय पीएम जापान के टोक्यो में क्वाड सम्मेलन में भाग लेने के दौरान भारतीय समुदाय से बातचीत की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा आज हिन्दुस्तान से 130 करोड़ लोग और मैं जापान में बैठे हुए लोगों की भी आंखों में वही देख रहा हूं 130 करोड़ देश्वासियों का आत्मविश्वास, 130 करोड़ संकल्प 130 करोड़ सपने और इस 130 करोड़ सपनों को पूर्ण करने का ये विराट सामर्थ्य परिणाम निश्चित लेके रहेगा दोस्तों। हमारे सपनों का भारत हम देखके रहेंगे। आज भारत अपनी सभ्यता, अपनी संस्कृति, अपनी संस्थाओं के, अपने खोये हुए विश्वास को फिर से हासिल कर रहा है। साथियों बात अगर हम कुछ अवधि से चर्चाओं में चल रहे विषय जनसंख्या नियंत्रण कानून की करें तो हालांकि नीतिगत फैसला अभी नहीं हुआ है। परंतु अभी ज़रूरत है वर्तमान ज़नसंख्या स्थिति को संज्ञान में लेकर उसके कार्यबल, बौद्धिक कौशलता का उपयोग करने के रणनीतिक रोडमैप बनाने की, क्योंकि भारत माता की मिट्टी के गुण इतने प्रभावी हैं कि यहां हर नागरिक में किसी न किसी कौशलता बुद्धिमता का गुण समाया हुआ है! बस! ज़रूरत है उसे तराशने की, उचित ट्रेनिंग देने की, जिसमें अगर हम सफ़ल हो जाते हैं तो रोज़गार मांगने वाला रोज़गार सृजन कर्ता बन जाएगा! 135 करोड़ लोगों के हाथों में काम होगा तो हम भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच क्या? 25 ट्रिलियन डॉलर तक की अर्थव्यवस्था भी ले जाने की क्षमता रखते हैं!

साथियों अगर हम वैश्विक रचना पर नजर घूमांए तो हमारा एक राज्य यूपी,दुनिया के सबसे बड़ी जनसंख्या वाले देशों के पांचवे देश के नम्बर में है,तो हम विचार करें कि, हमारे एक संयुक्त भारत में आज राज्य 35 हैं तो हमसे बहुत छोटी जनसंख्या वाले देशों के नागरिकों के हाथ में काम है, और कौछलता है तथा उनका जीवन स्तर उच्चतर है, तो फिर भारत में तो अपेक्षाकृत अधिक बुद्धि कौशलता और कार्य करने की क्षमता और काबिलियत है! बस जरूरत है उसे तराशने की जो काम राजनीतिक कौशलबुद्धि और वैचारिक एकता के मंत्र को अपनाने पर क्रियान्वयन होगा।

साथियों बात अगर हम 135 करोड़ साथियों के कार्यबल बुद्धि कौशलता के निखार की करें तो हालांकि अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्य योजनाएं चलाई जा रही है। परंतु मेरा एक सुझाव है जिस तरह से सेनाओं के तीनों अंगों के लिए एक पीडीएफ पद का सृजन कर नियुक्ति की गई है ठीक उसी प्रकार 135 करोड़ जनसंख्या के लिए अलग-अलग मंत्रालयों के तहत कार्यबल बुद्धि कौशलता क्षमता का उपयोग करने बनाए गए अपने-अपने विभाग के रणनीतिक रोडमैप को एक सूत्रीय पद याने एक विशेष मंत्रालय बनाकर यानें तालमेल के लिए उस मंत्रालय का सृजन कर माननीय पीएम के अंतर्गत दिया जाए तो इस कार्य में तीव्रता से वृद्धि होगी और हमारी 135 करोड़ जनसंख्या की कार्यक्षमता और उनकी कौछल क्षमता के दोहन का अभूतपूर्व विकास होगा और हम शीघ्र ही लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे और आत्मनिर्भर बहुत तेज़ी से बनेंगे।साथियों बात अगर हम जातिगत, राजनीतिक स्थिति आंदोलनों, आरक्षण की लड़ाई की करें तो मेरा मानना है कि अगर 135 करोड़ पूरी जनसंख्या को उनके कार्यबल और कौछलता का आभास करा कर उनको निख़ारा जाएगा तो उनको यह एहसास कराकर सफ़लता की चाबी उनको दी गई, तो उपरोक्त सभी मामलों का अंत होने की भी संभावना है, क्योंकि हर हाथ में रोज़गार होगा तो जातीयता, आरक्षण, राजनीति, नकारात्मकता की ओर किसी का ध्यान नहीं जाएगा, हालांकि अगर हम इस मुद्दे को नकारात्मकता से संज्ञान में लेकर विश्लेषण करें तो नकारात्मक रिजल्ट ही निकलेगा इसीलिए हमें इस विषय को सकारात्मकता से संज्ञान में लेने की ज़रूरत है।

साथियों बात अगर हम कुछ कुछ समय पहले केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने भी 135 करोड़ जनसंख्या के बारे में कहा कि आज़ादी का अमृत महोत्सव भारत के उज्ज्वल भविष्य और विश्व में भारत को उन्नत स्थान दिलाने के लिए मन में आशा जगाने, संकल्प लेने और अपने कार्यों से इन आशाओं को पूरा करने का है। उन्होंने कहा कि भारत 130 करोड़ की आबादी वाला देश है और अगर सभी 130 करोड़ भारतीय आज़ादी के अमृत महोत्सव में एक-एक संकल्प लें तो एक बहुत बड़ी शक्ति बन जाएगी।

अखिलेश यादव से नाराज आजम खां नें सपा की बढ़ाई मुश्किले

अखिलेश यादव से नाराज आजम खां लखनऊ में मुलायम सिंह यादव से भी नहीं मिले, शपथ लेने के बाद रामपुर लौटे इस बात नें साफ संकेत दे दिए है कि आज़म अब सपा से दूर हो रहें है। जैसा कि सब जानते है कि आजम खां लखनऊ में सोमवार को विधान भवन पहुंचे और बेटे अब्दुल्ला आजम खां के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में विधानसभा सदस्य के पद की शपथ ली। उसके बाद से आजम खां किसी से नहीं मिले। वह रामपुर प्रस्थान कर गए।लखनऊ में मुलायम सिंह यादव से भी नहीं मिले, शपथ लेने के बाद रामपुर लौटे। आजम कि नाराजगी से सपा में बड़ी खलबली मच गई है। आज़म की नाराजगी का जैसे ही कांग्रेस और बसपा को पता चला तो कांग्रेस और बसपा के नेता भी उनको पार्टी में शामिल करने के लिए उनके संपर्क में आ गए। मुस्लिम समाज में बड़ी पहचान रखने वाले आज़म पर इस समय कांग्रेस, बसपा की भी नजर है। कुछ दिनों में आजम खां बड़ा ऐलान कर सकते हैं। अभी आज़म नें कोई ऐलान नहीं किया है पर उनकी नाराजगी नें राजनैतिक गालियारों में एक हलचल जरूर पैदा कर दी है।

शार्ट न्यूज

ट्रैफिक पुलिस और भाजपा नेता में नोकझोंक, चालान करने पर बवाल

सुलतानपुर। सुलतानपुर में बस स्टॉफ के पास उस समय अफरातफरी मच गई जब ट्रैफिक पुलिस के दीवान और भाजपा नेता में नोंकझोंक हुई। दीवान ने भाजपा नेता का ट्रैफिक नियम का उल्लंघन करने पर चालान कर दिया, जिस पर वो आग बबूला हो गए। कोतवाली नगर से 50 कदम की दूरी पर स्थित बस स्टॉप की है। ट्रैफिक दीवान सत्य प्रकाश बस स्टॉप पर ड्यूटी दे रहे थे। इसी समय कुड़वार ब्लॉक के पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणविजय सिंह अपने समर्थकों के साथ उधर से गुजरे। चेकिंग के लिए दीवान गाड़ी बस स्टॉप के पास लगाए थे जिससे भाजपा नेता की गाड़ी निकले में कुछ अवरुद्ध हुआ। आरोप है कि गाड़ी से उतरते ही भाजपा नेता ट्रैफिक दरोगा को गालियां देने लगे और उसे देख लेने की धमकी दिया। ट्रैफिक दीवान ने कहा यातायात नियम के उल्लंघन का उन पर आरोप लगाया और गाड़ी कोतवाली ले चलने को कहा जिस पर बात बढ़ गई। उनके समर्थक भी गाड़ी से उतर आए,दीवान सत्य प्रकाश से उलझ गए।

बाराबंकी में पुजारी की धारदार हथियार से हत्या, मंदिर का घंटा गायब मिला

बाराबंकी। बाराबंकी जिले में ब्रह्म देव धार्मिक स्थल के पुजारी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। सुबह पूजा करने पहुंचे भक्तों ने पुजारी का लहूलुहान शव देखा। घटना की सूचना डायल 112 पर दी। आनन-फानन पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घटना कुर्सी थाना इलाके के बाबूपुर मजरे दरांवा गांव की है। यहां पुजारी बालक राम यादव (62) गांव के बाहर स्थित ब्रह्म देव स्थल पर बरामदा नुमा आश्रम में लंबे समय से रहकर पूजा पाठ करते थे। सोमवार की रात उनके सिर पर हमला कर हत्या कर दी गई। मंगलवार की सुबह करीब 5:30 बजे गांव का ही एक व्यक्ति धार्मिक स्थल पर पूजा पाठ करने पहुंचा तो पुजारी को मृत पड़ा देखा। इसकी सूचना उसने डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष बड्डूपुर शिखा सिंह, थानाध्यक्ष देवा अजय सिंह और प्रभारी निरीक्षक कुर्सी रामचंद्र सरोज मौके पर पहुंचे। जांच करने पर सामने आया कि मंदिर से एक घंटा गायब था। पुलिस ने पुजारी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि पुजारी बालक राम के परिवार में कोई नहीं है। दो बहनें थी जिनकी शादी हो गई। उसके बाद से बालक राम ब्रह्म देव के स्थल पर रहकर पूजा पाठ करता था। उसके नाम दो बीघे जमीन भी है। हालांकि पूरे मामले की जांच पुलिस कर रही है। एसपी उत्तरी ने बताया कि पुजारी के सिर पर हमला कर हत्या की गई है। मामले की जांच की जा रही है।

फर्रुखाबाद कानपुर रूट पर मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे, रेल यातायात प्रभावित

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश में फर्रुखाबाद कानपुर रेलखंड पर मंगलवार को तड़के एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गये, जिससे इस रूट पर रेल यातायात प्रभावित हुआ है। पूर्वोत्तर रेलवे के सूत्रों ने बताया कि इज्जत नगर मंडल स्थित कानपुर अनवरगंज, फर्रुखाबाद रेलखंड पर कानपुर देहात जिले के चौबेपुर स्टेशन के समीप तड़के लगभग साढ़े चार बजे यह घटना हुई। कानपुर से फर्रुखाबाद जा रही एक मालगाड़ी के इंजन से 12वें तथा 13वें डिब्बे पटरी से उतर गये। इसके बाद चालक ने मालगाड़ी खड़ी कर रेल अधिकारियों को घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलते ही पूर्वोत्तर रेलवे इज्जत नगर मंडल से सीनियर डीओएम डा हरीश अपनी टीम के साथ घटनास्थल चौबेपुर स्टेशन के लिए रवाना हो गये। इसके अलावा कासगंज रेलवे स्टेशन से दुर्घटना सहायता ट्रेन चौबेपुर घटनास्थल के लिए रवाना कर दी गयी। रेल अधिकारियों के मुताबिक घटना स्थल चौबेपुर स्टेशन का रेल मार्ग साफ होने तक फर्रुखाबाद एवं कानपुर के मध्य गुजरने वाली वाली करीब आधा दर्जन ट्रेनों का यातायात फिलहाल प्रभावित रहेगा। इससे इस रूट पर सुबह के समय गुजरने वाली रेलगाड़ियों के विलंब से चल रही हैं।

शाही मस्जिद ईदगाह में एडवोकेट कमिश्नर भेजने का अनुरोध

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ भूमि के एक भाग में बनी शाही मस्जिद ईदगाह को हटाने संबंधी मामले में सोमवार को वादी ने सिविल जज सीनियर डिवीजन मथुरा की अदालत में एक प्रार्थनापत्र देकर मस्जिद में मौजूद मन्दिर के चिन्हों के संबंध में एडवोकेट कमिश्नर भेजने का अनुरोध किया है। ठाकुर केशवदेव जी महराज बनाम इन्तजामिया कमेटी आदि के प्रार्थना पत्र में इस बात का दावा किया गया है कि मस्जिद में मन्दिर के चिन्ह मौजूद हैं तथा उन्हें नष्ट या हटाया जा सकता है। ठा केशवदेव जी महराज विराजमान कटरा केशवदेव एवं चार अन्य वाद के वादी राजेन्द्र माहेश्वरी जो इस वाद के अधिवक्ता भी हैं, ने बताया कि प्रार्थनापत्र में कहा गया है कि चूंकि ग्रीष्मावकाश के लिए अदालते पूरे जून माह बन्द रहेंगी इसलिए इतने लम्बे समय में मस्जिद में मौजूद मन्दिर के चिन्हों को नष्ट किया जा सकता है। प्रार्थनापत्र में ज्ञानवापी का हवाला देते हुए कहा गया है कि वहां पर एडवोकेट कमिश्नर को भेजकर जिस प्रकार से रिपोर्ट ली गई है उसी प्रकार की रिपोर्ट शाही मस्जिद ईदगाह मथुरा से भी लेना इसलिए भी जरूरी हो गया है कि ग्रीष्मावकास के लिए जून के महीने में अदालते बन्द रहेंगी तथा इतने लम्बे समय में ईदगाह में मौजूद मन्दिर के चिन्हों को नष्ट किया जा सकता है। वादी के अधिवक्ता माहेश्वरी ने बताया कि 23 दिसम्बर 2020 को ठाकुर केशवदेव जी महराज विराजमान मन्दिर कटरा केशवदेव , दिल्ली निवासी जय भगवान, धर्मरक्षा संघ वृन्दावन के संस्थापक सौरभ गौड़, वे स्वयं एवं एडवोकेट महेन्द्र प्रताप सिंह ने एक वाद सिविल जज सीनियर डिवीजन मथुरा की अदालत में दायर किया था तथा इस वाद के प्रतिवादी इन्तजामिया कमेटी शाही मस्जिद ईदगाह, यूपी सुन्नी सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड लखनऊ , श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट हैं।

लखनऊ में सर्राफ की दुकान पर लूट, 400 ग्राम सोना ,14 किलो चांदी ले गए बदमाश

लखनऊ। लखनऊ में सरोजनीनगर में बदमाशों ने सर्राफ की दुकान पर धावा बोल दिया। शटर तोड़ कर तीन बदमाश अदंर पहुंचे थे। वहीं, तीन लोग बाहर खड़े होकर आने-जाने वालों पर निगाह रखे थे। बदमाशों ने सर्राफ की दुकान से 400 ग्राम सोने और 14 किलो चांदी के गहने चोरी किए हैं। मंगलवार सुबह स्थानीय लोगों ने शटर टूटा देख सर्राफ और पुलिस को सूचना दी थी। गंगानगर में प्रतीक ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। बदमाश दुकान के बाहर पहुंचे थे। जिन्होंने पहले शटर में लगा ताला तोड़ने का प्रयास किया था। सफलता नहीं मिलने पर बदमाशों ने राड का इस्तेमाल करते हुए शटर उठा दिया था। जिसके बाद तीन लोग दुकान के अंदर दाखिल हुए थे। जिनके हाथ में बैग थे। दुकान में घुसते ही बदमाशों ने काउंटर में रखे जेवर बटोर कर बैग में भर दिलए थे। सर्राफ के मुताबिक करीब 14 किलो चांदी और 400 ग्राम सोने के जेवर गायब हैं। इंस्पेक्टर सरोजनीनगर संतोष आर्या के मुताबिक सीसी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी करने का प्रयास पुलिस कर रही है।

ज्ञानवापी मामले पर पहले मुस्लिम पक्ष की मांग पर होगी सुनवाई, 26 को तय होगा मामले का भविष्य

वाराणसी। ज्ञानवापी मामले पर सबसे पहले केस की वैधता के मामले पर सुनवाई होगी। वैधता की मांग मुस्लिम पक्ष ने की थी। वाराणसी की जिजा जज की अदालत में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई शुरू हुई। दोनों पक्षों की ओर से केवल दो बिन्दुओं पर ही चर्चा हुई।

मुस्लिम पक्ष चाहता था कि पहले सिविल प्रक्रिया आदेश 07, नियम 11 के तहत यह तय हो की मामले की सुनवाई हो सकती है या नहीं। वहीं हिन्दू पक्ष चाहता था कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वे रिपोर्ट और उस पर आई आपत्तियों से जुड़े बिंदुओं पर सुनवाई हो। अब 26 मई को पहले वैधता पर सुनवाई होगी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर जिला जज डॉ अजय कुमार विश्वेश की अदालत में सोमवार को सुनवाई शुरू हुई थी। करीब 45 मिनट तक सुनवाई के बाद अदालत ने मंगलवार तक के लिए मामले को टाल दिया था।

शीर्ष अदालत ने यह भी निर्देश दिया था कि आदेश 07 नियम 11 संबंधी अर्जी पर प्राथमिकता के आधार पर सुनवाई हो। कोर्ट ने स्थानीय अदालत द्वारा इंगित किये गये %शिवलिंग% स्थल की सुरक्षा करने का अपना पिछला आदेश बरकरार रखा था। साथ ही वाराणसी जिले मजिस्ट्रेट को नमाजियों के लिये उचित वजू सुविधा प्रबंध करने का निर्देश भी दिया था।

मुस्लिम पक्ष की मांग

मुस्लिम पक्ष ने उपासनास्थल अधिनियम-1991 के उल्लंघन का हवाला देते हुए अर्जी को खारिज करने की मांग की। अदालत में मस्जिद प्रबंधन कमेटी की ओर से यह दलील दी गयी थी कि वर्ष 1991 के धार्मिक स्थल (विशेष प्रावधान) कानून के परिप्रिक्ष्य में इस वाद पर अदालत में सुनवाई नहीं हो सकती है। सिविल प्रक्रिया संहिता के आदेश 07 नियम 11 के तहत इस संबंध में आवेदन दिया गया था। संबंधित कानून में धार्मिक स्थलों का स्वरूप 15 अगस्त 1947 जैसा बनाये रखने का प्रावधान है। वहीं, हिन्दू पक्ष ने सर्वे रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति, फोटो, वीडियो आदि उपलब्ध कराने का आग्रह किया ताकि वह आपत्ति दाखिल कर सके। इसके लिए हफ्तेभर का समय भी मांगा। साथ ही प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष की अर्जी खारिज करने की भी अपील की।

एक सप्ताह में कमीशन की रिपोर्ट पर मांगी आपत्ति

जिजा जज ने सिविल जज की अदालत में पेश किये गए कमीशन की रिपोर्ट और उस पर आपत्ति मांगने के फैसले को बरकरार रखा है। जिला जज ने एक सप्ताह में उस पर आपत्ति मांगी है। दोनों पक्ष एक सप्ताह में उस पर आपत्ति दे सकते हैं। इसके साथ ही दोनों पक्षों को सर्वे की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी समेत रिपोर्ट उपलब्ध कराने का आदेश भी दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यह प्रकरण सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत से जिला जज कोर्ट में स्थानांतरित हुआ है। राखी सिंह एवं अन्य की अर्जी पर सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रवि कुमार दिवाकर की कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर का कोर्ट कमीशन कराया था। मस्जिद परिसर में स्थित वुजूखाने में शिवलिंग मिलने के दावे के बाद उस स्थान को सील करने के आदेश और प्रकरण की पोषणीयता को लेकर मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। तब शीर्ष अदालत ने यह प्रकरण जिला जज की अदालत में स्थानांतरित कर दिया।

विकास दुबे व उसके रिश्तेदारों की 50 करोड़ की संपत्तियां सील, 10 वाहन भी जब्त किये गए

कानपुर। दुर्दांत अपराधी विकास दुबे और उसके रिश्तेदारों की 50 करोड़ की 10 संपत्तियों को सील कर दिया गया है। दो कारों समेत दस वाहनों को जब्त करके थाने में खड़ा कराया गया है। जब्त संपत्तियों में ज्यादातर कृषि भूमि है। सभी में रिसीवर तहसीलदार बिल्हौर ने सील लगाकर चाभी थाने के मालखाने में जमा करा दी है।

डीएम नेहा शर्मा की कोर्ट ने दुर्दांत अपराधी विकास दुबे की कानपुर, लखनऊ और कानपुर देहात की करीब 67 करोड़ की संपत्ति जब्त करने का आदेश जारी किया था। तहसीलदार बिल्हौर को रिसीवर बनाया गया था। सोमवार को तहसीलदार बिल्हौर ने विकास दुबे, पिता रामकुमार दुबे, पत्नी रिचा दुबे, उसके बेटे आकाश दुबे,

शांतनु दुबे, बहनोई दिनेश कुमार तिवारी, बहन चंद्रकांती, रेखा दुबे और करीबी गोविंद सैनी की संपत्तियों को सील किया। कृषि भूमि पर चारों तरफ बल्ली और लाल रंग का रिबन लगाकर सील किया गया है। इसी तरह से मकान में ताला डाला गया है। तहसीलदार बिल्हौर लक्ष्मी नारायण बाजपेई ने बताया कि खोदन, रामपुर सखरेज, बसेन, भीटी, बिकरू, सकरवा में कृषि भूमि, चौबेपुर कला, मालौ में प्लाट को सील किया गया है। इसी तरह दो कार, दो ट्रैक्टर, ट्राली, थ्रेसर, रोटावेटर, मोटरसाइकिल, कल्टीवेटर समेत 10 वाहन सील करके उनको थाने में खड़ा कराया गया है।

आज शहर की पांच संपत्तियां होंगी सील

विकास दुबे की पांच संपत्तियां शहर में भी हैं। उसे भी मंगलवार को सील किया जाएगा। कल्याणपुर के मिर्जापुर, कल्याणपुर कलां, शास्त्री नगर और काकादेव की संपत्ति को सील किया जाएगा। इसके लिए सदर तहसील की टीम भी कार्रवाई करने के लिए जाएगी। रिसीवर के साथ कार्रवाई होगी।

कानपुर देहात व लखनऊ भी जल्द

जल्द ही विकास दुबे की कानपुर देहात और लखनऊ की संपत्तियों को सील किया जाना है। इसकी अभी तक जानकारी नहीं आई है इसलिए अब जल्द ही दोबारा नोटिस भेजकर कार्रवाई की जाएगी। दोनों डीएम को रिमाइंडर भेजा जाएगा। डीएम नेहा शर्मा के अनुसार विकास दुबे की चौबेपुर और शिवराजपुर की संपत्तियों को सील कर दिया गया है। शहर की संपत्तियां मंगलवार को सील होंगी। 10 वाहन भी जब्त कर लिए गए हैं। कानपुर देहात व लखनऊ के लिए जल्द ही रिमांडर भेजा जाएगा। जिससे वहां भी कार्रवाई हो सके।

मंत्रियों के मंडलीय निरीक्षण दौरों का अगला चरण 10 जून से

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में सरकारी योजनाओं का उचित कार्यान्वयन और विकास कार्यों की नियमित मंडल स्तरीय समीक्षा के लिये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में शुरु किये गये मंत्रियों के मंडलीय निरीक्षण दौरों का दूसरा चरण आगामी दस जून से प्रारंभ होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया गया कि दूसरे चरण के लिये मंत्रियों के निरीक्षण हेतु मंडल बदल दिये गये हैं। दूसरे चरण में आगामी जून माह की 10, 11 एवं 12 तारीख और 17, 18 एवं 19 तारीख को मंत्रिसमूह के मंडलीय दौरे होंगे। इसके तहत कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही को लखनऊ मंडल की जिम्मेदारी दी गयी है। पिछली बार इस मंडल की जिम्मेदारी वित्त मंत्री सुरेश खन्ना के पास थी। इसी प्रकार उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को अयोध्या एवं बृजेश पाठक को प्रयागराज मंडल का दायित्व सौंपा गया है।

इसके अलावा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को दूसरे चरण में मेरठ मंडल, धर्मपाल सिंह को कानपुर मंडल और नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' को झांसी मंडल की जिम्मेदारी दी गयी है। राज्य के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह गोरखपुर मंडल, आशीष पटेल सहारनपुर मंडल, संजय निषाद चित्रकूटधाम मंडल और राकेश सचान विंध्य मंडल का दौरा करेंगे। कैबिनेट मंत्री बेबीरानी मौर्य को इस बार बस्ती मंडल, जयवीर सिंह को वाराणसी मंडल, भूपेंद्र चौधरी को आगरा मंडल, योगेंद्र उपाध्याय को आजमगढ़ मंडल, जितिन प्रसाद को मुरादाबाद मंडल, अनिल राजभर को देवीपाटन मंडल, एके शर्मा को अलीगढ़ मंडल और लक्ष्मीनारायण चौधरी को बरेली मंडल का दायित्व सौंपा गया है।

सरकार से बेखौफ, सरकारी जमीन पर बनवाई सड़क, चला बुलडोजर

लखनऊ। मुख्यमंत्री जब अतिक्रमण पर सख्त है तब भी एक प्रापर्टी डीलर ने दुस्साहस दिखाते हुये रविवार को दो घंटे में ही सरकारी जमीन पर कब्जा कर पक्की सड़क बनवा ली। मोहनलालगंज तहसील से कुछ ही दूरी पर प्रापर्टी डीलर ने रविवार को अपनी साइट तक यह सड़क बनवाई। स्थानीय लोगों ने इसका वीडियो वायरल कर दिया। इसके बाद अफसर हरकत में आ गये।

एसडीएम शुभी सिंह के आदेश पर नगर पंचायत अधिकारी ने बुलडोजर से सड़क खुदवा दी। प्रापर्टीडीलर के खिलाफ एफआईआर के लिये कहा गया तो बाबू ने खेल करते हुये अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ तहरीर दी। अब अधिशाषी अधिकारी ने मंगलवार को स्थानीय लोगों के बयान लेने के बाद एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है। मोहनलालगंज तहसील से करीब 400 मीटर दूर न्यू जेल रोड के पास प्रापर्टी डीलर प्लाटिंग कर रहा है। उसने रविवार को छुट्टी होने का फायदा उठाया।

दो घंटे में ही सरकारी जमीन पर डामर सड़क बनवा दी। प्रापर्टी डीलर ने पहले भी सड़क बनवाने का प्रयास किया था पर विरोध होने से उसे भागना पड़ा था। इस बार लोगों ने उसकी करतूत का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। एसडीएम ने कार्रवाई का आदेश दे दिया। सोमवार को मौके पर पहुंची नगर पंचायत टीम ने जेसीबी सड़क खुदवा दी।

प्रापर्टी डीलर को बचाने का खेल भी हुआ

एसडीएम ने एफआईआर का आदेश दिया तो प्रापर्टीडीलर को बचाने का खेल शुरू हो गया। अधिशाषी अधिकारी विनय द्विवेदी ने बाबू वीके सिंह को थाने जाकर तहरीर देने को कहा। जो तहरीर लिखी गई, उसमें प्रापर्टी डीलर का नाम ही नहीं था। इस पर पूछताछ हुई तो अधिशाषी अधिकारी ने बयान दिया कि मंगलवार को मौके पर कुछ लोगों के बयान लिये जायेंगे। फिर प्रापर्टी डीलर को नामजद करते हुए मुकदमा लिखाया जायेगा। एसडीएम शुभी सिंह ने बताया कि इसमें नामजद एफआईआर ही होगी। इस बारे में वह पंचायत अधिकारी से बात करेंगी कि किस वजह से अज्ञात में तहरीर दी गई।

पटाखा फैक्ट्री में तेज धमाका, अफरातफरी में दो कर्मचारी घायल

एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर के गांव सतपुरा में स्थित पटाखा बनाने की एक फैक्ट्री में मंगलवार को धमाका हो गए। इससे मची अफरातफरी में वहां तैनात दो कर्मचारी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार पटाखा फैक्ट्री में धमाकों के बाद जान बचाने के लिए मची भगदड़ में फैक्ट्री के दो कर्मचारी घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, फतेहपुर ले जाया गया। आधे घंटे के भीतर ही स्थिति पर काबू पा लिया गया।

मौके पर पहुंचे मुख्य अग्निशमन अधिकारी तेजवीर सिंह ने बताया कि फैक्ट्री में धमाके हुए हैं लेकिन आग नहीं लग पाई। इस फैक्ट्री में माचिस की तीली और सुतली के पटाखे बनते

हैं। फैक्ट्री मालिक रोहन अग्रवाल पुत्र सुनील अग्रवाल की इस फैक्ट्री में पिछले साल मार्च और दिसंबर में भी वस्फिोट की घटनाएं हुई थीं। मार्च 2021 में हुई घटना में दो महिलाओं और एक पुरूष की मौत हो गई थी। जबकि, दिसंबर 2021 में दो कर्मचारी घायल हो गए थे।

सहारनपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आकाश तोमर ने बताया कि आज जब यह घटना हुई तब फैक्ट्री में रात्रि पाली के कर्मचारियों की अदला-बदली हो रही थी। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पटाखों के कट्टे को एक स्थान से दूसरे स्थान पर खींचकर ले जाने के दौरान रगड़ लगने से पटाखों में धमाके हुए और अफरा तफरी मच गई। उनके मुताबिक फैक्ट्री में धमाके के बाद 22 वर्षीय कर्मचारी सोनू जान बचाने के लिए दीवार से कूदकर भाग रहा था जिससे वह घायल हो गया। जबकि 26 वर्षीय नीतू पटाखों के धमाकों में मामूली रूप से झुलस गया।

गौरतलब है कि गत 7 मई को सहारनपुर के सरसावा थाना क्षेत्र के गांव गोविंदपुर के जंगल में राहुल कुमार की अनार बनाने की फैक्ट्री में विस्फोट हो गया था जिसमें राहुल कुमार समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया था।

राज्यपाल का अभिभाषण जन उपेक्षा की तरह : मायावती

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा योगी सरकार की तारीफ पर तंज कसते हुये बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को कहा कि राज्यपाल जनहित, जनकल्याण तथा जनसुरक्षा से जुड़ी कड़वी जमीनी वास्तविकताओं का भी थोड़ा संज्ञान लेती तो लोगों को आगे के लिए थोड़े अच्छे दिन की उम्मीद बंध सकती थी। सुश्री मायावती ने यहां जारी बयान में कहा कि 18वीं विधानसभा के शुरूआत पर सदन के संयुक्त अधिवेशन में राज्यपाल ने अपने अभिभाषण में कल राज्य सरकार को हर प्रकार का क्लीन चिट दी थी।

जनहित व विकास आदि के भारी-भरकम सरकारी दावों की सार्थकता एवं उपयोगिता तभी होती जब वे ज़मीनी हकीकत से थोड़ा भी मेल खाते हुए जनता को दिखाई पड़ते। इस कारण यह अभिभाषण जन उपेक्षा जैसा है।

उन्होने कहा कि राज्यपाल महोदया जनहित, जनकल्याण तथा जनसुरक्षा से जुड़ी कड़वी जमीनी वास्तविकताओं का भी थोड़ा नोट लेती तो लोगों को आगे के लिए थोड़े अच्छे दिन की उम्मीद बंधती, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वैसे कुछ लोगों के अच्छे दिन जरूर आ गए हैं और उनके लिए कानून के राज का कोई मायने नहीं रखता है। वे चाहे रेत माफिया हों या थाना में घुसकर पुलिस की पिटाई ही का मामला ही क्यों न हो जिसकी खबरें आम हैं, मगर जनता का हर मामले में काफी ज्यादा बुरा हाल लगातार ही बना हुआ है। विकास व गवरनेन्स के नाम पर स्थिति कोई खास अच्छी नहीं है, जिस कारण आम लोगों का भला नहीं हुआ है। बसपा सुप्रीमो ने कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, अराजकता, जातिवाद, साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी व माफियागिरी आदि की बदतर कानून-व्यवस्था से जनता काफी त्रस्त हैं, इसीलिए सरकार को अब आगे व्यापक जनहित, जनकल्याण एवं विकास के सही काम करके भी दिखाना होगा।

उन्होने कहा कि इस अवसर पर सदन में 'राज्यपाल वापस जाओ' का नारा लगाना उचित नहीं, क्योंकि राज्यपाल महोदया को वही लिखा हुआ पढ़ना था जो सरकार ने उन्हें पढ़ने के लिए दिया है। इसलिए यह बेहतर होता कि यदि इस पर चर्चा के दौरान् सीधा सरकार को घेरा जाता।

नौकरी के नाम पर लड़की को कानपुर से प्रयागराज बुलाया, जबरन नशा देकर गैंगरेप

प्रयागराज। कानपुर के पुराना शिविली रोड कल्यानपुर की रहने वाली एक युवती से नौकरी दिलाने के नाम पर सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। युवती ने परिजनों के साथ पहुंचकर एसएसपी समेत अन्य अफसरों को तहरीर दी है। युवती का आरोप है कि रजवापुर मऊआइमा के एक शख्स ने बातचीत के बाद उसे नौकरी के लिए बुलाया। 22 मई की रात वह आठ बजे प्रयागराज पहुंची तो उसे एक कार से फाफामऊ ले जाया गया। वहां पहुंचने पर चार और लोग आ गए। इसके बाद उसे नशा देकर सभी ने सामूहिक दुष्कर्म किया। युवती का नशा उतरा तो वह विरोध करने लगी। आरोप है कि तब आरोपितों ने तमंचा निकाल लिया और कहा कि गोली मार देंगे। दुष्कर्म के बाद वह लोग धमकी देकर चले गए। युवती ने थरवई में रहने वाले अपने रिश्तेदार को फोन कर बताया तो वे लोग पहुंचे। युवती का आरोप है कि दूसरे दिन घरवाले कानपुर से आ गए। वे सब फाफामऊ थाने गए तो पुलिस मामले को लेकट टालमटोल करती रही। अंत में उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी गई। परेशान युवती की तहरीर पर एसएसपी ने फाफामऊ पुलिस से जांच कराने का आदेश है। युवती ने तहरीर में कई लोगों के नाम लिखे हैं।

बहराइच में 9 लाख की चरस बरामद, तस्कर गिरफ्तार

एजेंसी

बहराइच। बहराइच में नवाबगंज थाने की पुलिस ने एक तस्कर को चरस के साथ दबोच लिया।

बरामद चरस की अन्तराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत नौ लाख आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया गया है।

एसएसपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि नवाबगंज एसएचओ राम समुझ प्रभाकर को जानकारी हुई कि कोई युवक नेपाल से तस्करी कर मादक पदार्थ लाकर नशेड़ियों को बिक्री करता है। उन्होंने यह जानकारी अफसरों को दी। एएसपी ग्रामीण अशोक कुमार, सीओ नानपारा जंग बहादुर यादव के पर्यवेक्षण में दरोगा वेदराम यादव, सिपाही शिव सेन सिंह, संदीप कुमार ने बसंतपुर कालिका के मजरे ढोढ़े गांव नहर पुलिया के पास नाकेबंदी की।

एक संदिग्ध युवक को रोककर उसकी गहन तलाशी ली। उसके पास से 300 ग्राम चरस बरामद की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोविंदपुर पंडित के मजरे धन्नी गांव निवासी सूरज लाल उर्फ जोखन के रूप में हुई।

उसके विरुद्ध केस दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

जौहर यूनिवर्सिटी पर बुलडोजर चलने का डर, आजम खान ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान की एक याचिका पर इस सप्ताह सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने जमानत के लिये इलाहबाद उच्च न्यायालय द्वारा रखी गई एक शर्त को चुनौती दी है। खान का दावा है कि यह शर्त उनके जौहर विश्वविद्यालय के एक हिस्से को ढहाने से संबंधित है। विश्वविद्यालय को कथित रूप से शत्रु संपत्ति पर कब्जा कर बनाया गया था।

न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बेला. एम. त्रिवेदी की अवकाश पीठ के समक्ष इस मामले का उल्लेख किया गया है। खान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके एक सहयोगी ने शीर्ष अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख किया था और पीठ ने उन्हें रजिस्ट्रार के सामने इसका उल्लेख करने को कहा है। सिब्बल ने कहा, अदालत ने रजिस्ट्रार के सामने इस मामले का उल्लेख करने को कहा था।

इसका उल्लेख किया गया, लेकिन मामले को सूचीबद्ध नहीं किया गया है। पीठ ने कहा, हम इस सप्ताह मामले को सूचीबद्ध करेंगे। याचिकाकर्ता का प्रतिनिधित्व करने वाले अधिवक्ता निजाम पाशा ने सोमवार को शीर्ष अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख करते हुए इसे तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था।

उन्होंने कहा था कि उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत के लिए एक शर्त के रूप में विश्वविद्यालय को ढहाने का आदेश दिया है, और अब जिला प्रशासन इस आदेश पर अमल करने की तैयारी कर रहा है।

गौरतलब है कि उच्च न्यायालय ने 10 मई को खान को अंतरिम जमानत देते हुए रामपुर के जिलाधिकारी को 30 जून, 2022 तक जौहर विश्वविद्यालय के परिसर से जुड़ी शत्रु संपत्ति को कब्जे में लेने और उसके चारों ओर कंटीले तारों से चारदीवारी बनाने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि उक्त कवायद पूरी होने पर आजम खान की अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदल दिया जाएगा।

प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि विभाजन के दौरान इमामुद्दीन कुरैशी नामक शख्स पाकिस्तान चला गया था और उसकी जमीन को शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन खान ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत से 13.842 हेक्टेयर भूखंड पर कब्जा कर लिया।

शार्ट न्यूज

क्लीयरट्रिप पर सस्ते में होटल और विमान टिकट की पेशकश

नयी दिल्ली। ऑनलाइन ट्रैवल प्लेटफॉर्म क्लीयरट्रिप ने 'क्लीयरट्रिप तत्काल' की पेशकश की है जहां सस्ते में होटल और विमान टिकट बुकिंग की सुविधा दी जा रही है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि कल से हर दिन दोपहर 12 बजे के बाद क्लीयरट्रिप और फ्लिपकार्ट ट्रैवल प्लेटफॉर्म सीमित बुकिंग पर सारी घरेलू उड़ानों और होटलों पर सीधे 50 प्रतिशत छूट प्रदान करेंगे। इस पहल को शुरू करने के लिये क्लीयरट्रिप ने नया अभियान भी शुरू किया है। यह अभियान यात्रियों को यात्रा की बुकिंग पर छूट के बारे में सूचित करता है। क्लीयरट्रिप तत्काल के लॉन्च पर क्लीयरट्रिप के सीएमओ कुणाल दुबे ने कहा हम यात्रा के लिये अभूतपूर्व माँग देख रहे हैं और यह माँग बीतते समय के साथ केवल बढ़ेगी। यात्री अपने अगले अवकाश के लिये निकलने की तैयारी में हैं और हम क्लीयरट्रिप तत्काल को लॉन्च करके रोमांचित हैं। यह पेशकश ओटीए के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऑफर्स दे रही है। क्लीयरट्रिप तत्काल के माध्यम से हम उन सभी उपभोक्ताओं को सुलभता देना चाहते हैं, जो यात्रा करना चाहते हैं, ताकि वे निश्चिंत होकर आगे बढ़ें और अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित यात्रा की योजना बनाएं। अब हम हर अच्छी खबर को बेहतर बना रहे हैं, ताकि हमारे उपभोक्ता आराम से आनंद की एक लंबी यात्रा की बुकिंग कर सकें, जो उनकी जेब पर भारी न हो।

म्यूचुअल फंड निवेश के लिए एचडीएफसी मनी

नयी दिल्ली। म्यूचुअल फंड और दूसरी वित्तीय सेवाओं में निवेश को लोगों के लिये आसानी से सुलभ बनाने के इरादे के साथ एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने एचडीएफसी मनी डिजिटल प्लेटफॉर्म लाँच किया है जिसमें किसी तरह का डीमैट अकाउंट खोलने की जरूरत नहीं पड़ती। कंपनी ने आज जारी बयान में कहा कि इस प्लेटफॉर्म पर म्यूचुअल फंड के अलावा अन्य वित्तीय पहलुओं को मैनेज किया जा सकता है। वित्तीय उत्पादों के संग्रह तक पहुँच बनाई जा सकती है। उनका प्रबंधन किया जा सकता है। वित्तीय उत्पादों के इस संकलन में अपने काम के प्रॉडक्ट खोजे जा सकते हैं। इसकी शुरुआत वित्तीय लक्ष्य की योजना बनाने से होती है। इस प्लेटफॉर्म पर बीमा की प्लानिंग शुरू की जा सकती है, ई-वसीयत बनाई जा सकती है, टैक्स का प्रबंधन किया जा सकता है और टैक्स भरा जा सकता है। उसने कहा कि लक्ष्य पर आधारित निवेश को कोई भी नजरअंदाज नहीं कर सकता। निवेश का मूल उद्देश्य किसी वित्तीय लक्ष्य की प्राप्ति होता है। इसकी उसी तरह तरह से प्लानिंग की जा सकती है। रिटायरमेंट की प्लानिंग करते हैं या बच्चों की शिक्षा और शादी के लिए वित्त का प्रबंध करने की योजना बनाते हैं।

एफआईएफ पोर्टल पर पांच सालों में एफडीआई के 853 प्रस्तावों का निस्तारण

नयी दिल्ली। विदेशी निवेश संवर्धन बोर्ड (एफआईपीबी) को समाप्त किए जाने के बाद पांच साल में विदेशी निवेश सहायता पोर्टल (एफआईएफ) के माध्यम से देश में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के कुल 853 प्रस्तावों का निस्तारण किया जा चुका है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि यह एफआईएफ प्रणाली के लागू होने के बाद पांच साल में एफडीआई में 39 प्रतिशत की वृद्धि हुयी है। बयान के मुताबिक 2014-15 में एफडीआई 45.15 अरब डॉलर था। वर्ष 2016-17 में एफडीआई निवेश बढ़कर 60.22 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया और वर्ष 2021-22 में देश में 63.57 अरब डॉलर का एफडीआई प्राप्त हुआ। मंत्रालय का कहना है कि वर्ष 2021-22 में भारत में 101 देशों से एफडीआई प्राप्त हुआ। एक साल पहले 97 देशों ने कंपनियों में सीधे शेयर पूंजी लगायी थी। गौरतलब है कि केंद्रीय मंत्रीमंडल ने 24 मई 2017 को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रस्तावों की मंजूरी के लिए एफआईपीबी की व्यवस्था को भंग करने के प्रस्ताव को मंजूर किया था। उसके बाद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के प्रस्तावों को एफआईएफ पोर्टल के माध्यम से प्राप्त किया जाने लगा जिसका प्रबंध लोक निवेश एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) करता है। इस पोर्टल पर मिले प्रस्तावों को संबंधित मंत्रालयों के पास भेज दिया जाता है और उसी के साथ-साथ ही उसके बारे में विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और भारतीय रिजर्व बैंक को भी सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर उनकी सिफारिशों पर सूचना दे दी जाती है। एफआईएफ पोर्टल पर मांगे जाने वाले कागजात आदि के बार में डीपीआईआईटी ने पहली अधिसूचना 29 जून 2017 को जारी की थी और नौ जनवरी 2020 को इसमें संशोधन किया गया था।

जॉनसन एंड जॉनसन विजन का नया अभियान

नयी दिल्ली। जॉनसन एंड जॉनसन प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन विजन इंडिया ने अपना नया अभियान शुरू किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि देखते रह जाओगे नाम से शुरू किया गया यह अभियान कंपनी के लेंस का इस्तेमाल करने वालों पर आधारित है। इससे युवा पीढ़ी और मिलेनियल दर्शकों को आगे बढ़ते रहने और कोशिश जारी रखने का हौसला मिलता है। कंपनी के विजन केयर इंडिया के बिजनेस यूनिट निदेशक टाइनी सेनगुप्ता ने कहा जॉनसन एंड जॉनसन विजन में हमारा उद्देश्य भारत के युवाओं को कॉन्टैक्ट लेंस के जरिये दुनिया को देखने का हिम्मत भरा नया नजरिया देना है, जो उनकी शख्सियत के हरेक पहलू को पूरा बनाता है। यह देखकर हमें खुशी होती है कि ये लेंस हमारे उपभोक्ताओं की जिंदगी के हिस्से बन गए हैं और कॉन्टैक्ट लेंस के इस्तेमाल से जुड़े भ्रम तथा हिचक दूर कर रहे हैं।

एनएनईएफ की जीआईएमएस ग्रेटर नोएडा के साथ साझेदारी

नयी दिल्ली। नोवो नोर्डिस्क एज्युबकेशन फाउंडेशन (एनएनईएफ) ने आज गवर्नमेंट इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (जीआईएमएस), ग्रेटर नोएडा की साझेदारी में टाइप एक डायबिटीज से पीड़ित बच्चों के लिये एक सेंटर फॉर एक्सीलेंस (सीओई) शुरू किया। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नया केन्द्र टाइप 1 डायबिटीज के उपचार की गुणवत्ता को सुधारने में सहायक होगा और इस क्षेत्र में टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित बच्चों के लिये इंसुलिन की आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। भारत में टाइप 1 डायबिटीज से पीड़ित वंचित बच्चों के उपचार के लिये इंसुलिन समान रूप से सुलभ नहीं हो पाता है, जिससे उनका स्वास्थ्य कमजोर हो जाता है। यह सीओई ऐसे बच्चों को नि:शुल्क उपचार देने और सरकार से जुड़ने का एक प्रयास है, ताकि इंसुलिन की आपूर्ति तक पहुँच बेहतर और स्थायी हो सके। नोवो नोर्डिस्की एज्युनकेशन फाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी विक्रांत श्रोत्रिय ने कहा हम डायबिटीज के बेहतर उपचार सुलभता बढ़ाने की अपनी रणनीति के हिस्से के तौर पर अपने नये सेंटर ऑफ एक्सीरलेंस के लॉन्च की घोषणा करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रहे हैं। इस प्रयास में साथ देने के लिये हम जीआईएमएस के आभारी हैं। यह देश में लॉन्च होने जा रहे कई सीओई में पहला है और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मरीजों को सेवा प्रदान करेगा, जो कि टाइप 1 डायबिटीज के इलाज के मामले में खासकर बच्चों के लिये एक कम सेवा-प्राप्त क्षेत्र है।

19 प्रतिशत तक चढ़े जोमैटो के शेयर, 50000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा कंपनी का मार्केट कैप

नई दिल्ली। जोमैटो के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी आई है। मार्च 2022 तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद मंगलवार को जोमैटो के शेयरों में 19 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। कंपनी के शेयरों ने दिन के कारोबार के दौरान 67.60 रुपये के स्तर को छुआ। जोमैटो के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 13 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 64.95 रुपये के स्तर पर बंद हुए हैं। लिस्टिंग के बाद जोमैटो के शेयरों में आया यह सबसे बड़ा इंट्रा-डे उछाल है। कंपनी के शेयर सोमवार को 57 रुपये के स्तर पर बंद हुए थे। जोमैटो को जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में 359 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। इससे पिछले साल की समान अवधि में कंपनी को 134 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। मार्च 2022 तिमाही में ऑपरेशंस से मिलने वाला कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू बढ़कर 1212 करोड़ रुपये पहुंच गया।

बीओबी फाइनेंशियल और एचपीसीएल ने को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस रुपे क्रेडिट कार्ड किया लॉन्च

नयी दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीओबी फाइनेंशियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (बीएफएसएल) ने नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ मिलकर एचपीसीएल बीओबी को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस रुपे क्रेडिट कार्ड लॉन्च किया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह कार्ड एचपीसीएल पंपों के साथ-साथ एचपी पे ऐप पर खर्च करने वाले ग्राहकों को लाभ पहुँचाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जनोपयोगी सेवाओं, किराने और डिपार्टमेंटल स्टोर पर किए गए खर्च के लिए भी त्वरित रिवार्ड्स प्रदान करता है।

इस कार्ड का उपयोग जेसीबी नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक स्तर पर व्यापारियों और एटीएम में किया जा सकता है।

एचपीसीएल बीओबी रुपे कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड के कार्डधारक एचपीसीएल पंपों और एचपी पे ऐप पर खर्च के लिए रिवार्ड पॉइंट कमा सकेंगे। इसके अलावा, कार्डधारकों को एचपीसीएल पंपों पर या एचपी पे पर ईंधन खरीद पर 1 प्रतिशत ईंधन अधिभार छूट का भी लाभ होगा।

यह को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड जनोपयोगी सेवाओं, किराने और डिपार्टमेंटल स्टोरों पर 10 रिवार्ड पॉइंट (प्रति 150 रुपये खर्च) और अन्य श्रेणियों पर 2 रिवार्ड पॉइंट प्रदान करेगा। यह कार्ड मूवी टिकट बुकिंग पर भी आकर्षक छूट प्रदान करता है। कार्डधारक घरेलू हवाई अड्डे के लाउंज में प्रति वर्ष 4 बार नि:शुल्क प्रवेश के हकदार होंगे।

इस अवसर पर बोलते हुए, श्री शैलेन्द्र सिंह, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बीएफएसएल ने कहा, इस को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के लिए एचपीसीएल के साथ सहयोग हमारे विकास को और अधिक गति देगा तथा बैंक ऑफ बड़ौदा क्रेडिट कार्ड को ग्राहक का पसंदीदा कार्ड बनाने में मदद करेगा। इस फ्युल कार्ड को सोच-समझकर 'टैंकफुल ऑफ हैप्पीनेस% थीम के आधार पर तैयार किया गया है, जिससे यह केवल एक क्रेडिट कार्ड ही नहीं बल्कि उससे बढ़कर है।

हमने इस को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड के मूल्य प्रस्ताव को और बढ़ाने के लिए संबंधित खर्च श्रेणियों में रिवार्ड्स, अधिभार छूट, छूट आदि का एक आकर्षक इकोसिस्टम बनाया है।

संदीप माहेश्वरी, एचपीसीएल के कार्यकारी निदेशक - रिटेल ने कहा, एचपीसीएल को रुपे नेटवर्क पर को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड लॉन्च करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा और एनपीसीआई के साथ साझेदारी करने की खुशी है।

ग्राहकों को श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदान करने और उनकी यात्रा को सुरक्षित, सुगम, तेज और अधिक फायदेमंद बनाने के उद्देश्य से, इस कार्ड में कॉन्टैक्टलेस फीचर है जिससे ग्राहक ईंधन खरीद करने के लिए देश भर में फैले 20,000 से अधिक एचपीसीएल रिटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध पीओएस टर्मिनल पर केवल टैप करके भुगतान कर सकते हैं। ग्राहक एचपी पे ऐप के माध्यम से अपने ईंधन और एचपी गैस खरीद के लिए कार्ड के अनूठे लाभों का भी आनंद ले सकते हैं। यह को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड एचपीसीएल रिटेल आउटलेट्स में डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम को और बढ़ावा देगा और ग्राहकों को अपने अभिनव पेशकशों के साथ आधुनिक समय की अपेक्षाओं को पूरा करने में मदद करेगा।

एनपीसीआई की सीओओ, प्रवीणा राय ने कहा, हम रुपे के मजबूत नेटवर्क पर एचपीसीएल बीओबी को-ब्रांडेड कॉन्टैक्टलेस क्रेडिट कार्ड के रूप में एक विशेष पेशकश लॉन्च करके प्रसन्न हैं। हमें विश्वास है कि एचपीसीएल और बीएफएसएल के साथ हमारी साझेदारी इस कार्ड के उपयोगकर्ताओं को लाभप्रद और आनंदायक ईंधन और गैर-ईंधन लेनदेन का अनुभव प्रदान करेगी।

हमें यह भी विश्वास है कि यह पहल लगभग सभी खरीदारी श्रेणियों में कार्ड के विभिन्न रणनीतिक और आकर्षक लाभों के चलते देश भर में रुपे के ग्राहक आधार को मजबूत करने में मदद करेगी। इस कार्ड में ग्राहकों के लिए खुदरा खरीद को अगले स्तर तक ले जाने में एक सशक्त एजेंट के रूप में कार्य करने की क्षमता है, और साथ ही यह उन्हें कैश-लाइट एवं कॉन्टैक्टलेस होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

योशिकी कनेको, प्रेसिडेंट और सीओओ, जेसीबी इंटरनेशनल कं. लिमिटेड ने कहा, हम इस अनूठे प्रस्ताव को लॉन्च करने के लिए अपने सम्मानित नेटवर्क पार्टनर नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के माध्यम से बीएफएसएल और एचपीसीएल के साथ साझेदारी करके प्रसन्न हैं। अनेक घरेलू लाभों के अलावा, इस कार्ड में कई अद्वितीय अंतरराष्ट्रीय सुविधाएं हैं जिनमें मर्चेंट्स पर विशेष ऑफ़र और दुनिया भर के कई प्रमुख यात्रा स्थलों पर विशेष जेसीबी इन-सिटी लाउंज में प्रवेश शामिल है। हमें विश्वास है कि कार्डधारकों को इस कार्ड के उपयोग का उत्कृष्ट और लाभप्रद अनुभव प्राप्त होगा।

विश्व आर्थिक मंच : गोयल ने भारतीय उद्यमियों को देश में ही खरीद करने आग्रह किया

नयी दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को भारतीय भारतीय उद्यमियों से अपील की कि वे जहां कहीं भी अवसर हो, स्थानीय स्तर पर खरीद करें ताकि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला सशक्त और अधिक समर्थवान हो सके।

श्री गोयल ने कहा कि उद्योग और सरकार साझा सपनों की दिशा में मिल भारत 2030 तक 1000 अरब डालर मूल्य के माल और सेवाओं के निर्यात का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है।

उन्होंने भारतीय व्यवसायों से मूल्य वर्धित निर्यात को बढ़ावा देने का भी आग्रह किया और कहा कि प्रधानमंत्री गति शक्ति बुनियादी ढांचे की योजना बनाने और सामान पहुंचाने की लागत को कम करने में मदद करेगी। उन्होंने दुनिया भर में भारतीय राजनयिक मिशनों से भारतीय उद्योगों का समर्थन करने और भारतीय कारोबारियों की अच्छी बातों को दूसरों के सामने लाने का भी आग्रह किया।

वह स्विट्जरलैंड के दावोस में सुबह नाश्ते के समय व्यापार 4.0 पर एक चर्चा सत्र को संबोधित कर रहे थे।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल ने अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर अत्यधिक आश्रय पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर बल देते हुए भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से आग्रह किया, 'जहां कहीं भी अवसर हो, स्थानीय स्तर पर खरीद करें ताकि घरेलू आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हो और समर्थवान हो।' श्री गोयल के पास उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री की भी जिम्मेदारी है।

श्री गोयल ने कहा कि भारत की उपलब्धियों को आज दुनिया में उत्साह से देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्ष से कोविड-19 महामारी, चिप की कमी, भू-राजनीतिक संघर्ष,जिंसों के भाव में उछाल, कंटेनर की कमी और जहाजरानी सेवा क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं और रसद मुद्दों का सामना करना पड़ रहा है। इससे आपूर्ति श्रृंखला में भारी व्यवधान पैदा हुए हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था का संतुलन बिगड़ गया है। ऐसे हालात में भारतीय व्यवसायों ने परिस्थितियों का सामना करने का बड़ा सामर्थ्य दिखाया है। देश ने निर्यात लक्ष्यों को पार कर 2021-22 में 421.8 अरब डालर का निर्यात किया जो एक रिकार्ड है।

श्री गोयल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कथन का उल्लेख किया कि इन सभी समस्याओं के बीच भारत मरुस्थल में उद्यान जैसा दिखता है जो देश में पारदर्शिता, भरोसे है और समयबद्धता की की झलक देता है। उन्होंने कहा कि भारत ने हर संकट का समय पर जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि यह भारतीय व्यवसायों के सामर्थ्य और राजनीतिक नेतृत्व के सामर्थय और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है।

उन्होंने कहा , ''साझा सपने की दिशा में यदि हम एक टीम के रूप में काम करते हैं, तो भारत 2030 तक 1000 अरब डालर मूल्य के माल और सेवाओं के निर्यात का लक्ष्य प्राप्त कर सकता है।''

उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में सरकार ने संरचनात्मक सुधारों पर व्यापक रूप से ध्यान केंद्रित किया है जिससे प्रत्येक संकट के समय में भारत मजबूती से खड़ा रहा। इसी संदर्भ में उन्होंने डिजिटल इंडिया पहल का जिक्र किया जिसने महामारी से प्रेरित लॉकडाउन के दौरान भारत को काम करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत, जन धन-आधार-मोबाइल का तिरफा मेल, वित्तीय समावेशन, आयुष्मान भारत, टीकाकरण कार्यक्रम आदि जैसे मिशनों ने भारत को दुनिया के साथ अगले स्तर के विकास और जुड़ाव के लिए तैयार करने में मदद की है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भारत को आपूर्ति के स्त्रोतों के मामले में यथास्थितिवादी दृष्टिकोण छोड़ कर एक विश्वसनीय विकल्प के रूप में देख सकती है। उन्होंने विदेशी निवेशकों को भारत में विनिर्माण, निवेश और प्रौद्योगिकी के लिए आने का आह्वान किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत ने मुद्रास्फीति पर काबू पाने, ब्याज दरों को नियंत्रण में रखने और रुपये के मूल्यह्रास पर लगाम लगाने के लिए कई कड़े कदम उठाए हैं ताकि विकास और समृद्धि प्रभावित न हो।

टमाटर के दाम 100 रुपये के पार, हरी सब्जियां 50 प्रतिशत तक हुई महंगी

नई दिल्ली। देशभर में जहां एक तरफ एलपीजी सिलेंडर के दाम 1000 रुपये के पार चला गया है। वहीं, दूसरी तरफ टमाटर समेत हरी सब्जियों के दाम आसमान पर पहुंचने से आम आदमी की परेशानी बढ़ गई है। ऐसे में आम आदमी का बजट बिगड़ना स्वाभाविक ही है। दरअसल, देश के कई शहरों में इन दिनों टमाटर के भाव 100 रुपये तक पहुंच गए हैं।

अन्य राज्यों में टमाटर की कीमतें

देशभर के अन्य राज्यों में भी सब्जियों की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। रिटेल में टमाटर के दाम 100 रुपये किलो और 120 रुपये किलो के भाव पर बेची जा रही है। चेन्नई में टमाटर की थोक कीमतें 80 रुपये से 95 रुपये के बीच हैं और अब आंध्र और कर्नाटक दोनों में भारी वर्षा के कारण इसके बढ़ने की उम्मीद है।

दिल्ली-एनसीआर में 80 रुपये तक मिल रहा टमाटर

पिछले हफ्ते, दिल्ली में टमाटर की कीमतों में वृद्धि हुई क्योंकि राजस्थान और गुजरात में उत्पादन प्रभावित हुआ था। यह पिछले वर्षों की तुलना में 400 प्रतिशत अधिक हो गया है। दिल्ली एनसीआर के रिटेल मार्केट में इस साल टमाटर 65-80 रुपये किलो बिक रहा है। एशिया की सबसे बड़ी सब्जी और फल मंडी आजादपुर और गाजीपुर मंडी के कारोबारियों के मुताबिक, टमाटर की आवक घटकर लगभग एक तिहाई रह गई है, जिससे इसकी कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई है। रिटेल मार्केट में इस साल टमाटर 65-80 रुपये प्रति किलो बिक रहा है।

क्या है वजह

सप्लाई में कमी और अनप्रिडिक्टेबल वेदर (मौसम) के चलते देशभर में सब्जियों की कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई हैं। पुणे में टमाटर की कीमतों ने आसमान छू लिया है और यहां अच्छी क्वालिटी के टमाटर 80 रुपये से 100 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। इतना ही नहीं, लगभग सभी हरी सब्जियों के दाम में पिछले महीने की तुलना में कम से कम 40-50त्न की बढ़ोतरी हुई है। चूंकि टमाटर का ज्यादातर घरों में डेली यूज में आता है, इसलिए उच्च कीमतों ने मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए इसे खरीदना मुश्किल बना दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगले तीन से चार हफ्तों तक टमाटर की कीमतों में गिरावट की संभावना नहीं है।

बैंक ऑफ इंडिया का तिमाही शुद्ध लाभ 606 करोड़ पर दोगुना

एजेंसी

मुंबई। सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने मंगलवार को बताया कि शुद्ध ब्याज आय में बढ़ोतरी और ऋणों की वसूली में सुधार की बदौलत 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में उसे 606 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ।

वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 250 करोड़ रुपये था।

बैंक ने एक बयान में कहा कि जनवरी-मार्च 2022 की तिमाही में बैंक की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 35.77 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 3,986 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 में इसी दौरान यह आंकड़ा 2,936 करोड़ रुपये था।

पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में बैंक का शुद्ध लाभ 57.60 प्रतिशत उछलकर 3,405 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,160 करोड़ रुपये था।

पूरे वित्त वर्ष के दौरान एनआईआई 14,062 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 में 14,269 करोड़ रुपये थी।

बीओआई ने बताया कि मार्च 2022 को समाप्त हुए वित्त वर्ष में बैंक का सकल अवरुद्ध ऋण (एनपीए) 19.33 प्रतिशत घटकर 45,605 करोड़ रुपये रहा जो मार्च 2021 को 56,535 करोड़ रुपये था जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में कुल एनपीए 19.66 प्रतिशत गिरकर 9,852 करोड़ रुपये रहा जो 31 मार्च 2021 को 12,262 करोड़ रुपये था।

बैंक का चालू खाता और बचत खाते में जमा अनुपात बढ़कर 45.02 प्रतिशत हो गया जो एक साल इसी समय 41.27 प्रतिशत था।

बैंक ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में ऋण कारोबार में वृद्धि में 10-12 प्रतिशत हो सकती है तथा सकल एनपीए आठ प्रतिशत से नीचे आ सकता है। बैंक को वर्ष के दौरान शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) तीन प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

गेहूं के बाद अब चीनी निर्यात पर प्रतिबंध की तैयारी, सरकार का ये है प्लान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार गेहूं की तरह चीनी के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू कीमतों में उछाल को रोकने के लिए सरकार करीब छह साल में पहली बार चीनी निर्यात को प्रतिबंधित कर सकती है। यह भी संभव है कि सरकार इस सीजन के निर्यात को 10 मिलियन टन पर सीमित कर दे। आपको बता दें कि भारत विश्व का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है। वहीं, ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत ने सितंबर को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में 18 मई तक 75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है। भारत से प्रमुख आयातक देश इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और अफ्रीकी देश हैं। विपणन वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20 में क्रमश: लगभग 6.2 लाख टन, 38 लाख टन और 59.60 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक की देश में कुल चीनी उत्पादन में लगभग 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी है।

दूसरे दिन भी गिरा शेयर बाजार

एजेंसी

मुंबई। यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दरों में बढ़ोतरी के संकेत से विदेशी बाजारों में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन भी गिरकर बंद हुआ।

ईसीबी की अध्यक्ष क्रिस्टीन लेगार्ड के ब्याज दरों में बढ़ोतरी किये जाने के संकेत से वैश्विक बाजार में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.34, जर्मनी का डैक्स 0.95, जापान का निक्केई 0.94, हांगकांग का हैंगसेंग 1.75 और चीन का शंघाई कंपोजिट 2.41 प्रतिशत लुढ़क गया। इसके दबाव में हुई बिकवाली से बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 236 अंक गिरकर 54052.61 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 89.55 अंक उतरकर 16125.15 अंक पर रहा।

दिग्गज कंपनियों के मुकाबले बीएसई की छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक बिकवाली हुई। इससे मिडकैप 0.85 प्रतिशत कमजोर होकर 22,259.55 अंक और स्मॉलकैप 1.14 प्रतिशत लुढ़ककर 25,883.85 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3430 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2267 में गिरावट जबकि 1039 में तेजी रही वहीं 124 के भाव स्थिर रहे। इसी तरह एनएसई में 32 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष 18 में लिवाली हुई।

इस दौरान बैंकिंग और वित्त समूह की 0.13 प्रतिशत की बढ़त को छोड़क शेष 15 कंपनियों में बिकवाली का दबाव रहा वहीं ऑटो समूह के शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। बेसिक मैटेरियल्स 1.09, एफएमसीजी 1.38, हेल्थकेयर 1.35, आईटी 1.75, यूटिलिटीज 1.70, धातु 1.32, पावर 1.64, रियल्टी 1.14 और टेक समूह के शेयर 1.64 प्रतिशत लुढ़के।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 19 अंक बढ़कर 54,307.56 अंक पर खुला और लिवाली की बदौलत दोपहर बाद 54,524.37 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली होने से कारोबार के अंतिम चरण में 53,886.28 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। अंत में पिछले दिवस के 54,288.61 अंक की तुलना में 0.43 प्रतिशत उतरकर 54,052.61 अंक पर आ गया।

इसी तरह निफ्टी भी 11 अंक की बढ़त लेकर 16,225.55 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 16,262.80 अंक के उच्चतम जबकि 16,078.60 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,214.70 अंक के मुकाबले 0.55 प्रतिशत टूटकर 16,125.15 अंक पर रहा।

इस दौरान सेंसेक्स की 20 कंपनियां गिरावट पर रहीं वहीं शेष 10 में तेजी रही। टेक महिंद्रा ने सबसे अधिक 3.92 प्रतिशत का नुकसान उठाया जबकि डॉ. रेड्डी सर्वाधिक 1.80 प्रतिशत की बढ़त पर रही। गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एनटीपीसी 2.10, टाटा स्टील 1.70, एक्सिस बैंक 1.58, मारुति 1.22, एलटी 1.20, भारती एयरटेल 0.83 और आईसीआईसीआई बैंक 0.41 प्रतिशत शामिल रही।

मोतीलाल ओसवाल समूह के कोष ने किया कुशल रिटेल में 85 करोड़ रुपये का निवेश

नयी दिल्ली। इंडिया बिजनेस एक्सेलेंस फंड-3 ने बेंगलुरु की फैशन ज्वैलरी कंपनी कुशल्स रिटेल प्राइवेट लिमिटेड में 85 करोड़ रुपये का निवेश करने की घोषणा की है इस निवेश कोष का प्रबंध मोतीलाल ओसवाल समूह की इकाई एमओ एलटरनेट इंन्वेस्टमेंट एजवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड(मोप) करती है।

कुशल्स और मोतीलाल ओसवाल ने मंगलवार को एक साझा बयान में बताया कि कुशल्स में निवेश करने वाला इंडिया एमएसएमई इन्वेटमेंट्स-फंड1 कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बनाए रखे है और 2019 में किए गए पहले निवेश के बाद उससे कई गुना ऊंचे मूल्यांकन के आधार पर एक और निवेश किया है।

बयान के अनुसार मोतीलाल ओसवाल प्राइवेट इक्विटी के नेतृत्व में कुशल्स में 90 करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता है। कुशल की स्थापना वर्ष 2006 में की गयी थी । इसके पोर्टफलियों में कंपनी मंदिर, कुंदन, प्राचीन, समकालीन, चांदी आदि जैसे 12000 से अधिक डिजाइन की फैशन जूलरी (दिखावटी आभूषण) हैं। कंपनी मुख्य रूप से अभी दक्षिण भारत के बाजार में है जहां उसके 43 स्टोर हैं। इसके अलवा वह ऑनलाइन वेबसाइट के माध्यम से अपने उत्पादों की खुदरा बिक्री करती है।

कुशल्स के प्रमोटर मनीष गुलेछा ने कहा,हम मोप के साथ साझेदारी कर उत्साहित है और आशा करते हैं कि इससे हमारी कारोबार में वृद्धि बेहद तेजी से होगी। इस सौदे से प्राप्त धन राशि को स्टोर की संख्या बढ़ाने, ऑनलाइन सेवाओं को मजबूत करने और विस्तार करने के काम में लिया जाएगा। मोप के प्रबंध निदेशक और सीईओ विशाल तुलस्यम ने कहा,हमारा मानना है कि आगामी चार-पांच वर्षों में फैशन ज्वैलरी उद्योग 6-7 अरब डॉलर का हो सकता है। कुशल अपने शानदार डिजाइन, उच्च गुणवत्ता और प्रीमियम स्टोर के साथ इस क्षेत्र में प्रमुख ब्रांडों में से एक है और यह फैशन ज्वैलरी में एक सबसे बड़ा खिलाड़ी बन सकता है।

शार्ट न्यूज

असम के अभिजीत ने विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में बनाई जगह

नयी दिल्ली। असम के अभिजीत बरुआ वर्ल्ड बॉक्सिंग काउंसिल की ओर से तंज़ानिया में आयोजित होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में पहुंचने वाले राज्य के पहले पेशेवर बॉक्सर बन गये हैं। अभिजीत के विश्व चैम्पियनशिप में पहुंचने की ख़बर मिलते ही उनके गांव जोरहाट में ख़ुशी का माहौल छा गया।69 किलो वर्ग के प्रतिभागी बरुआ ने रविवार को आरडीसी स्पोर्ट्स द्वारा आयोजित एशियाई बॉक्सिंग काउंसिल के ट्रायल्स में उत्तर प्रदेश के शिवम तिवारी को हराया था।24 घंटे में नंगे पांव सबसे लंबी दूरी दौड़ने का रिकॉर्ड भी बरुआ के नाम ही है। साल 2012 में बरुआ ने 24 घंटे में 156.2 किमी नंगे पांव दौड़कर गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में अपना नाम दर्ज कराया था। बरुआ मार्शल आर्ट्स के विशेषज्ञ भी हैं और उन्होंने 10 अलग-अलग श्रेणियों में कई पुरस्कार जीते हैं। वर्तमान में यूथ लाइटवेट विश्व चैंपियन राजेश कसाना लुक्का की कोचिंग में प्रशिक्षण ले रहे बरुआ का सपना है कि वह भारत के पहले पेशेवर विश्व चैंपियन बनें। इस सपने के साथ उन्होंने असम पुलिस की अपनी नौकरी छोड़कर अपना जीवन बॉक्सिंग को समर्पित कर दिया है।

देश में ओलंपिक आंदोलन और मजबूत होगा

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की सदस्य नीता अंबानी ने मंगलवार को कहा कि देश में ओलंपिक आंदोलन को और मज़बूत किया जाएगा। अंबानी ने ओडिशा में आईओसी द्वारा भारत के पहले 'ओलंपिक मूल्य शिक्षा कार्यक्रम'(ओवीईपी) के लॉन्च पर कहा कि ओलंपिक की मूल भावना के अनुरूप यह कार्यक्रम शिक्षा और खेल की दोहरी शक्तियों को साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक समिति ने यह शिक्षा कार्यक्रम युवाओं को उत्कृष्टता, सम्मान और दोस्ती के ओलंपिक मूल्यों से परिचित कराने के लिए तैयार किया है। मूल्य-आधारित इस पाठ्यक्रम को मुंबई में प्रस्तावित आईओसी 2023 सत्र से पहले शुरू किया जा रहा है। अंबानी ने इस शिक्षा कार्यक्रम के बारे में कहा, भारत महान अवसरों और अनंत संभावनाओं का देश है। हमारे स्कूलों में 25 करोड़ से अधिक बच्चे हैं, जिनमें प्रतिभा और क्षमता है। वे कल के चैंपियन हैं, हमारे देश का भविष्य हैं। उन्होंने कहा, दुनिया में बहुत कम बच्चे ही ओलंपियन बन पाते हैं, लेकिन हर बच्चे को ओलंपिक के आदर्शों से अवगत कराया जा सकता है। यही ओवीईपी का मिशन है और यही इसे भारत के लिए एक बड़ा अवसर बनाता है। ऐसे में जब हम अगले साल मुंबई में आईओसी सत्र 2023 की मेजबानी की तैयारी कर रहे हैं, मैं आशा करती हूं कि देश में ओलंपिक आंदोलन और मजबूत होगा। ओवीईपी को ओडिशा की स्कूली शिक्षा प्रणाली में एकीकृत किया जाएगा। कार्यक्रम को स्कूल और जन शिक्षा विभाग, उड़ीसा सरकार और अभिनव बिंद्रा फाउंडेशन ट्रस्ट की साझेदारी में विकसित किया जा रहा है। अंबानी ने भारत के ओलंपिक सपने के समर्थन और ज़मीनी स्तर पर विकास के लिए उड़ीसा सरकार को धन्यवाद दिया।

हरमनप्रीत की बदौलत सुपरनोवा ने बनाये 150 रन

पुणे। हरमनप्रीत कौर (71) की ज़िम्मेदार पारी की बदौलत सुपरनोवा ने महिला टी20 चैलेंज के मंगलवार के मुकाबले में वेलोसिटी के सामने 151 रन का लक्ष्य रखा है। वेलोसिटी ने टॉस जीतकर सुपरनोवा को पहले बल्लेबाज़ी करने के लिये बुलाया और पहले चार ओवर में ही तीन विकेट चटक लिये। पहले ओवर में केट क्रॉस ने प्रिया पुनिया को चार रन के निजी स्कोर पर आयाबोंग खाका के हाथों कैच आउट करवाया। इसके बाद केट ने तीसरे ओवर की तीसरी गेंद पर हरलीन देओल को मात्र सात रन के स्कोर पर चलता किया और चौथे ओवर की पांचवी गेंद पर डायंड्रा डॉटिन सिर्फ छह रन बनाकर दीप्ती शर्मा की गेंद पर यस्तिका भाटिया को कैच थमा बैठीं। मात्र 18 रन पर तीन विकेट गंवाकर सुपरनोवा की हालत नाज़ुक थी लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तानिया भाटिया के साथ 82 रन की साझेदारी कर टीम को सुरक्षित स्थिति में ला खड़ा गया। 15वें ओवर में तानिया 36(32) रन बनाकर रन आउट हो गयीं। इसके बाद हरमनप्रीत ने 71(51) रन पर आउट होने से पहले सुने लूस के साथ 38 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। हरमनप्रीत ने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाये। लूस ने सुपरनोवा की पारी में चार चौकों सहित 20 रन का योगदान दिया। वेलोसिटी की ओर से केट क्रॉस ने अपने चार ओवर में सिर्फ 24 रन देकर दो विकेट लिये जबकि दीप्ति शर्मा अपने चार ओवर में एक विकेट के बदले 31 रन दिये। राधा यादव ने अपने तीन ओवर में 22 रन देकर एक विकेट झटका। अन्य गेंदबाज़ विकेट नहीं ले पाये।

ऑस्ट्रेलिया के सहायक कोच नियुक्त हुए डैनियल वेटोरी और आंद्रे बोरोवेच

मेलबोर्न। ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम के मुख्य ऐंड्र्यू मैक्डॉनल्ड की नई टीम में न्यूज़ीलैंड के पूर्व कप्तान डैनियल वेटोरी को शामिल किया गया है। वेटोरी को आंद्रे बोरोवेच के साथ टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया है। यह दोनों ही जून महीने के अंत में श्रीलंका के ख़िलाफ़ शुरु होने वाली टेस्ट सीरीज़ से बतौर सहायक कोच टीम के साथ जुड़ेंगे। बोरोवेच ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ पिछले साल से ही काम कर रहे हैं, वहीं वह ऑस्ट्रेलिया ए टीम के कोचिंग स्टाफ़ का हिस्सा भी हैं। पाकिस्तान के ख़िलाफ़ सीमित ओवरों की सीरीज़ में ऑस्ट्रेलिया टीम के साथ काम करने वाले वेटोरी द हंड्रेड के इस सीज़न में बर्मिंघम फ़ीनिक्स के साथ बतौर कोच जुड़े रहेंगे। वेटोरी ने पिछले सीज़न इस टीम को फ़ाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका भी निभाई थी। मैक्डॉनल्ड और वेटोरी दोनों को ही साथ में खेलने और कोचिंग की सेवा देने का अनुभव रहा है। वह आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए साथ खेलने के अलावा टीम के कोचिंग स्टाफ़ का भी हिस्सा रह चुके हैं, जहां मैक्डॉनल्ड ने वेटोरी के अंडर सहायक के तौर पर काम किया था। वेटोरी का कोचिंग करियर काफ़ी अनुभवी रहा है। वह बांग्लादेश टीम के साथ बतौर स्पिन गेंदबाज़ी सलाहकार काम कर चुके हैं। नई भूमिका में वेटोरी को मैक्डॉनल्ड के साथ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ों की तैयारियों, योजनाओं और उनके कार्यभार की देखरेख करनी होगी। वहीं उन्हें ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट कोचों से भी नियमित तौर पर संवाद स्थापित करते रहना होगा। द हंड्रेड 4 अगस्त से 3 सितंबर के बीच होगा, लिहाज़ा ऑस्ट्रेलिया और ज़िम्बाब्वे के बीच खेले जाने वाली सफ़ेद गेंदों की सीरीज़ में वेटोरी टीम के लिए अनुपलब्ध रह सकते हैं। हालांकि वह टी20 विश्व कप और उससे पहले भारत में होने वाली तीन टी20 मैचों की सीरीज़ के लिए उपलब्ध रहेंगे।

धोनी सर की तरह अंत तक खेलना है

पुणे। अपने व्हॉट्सऐप स्टेटस पर किरण नवगिरे ने महेंद्र सिंह धोनी के प्रति अपने अपार प्रेम को ज़ाहिर किया है। वह उन्हें क्रिकेट का भगवान मानती हैं। महाराष्ट्र की इस धाकड़ बल्लेबाज़ ने कहा , मैं धोनी की तरह लंबे छक्के लगाना चाहती थी और इसी वजह से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था। देश के साथ-साथ मेरे लिए भी बहुत कुछ बदल सा गया जब धोनी ने (2011) विश्व कप जीतने के लिए वह छक्का लगाया था। 11 वर्षों बाद नवगिरे अपनी बल्लेबाज़ी के दम पर सुर्ख़ियां बटोर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुई महिला टी20 लीग में नागालैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने सर्वाधिक 35 छक्के लगाए। इसके अलावा उन्होंने 54 चौकों की मदद से कुल 525 रन बनाए। इस दौरान वह एक टी20 मैच में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय महिला भी बनी। साथ ही अपनी पार्ट टाइम ऑफ़ स्पिन से उन्होंने सात विकेट झटके। इस प्रदर्शन के बाद वह महिला टी20 चैलेंज में अपना पहला मैच खेलने की कगार पर हैं। तीन टीमों वाली यह प्रतियोगिता अपने चौथे संस्करण में है और नवगिरे को दीप्ति शर्मा के नेतृत्व वाली वेलॉसिटी टीम में चुना गया है। एमसीए स्टेडियम पर अपने दूसरे अभ्यास सत्र के बाद कप्तान दीप्ति ने कहा, मैं किरण को पहली बार नेट्स में खेलते हुए देख रही थी जब मुझे पता चला कि वह शेफ़ाली (वर्मा) की तरह एक बेहतरीन पावर हिटर हैं। अभ्यास में मैंने उन्हें ज़्यादातर समय छक्के लगाते हुए ही देखा है।

शेफ़ाली, लोरा के अर्धशतकों की बदौलत वेलोसिटी ने सुपरनोवास को सात विकेट से हराया

पुणे। शेफ़ाली वर्मा (51) और लोरा वोलवार्ड (51) के आतिशी अर्धशतकों की बदौलत वेलोसिटी ने मंगलवार के महिला टी20 चैलेंज मुकाबले में सुपरनोवास को सात विकेट से शिकस्त दी।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए सुपरनोवास ने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 150 रन बनाये। इसके जवाब में वेलोसिटी ने 10 गेंदें रहते ही 151 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

अपने पहले मुकाबले में जीत के साथ वेलोसिटी ने दो अंक अर्जित कर लीग में अपना खाता खोल लिया है। इसके अलावा सुपरनोवास के दो मुकाबलों में एक हार और एक जीत के साथ दो अंक हैं जबकि ट्रेलब्लेज़र सुपरनोवास के खिलाफ सोमवार का अपना एकलौता मुकाबला हारकर एक भी पॉइंट हासिल नहीं कर पाई है।

वेलोसिटी ने टॉस जीतकर सुपरनोवास को पहले बल्लेबाज़ी करने के लिये बुलाया और पहले चार ओवर में ही तीन बल्लेबाज़ों को पवेलियन लौटा दिया।

मात्र 18 रन पर तीन विकेट गंवाकर सुपरनोवास की हालत नाज़ुक थी लेकिन कप्तान हरमनप्रीत कौर ने तानिया भाटिया के साथ 82 रन की साझेदारी कर टीम को सुरक्षित स्थिति में ला खड़ा गया। सुपरनोवास के लिये हरमनप्रीत ने 71(51), तानिया ने 36(32) और सुने लूस ने 20(14) रन बनाये। सुपरनोवास के लिये सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली हरमनप्रीत ने अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाये।

वेलोसिटी की ओर से केट क्रॉस ने अपने चार ओवर में सिर्फ 24 रन देकर दो विकेट लिये जबकि दीप्ति शर्मा अपने चार ओवर में एक विकेट के बदले 31 रन दिये। राधा यादव ने अपने तीन ओवर में 22 रन देकर एक विकेट झटका।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेलोसिटी की सलामी बल्लेबाज़ शेफाली वर्मा ने टीम को विस्फोटक शुरुआत दिलाते हुए 51(33) रन की पारी खेली। शेफाली ने अपनी पारी में नौ चौके और एक छक्का लगाया। लोरा वोलवार्ड ने भी सात चौकों और एक छक्के की बदौलत 51(35) रन बनाये। इसके अलावा दीप्ति शर्मा ने 24(25) और यस्तिका भाटिया ने 17(13) रन बनाये।

सुपरनोवास की ओर से डायंड्रा डोटिन ने अपने 3.2 ओवर में 21 रन देकर दो विकेट चटके जबकि पूजा वस्त्रकार ने तीन ओवर में 27 रन के बदले एक विकेट लिया। हरमनप्रीत को उनकी कप्तानी पारी के लिये प्लेयर ऑफ़ द मैच चुना गया।

हीरो एशिया कप में जापान ने भारत को 5-2 से शिकस्त दी

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में चल रहे हीरो एशिया कप हॉकी के पूल ए के मुकाबले में मंगलवार को जापान ने भारत को 5-2 से शिकस्त दी।

जीबीके एरिना में हुए मुकाबले में जापान पहले क्वार्टर से ही भारत पर हावी रहा। मैच के 23वें मिनट में नागायोशी केन ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए जापान के लिये पहला गोल किया।

मैच के 39वें मिनट में दोबारा जापान की ओर से कवाबे कोसेई ने गोल कर स्कोर 2-0 पर पहुंचा दिया। इसके जवाब में भारत को राहत दिलाते हुए राजभर पवन ने 44वें मिनट में टीम का पहला गोल किया। चार मिनट बाद ही ऊका रयोमा ने जापान के लिये एक और गोल कर स्कोर 3-1 कर दिया। मैच के 49वें मिनट में सिंह उत्तम ने भारत के लिये गोल कर स्कोर को 3-2 किया लेकिन इसके बाद मैच भारत की पकड़ से निकलता रहा।

जापान के यामासाकी कोजी ने 54वें मिनट में और कावाबे कोसाई ने 55वें मिनट में गोल कर जापान की बढ़त को 5-2 कर दिया।

इस हार के साथ भारत पूल ए के पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर जबकि जापान पहले स्थान पर पहुंच गया है। भारत अभी तक हीरो एशिया कप में एक भी मुकाबला नहीं जीता है। भारत और पाकिस्तान के बीच सोमवार को हुआ मुकाबला 1-1 पर समाप्त हुआ था। भारत का अगला मैच इंडोनेशिया के खिलाफ है।

एशिया कप : बांग्लादेश ने ओमान को 2-1 से हराया

जकार्ता। बांग्लादेश ने मंगलवार को पूल-बी के अपने दूसरे मुक़ाबले में ओमान को 2-1 से शिकस्त देते हुए हीरो एशिया कप की अपनी पहली जीत दर्ज की।

जीबीके एरिना में एक दिन पहले आयोजित मुक़ाबले में बांग्लादेश को कोरिया के हाथों 6-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

मंगलवार के मुकाबले में बांग्लादेश ने अपने कोच गोबीनाथ कृष्णमूर्ति की योजनाओं पर विश्वास जताते हुए अपनी ओर आए सभी मौकों को भुनाया। मैच के छठे मिनट में अशरफुल इस्लाम ने पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए बांग्लादेश के लिये पहला गोल किया।

17वें मिनट में ओमान के रशद अल फज़्री ने फील्ड गोल करते हुए मैच को 1-1 की बराबरी पर ला खड़ा किया। ओमान को मैच में छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, मगर वह एक का भी फायदा नहीं उठा पाई जिससे उनकी जीत की संभावना बुरी तरह प्रभावित हुई। बांग्लादेश ने अच्छा खेल दिखाते हुए मैच के 40वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर से एक और गोल किया और मोहम्मद राकिबुल की मदद से 2-1 की बढ़त हासिल कर ली, जो मैच समाप्त होने तक नहीं बदली।

बांग्लादेश के कोच गोबीनाथ ने जीत के बाद कहा, एशियाई खेलों के क्वालिफायर में ओमान के हाथों 6-2 हारने के बाद इस जीत से अच्छा महसूस हो रहा है। आज हमारे खिलाड़ियों ने काफ़ी बेहतर खेल खेला और ओमान ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, हम यहां अपना खेल सुधारने के लिये आये हैं। हम लगातार अपनी योजना के अनुसार ही खेलेंगे। हमने एक साथ 13-14 मैच खेले हैं, मैं खुश हूं कि कई नये खिलाड़ियों के आने के साथ हमने एक अच्छी टीम बनायी है।

अब ओलम्पिक चैंपियन बनकर भाषण दूंगी : निखत

एजेंसी

नयी दिल्ली। विश्व चैंपियन बन चुकी भारत की निखत जरीन (52 किग्रा) ने मंगलवार को वादा किया कि वह अब ओलम्पिक चैंपियन बनकर भाषण देंगी। निखत ने भारतीय मुक्केबाजी संघ द्वारा यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित सम्मान समारोह में कहा, मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं। मैं विश्वास दिलाती हूं कि मैं आगे ओलम्पिक चैंपियन बनकर यहां पर आप सबके सामने भाषण दूंगी। भारत ने तुर्की के इस्तांबुल में आयोजित विश्व महिला चैंपियनशिप में एक स्वर्ण और दो कांस्य पदक जीते। मनीषा (57 किग्रा) और परवीन (63 किग्रा) ने प्रतियोगिता में कांस्य पदक हासिल किये। ये पदक विजेता और टीम की अन्य सदस्य तथा सपोर्ट स्टाफ के सदस्य भी सम्मान समारोह में मौजूद थे। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह भी समारोह में मौजूद थे। ठाकुर ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। ठाकुर ने कहा, मैं भारतीय दल और मुक्केबाजों को दिल की गहराईयों से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं निखत को ख़ास तौर पर बधाई देना चाहता हूं जिन्होंने अपने सम्बोधन में अपने लिए अब ओलम्पिक चैंपियन बनने का लक्ष्य रखा है। ठाकुर ने कहा, भारत प्रतियोगिता में तीसरे स्थान पर रहा। अगर आप तालिका देखें तो दूसरे और तीसरे स्थान के 23-23 अंक थे। दूसरे स्थान वाले देश ने दो स्वर्ण पदक जीते थे।

मैं अपने खिलाड़ियों से कहना चाहता हूं कि वे जीतने की आदत डालें। हमारी सरकार ने पिछले पांच वर्षों में मुक्केबाजों पर 128 करोड़ रुपये खर्च किये हैं। मैं राज्य और खेल महासंघों से कहना चाहता हूं कि वे देखें कि दूसरे राज्य और खेल संघ अच्छा प्रदर्शन कैसे कर रहे हैं और वे अपना प्रदर्शन कैसे सुधार सकते हैं।

आर-पार के मूड में पाकिस्तान सरकार, इमरान के धरना प्रदर्शन पर रोक

नई दिल्ली। पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार के लिए पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान सिरदर्द बनते जा रहे हैं। इमरान खान ने नई सरकार के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान करते हुए आजादी की असली लड़ाई का आह्वान कर दिया है। लेकिन इसी बीच शाहबाज शरीफ भी आर-पार की लड़ाई के मूड में दिख रहे हैं। शाहबाज शरीफ सरकार ने इमरान खान के धरना प्रदर्शन पर रोक लगाने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद ऐसा माना जा रहा है कि सरकार और विपक्ष एक बार फिर आमने सामने आ सकते हैं।

इमरान के ऐलान के बाद सख्त हुई सरकार

दरअसल, पाकिस्तान की शाहबाज शरीफ सरकार ने इस्लामाबाद की ओर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के %लॉन्ग मार्च% के खिलाफ सख्त कदम उठाने और प्रदर्शन पर कार्रवाई करने का फैसला किया है। कैबिनेट की बैठक में इमरान खान को राज्य के रिट को चुनौती देने की अनुमति नहीं देने का फैसला किया गया है। पाकिस्तान की मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इमरान खान के %लॉन्ग मार्च% के खिलाफ दो शहरों राजधानी इस्लामाबाद और रावलपिंडी की पुलिस ने रणनीति तैयार करना शुरू कर दिया है।

पूर्व प्रधानमंत्री के धरना प्रदर्शन पर रोक

रिपोर्ट में अधिकारियों के हवाले से बताया गया है इमरान खान के प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने संवेदनशील जगहों का दौरा किया जो पहले से ही कंटीले तारों से घिरे हुए हैं। हालांकि सरकार भीड़ को शांतिपूर्वक इस्लामाबाद में प्रवेश करने और धरना देने की अनुमति देने पर विचार कर रही है। लेकिन धरना प्रदर्शन पर रोक रहेगा। फिलहाल सरकार ने अभी तक कोई आदेश जारी नहीं किया है कि प्रदर्शनकारियों के साथ कैसा व्यवहार किया जाए लेकिन सरकार पूरी तरह सतर्क है।

इसके अलावा सरकार ने सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत पंजाब में पांच या अधिक लोगों के इकट्ठा होने पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिया है और इस सप्ताह लाहौर में रात भर की छापेमारी में इमरान खान के कुछ नेताओं को हिरासत में लिया है। वहीं राजधानी इस्लामाबाद के कई इलाकों में बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बलों को तैनात किया गया है। रेड जोन, जिसमें संसद, विदेशी दूतावास और प्रधानमंत्री कार्यालय सहित प्रमुख इमारतें हैं, उन्हें बंद कर दिया गया है।

इमरान ने बताया आजादी की असली लड़ाई

शाहबाज शरीफ सरकार के खिलाफ प्रदर्शन के ऐलान के बाद इमरान ने इसे आजादी की असली लड़ाई बताया और उन्होंने सेना से कहा है कि वह इसमें तटस्थ रहे। इमरान खान की मुख्य मांग यह है कि नेशनल असेंबली को तुरंत भंग कर नए चुनाव के कार्यक्रम का ऐलान किया जाए। खान ने कहा कि सत्ता बदलने के लिए अमेरिकियों ने उन पाकिस्तानियों का इस्तेमाल किया, जो देश में सबसे ज्यादा भ्रष्ट हैं और जो अपने भ्रष्टाचार के लिए किसी भी साजिश का हिस्सा बनने को तैयार हैं।

प्रदर्शन को बताया गया इमरानी साजिश

उधर पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन ने इस्लामाबाद कूच को देश में अराजकता फैलाने की %इमरानी साजिश% कहा है। पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री हमजा शहबाज ने एक बयान में कहा कि इमरान खान और उनके समर्थक जनता के हमदर्द नहीं हैं। इमरान खान अपने अहंकार को पूरा करने के लिए पूरे देश को बंधक नहीं बना सकते। फिलहाल इमरान के ऐलान के बाद पाकिस्तान की राजनीति फिर एक बार गर्म हो गई है। इमरान खान ने बुधवार 25 मई को इस्लामाबाद की तरफ कूच करने का एलान किया है।

नाव को लेकर असमंजस की स्थिति में सरकार!

हालांकि शाहबाज शरीफ सरकार ने दबी जुबान में यह जरूर कह दिया है कि अभी चुनाव नहीं कराया जाएगा लेकिन एक्सपर्ट्स यह मानते हैं कि सरकार असमंजस की स्थिति में है। उधर शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली संघीय सरकार में सूचना मंत्री मरियम औरंगजेब ने कहा कि अगला चुनाव कब होगा, यह तय करने का अधिकार सिर्फ सरकार को है।

उन्होंने पाकिस्तान के आवाम से कहा कि अब पाकिस्तान के इस दुश्मन के खिलाफ खड़ा होने का समय आ गया है।

नाटो में एंट्री पर तुर्की के अड़ंगे से परेशान स्वीडन और फिनलैंड, मनाने के लिए इस्तांबुल भेजेंगे टीम

हेलसिंकी (फिनलैंड)। फिनलैंड और स्वीडन के नाटो सैन्य गठबंधन की सदस्यता को लेकर तुर्की ने विरोध तेज कर दिया है। फिनलैंड विदेश मंत्री पेक्का हाविस्तो ने मंगलवार को कहा कि इस अड़ंगे को हल करने के लिए बुधवार को एक टीम इस्तांबुल भेजी जाएगी। दरअसल, तुर्की की आपत्तियों ने फिनलैंड और स्वीडन की उन उम्मीदों पर ब्रेक लगा दिया है जिसमें वे यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अपनी सुरक्षा के मद्देनजर नाटो से जुड़ना चाहते हैं।

फिनलैंड के विदेश मंत्री पेक्का हाविस्तो ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में एक पैनल चर्चा के दौरान कहा, हम समझते हैं कि आतंकवाद को लेकर तुर्की की अपनी कुछ सुरक्षा चिंताएं हैं। हमें लगता है कि इन मुद्दों को सुलझाया जा सकता है। कुछ ऐसे मुद्दे भी हो सकते हैं जो सीधे फिनलैंड और स्वीडन से नहीं बल्कि नाटो के अन्य सदस्यों से जुड़े हुए हैं।

दरअसल, तुर्की का कहना है कि स्वीडन और फिनलैंड कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) के आतंकवादी समूह और फेतुल्लाह गुलेन के अनुयायियों से जुड़े लोगों को शरण देते हैं, जिन पर तुर्की ने 2016 के तख्तापलट के प्रयास को अंजाम देने का आरोप लगाया है। तुर्की के विदेश मंत्रालय ने फिनलैंड की टीम का स्वागत करने की बात कही है और बताया कि वार्ता बुधवार से शुरू होगी।

इससे पहले सोमवार को तुर्की ने स्वीडन की नाटो सदस्यता का समर्थन करने के लिए पांच शर्त रखीं। जिसमें मांग की गई कि स्वीडन तुर्की के खिलाफ प्रतिबंध हटा दे, जिसमें हथियार निर्यात प्रतिबंध भी शामिल है।

नाटो ने बयान में कहा है, स्वीडन ने सदस्यता के लिए आवेदन किया है, इसलिए उससे तुर्की की सुरक्षा चिंताओं के बारे में ठोस आश्वासन देने और ठोस कदम उठाने की उम्मीद है।

पाकिस्तान में बढ़ रही 'अमेरिका विरोधी' भावना

वाशिंगटन/इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान में 'अमेरिकी-विरोध' बढ़ रहा है क्योंकि अब यह सभी जानते हैं कि उन्हें प्रधानमंत्री के पद से हटाने की साजिश किसने रची थी। सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में श्री खान ने कहा, अप्रैल के महीने में उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर उन्हें प्रधानमंत्री के पद से हटा दिया गया। वह बार-बार यह दावा करते रहे कि दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के अमेरिकी ब्यूरो के सहायक सचिव डोनाल्ड लू ने वाशिंगटन में पाकिस्तान के राजदूत से मुलाकात की और उनसे कहा कि उन्हें संसद द्वारा बर्खास्त कर दिया जाना चाहिए। क्रिकेटर से राजनेता बने श्री खान ने कहा श्री डानाल्ड ने धमकी दी कि जब तक श्री खान को सत्ता से बेदखल नहीं किया जाता है, तब तक पाकिस्तान को परिणाम भुगतने होंगे। जब उनसे उनके किए जा रहे इन दावों के सबूतों के बारे में पूछा गया, तो जवाब में पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों को दोनों पक्षों के बीच हुई मुलाकात के बारे में पता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी राजदूत की ओर से भेजे गए एक सीक्रेट लेटर में इस बैठक का जिक्र था, जिसे पाकिस्तान की कैबिनेट को भेज दिया गया था। उल्लेखनीय है कि इमरान खान पहले पाकिस्तान की सेना और वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में विपक्ष पर अमेरिका के साथ साजिश रचने का आरोप भी लगा चुके हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि देश की जनता में इस वक्त गुस्सा और 'अमेरिका विरोधी' भावना है।

क्वाड नेताओं ने की भारत के वैक्सीन देने की प्रशंसा

टोक्यो/नयी दिल्ली। चतुष्कोणीय गठजोड़ (क्वॉड) देशों के नेताओं ने मंगलवार को टोक्यो में शिखर सम्मेलन के दौरान क्वाड वैक्सीन पार्टनरशिप के तहत इस वर्ष अप्रैल में थाईलैंड और कंबोडिया को मेड इन इंडिया टीकों की 5,25,000 डोज दान देने के लिए भारत की प्रशंसा की और स्वागत किया। शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, हम क्वाड द्वारा कंबोडिया और थाईलैंड को दिए गए तोहफे पर खुशी जाहिर करते हैं, जिसमें मेड इन इंडिया टीकों को मंजूरी दी गई है। साथ में क्वाड सदस्यों के अन्य वैक्सीन से संबंधित मदद को एक उपलब्धि के रूप में मानते हैं। बयान में कहा गया, हम भविष्य में स्वास्थ्य संबंधी खतरों के खिलाफ कोविड-19 प्रतिक्रिया और तैयारियों दोनों को संबोधित करना जारी रखेंगे। कोविड -19 महामारी से निपटने के लिए क्वाड के चल रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए, क्वाड नेताओं ने भारत में जैविक-ई सुविधा बढ़ती विनिर्माण क्षमता का स्वागत किया और डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) द्वारा ईयूएल अनुमोदन के शीघ्र अनुदान का आह्वान किया ताकि टीकों को वितरित सुचारू रूप से शुरू हो सके। संयुक्त बयान में कहा गया है कि क्वाड देशों ने बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा के निर्माण और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने की दृष्टि से कोविड -19 प्रतिक्रिया के लिए वैश्विक प्रयासों का नेतृत्व किया है तथा आगे भी करते रहेंगे।

दावोस में धनी राष्ट्रभक्तों की मांग: उन पर कर बढ़ाया जाए

दावोस 24 मई (वार्ता) स्विटजरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूईएफ) में एकत्रित हुए उद्योग और राजनीतिक जगत के गणमान्य हस्तियों ने सरकार से उन पर कर बढ़ाए जाने की मांग की है ताकि जीवनयापन के लिए दुनियाभर में आम लोग जिस संकट का सामना कर रहे हैं, उससे निपटा जा सके। द गार्डियन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस वार्षिक सम्मेलन में अपना जिक्र 'राष्ट्रभक्त धनी' के रूप में करते हुए इन हस्तियों ने दुनियाभर के राजनेताओं से अमीरों पर नए कर का प्रावधान लाए जाने की मांग की ताकि विश्व में जीवनयापन के लिए जिस तरह की आर्थिक विषमता फैली हुई है, उसे कम किया जा सके। ब्रिटेन से ताल्लुक रखने वाले करोड़पति फिल व्हाइट ने कहा, जिस तरह से आर्थिक संकट के बोझ तले दुनिया दब रही है, उसे देखते हुए आर्थिक रूप से संपन्न व्यक्ति और राजनेता इस दिशा में एक अहम बदलाव लाने के लिए यहां जुटे हैं। उन्होंने कहा, हम अक्सर देखते हैं कि हमारे राजनेता अक्सर उन्हीं की ज्यादा सुनते हैं, जिनके पास पहले से ही सुविधाओं की प्रचुरता है, ऐसे लोग जो अपेक्षाकृत कम कर चुकाते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत: वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन न कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थवव्यस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति
वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश : मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

CMYK CMYK CMYK CMYK